ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वीर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए निकाली तिरंगा यात्रा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 16 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-134

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 संवैधानिक सवाल

सुप्रीम कोर्ट ही बताए संविधान बड़ा या सुप्रीम कोर्ट..!

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। संविधान का अतिक्रमण कर राष्ट्रपति के शीर्ष संवैधानिक आसन पर रौब गांठने की कोशिश करने वाले सुप्रीम कोर्ट को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संवैधानिक उल्लंघन के 14 सवाल पूछ कर करारा तमाचा रसीद किया है। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछा है कि क्या सुप्रीम कोर्ट विधेयक को लेकर राष्ट्रपति से समय-सीमा के बारे में सवाल कर सकता है? क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को समय-सीमा के बारे में निर्देशित कर सकता है? राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी पूछा है कि राज्यपाल के पास कोई बिल आए तो क्या वह राज्य सरकार की बात माने या वह संविधान के प्रावधानों के मुताबिक चले?

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार के कुछ विधेयक पर असहमत होते हुए राज्यपाल आरएन रवि ने उसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेज दिया था। इस बीच तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई और सुप्रीम कोर्ट ने उछलते हुए इस मामले में राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति तक को नसीहत देने से लेकर निर्देश देने तक की धृष्टता कर डाली। इस धृष्टता का असर यह हुआ कि तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल की औपचारिक मंजूरी के बगैर ही विधेयक पारित कर दिए और गंभीर संवैधानिक अराजकता की स्थिति पैदा कर दी। सुप्रीम कोर्ट के

दो न्यायाधीशों जेबी पारदीवाला और आर महादेवन ने खुद को राष्ट्रपति से भी ऊपर समझा और राष्ट्रपति को भी संवैधानिक प्रावधानों के पालन की नैतिकता समझाने लगे। जबकि भारतीय संविधान में राष्ट्रपति को शीर्ष संवैधानिक आसन माना गया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भी राष्ट्रपति ही करता है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट के दो मामूली जजों ने संविधान का उल्लंघन करने की हिमाकत की। इस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से लेकर सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश चंद्र शर्मा तक ने सार्वजनिक तौर पर आपत्ति दर्ज की। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति ने कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, फिर सुप्रीम कोर्ट ने किस आधार पर यह फैसला दिया? ▶10पर

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कूटनयिक मंच पर कहा

पाकिस्तान को आतंकियों के ढांचे बंद करने होंगे

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा को एक बार फिर से रेखांकित करते हुए कूटनयिक मंच पर कहा है कि पाकिस्तान को आतंकियों के बुनियादी ढांचे बंद करने होंगे। जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान से अब आतंकवाद नष्ट करने और पीओके को खाली करने के मसले पर ही बात होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह द्विपक्षीय होंगे। इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ अब बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी।

होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है, जिसे उसे हमें सौंपना होगा। साथ ही उसे आतंकियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। जयशंकर ने कहा, सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह रोका नहीं जाता। कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है, वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना। हम इस चर्चा के लिए तैयार हैं। संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। पाकिस्तान ने उस सलाह को न मानने का फैसला किया। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान पहुंचाया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। इसलिए यह स्पष्ट है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। ▶10पर

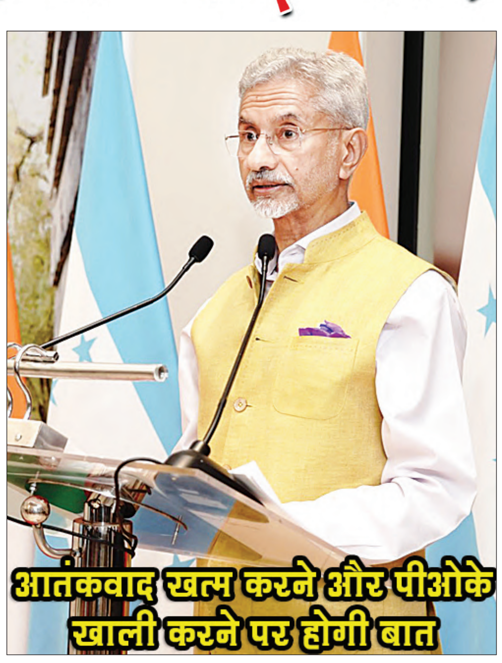

ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर घाटी पहुंचे रक्षामंत्री

हमें अपनी सेना पर गर्व है : राजनाथ

जम्मू, 15 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू कश्मीर के दौरे पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना के अधिकारियों और जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए उनकी पीठ थपथपाई और बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बादामी बाग छावनी में अफसरों और जवानों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। रक्षा मंत्री के साथ जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री कश्मीर घाटी में सेना की कमान संभालने वाली चिनार कोर के मुख्यालय भी गए। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचकर वायुसेना के जवानों से मुलाकात की थी और उनका हौसला बढ़ाया था। बादामी बाग छावनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस विषम परिस्थिति में, आप सबके बीच आकर, आज मैं, बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमारे प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। मैं अभी भले ही आपका रक्षा मंत्री हूं लेकिन उससे पहले तो भारत का नागरिक हूं। रक्षा मंत्री के साथ-साथ, मैं आज, भारत के नागरिक के रूप में भी आपका आभार प्रकट करने आया हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें अपनी सेना पर गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद पर बड़ी कार्रवाई है। पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। आपने जिस तरीके से, सीमा के उस पार पाकिस्तान की चौकियों और बंकरों को धवस्त किया, दुश्मन उसे कभी भूल नहीं पायेगा। आमतौर पर लोग जोश में होश खो देते हैं। लेकिन आपने, जोश भी रखा, होश भी रखा और सूझबूझ के साथ दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद ▶10पर

आतंकवादियों के बाद अब उग्रवादियों की बारी

मणिपुर में 10 आतंकी ढेर

भारी मात्रा में हथियार-गोला बरामद

इंफाल, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और म्यांमार की सीमा पर मणिपुर में असम राइफल्स ने 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया। खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। इसके बाद उग्रवादियों से सेना की मुठभेड़ हुई। सेना ने ऑपरेशन के बारे में आधिकारिक पुष्टि की है।

भारत- म्यांमार सीमा के पास मणिपुर के चंदेल में असम राइफल्स ने 10 उग्रवादियों को मार गिराया है। दरअसल वहां मौजूद असम राइफल्स को इसकी खुफिया जानकारी मिली। इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। उग्रवादियों ने इस दौरान सेना पर फायरिंग की और एनकाउंटर शुरू हुआ। सेना ने 10 उग्रवादियों को मौत के घाट उतार दिया। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। ▶10पर

जम्मू कश्मीर में 48 घंटे में दो बड़ी मुठभेड़

लश्कर और जैश के 6 आतंकी मारे गए

पुलवामा, 15 मई (ब्यूरो)। पुलवामा स्थित त्राल इलाके के नादिर गांव में गुरुवार की सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। तीनों आतंकियों की पहचान पुलवामा के ही रहने वाले आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। आज की मुठभेड़ शोपियां जिले के केल्लर इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा लश्करे तैयबा के तीन आतंकवादियों को मार गिराने के दो दिन बाद हुई है। यानि, दो दिनों में छह आतंकवादी मारे गए हैं। जम्मू कश्मीर में दो दिनों में यह दूसरी मुठभेड़ है। यह मुठभेड़ शोपियां जिले में एक अन्य ऑपरेशन के ठीक दो दिन बाद हुई, जिसमें लश्करे तैयबा के ▶10पर

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने लगाए गंभीर आरोप

15 दिन पाकिस्तान में क्या कर रहे थे कांग्रेसी सांसद!

गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी के आईएसआई और सोरोस से लिंक

गुवाहाटी, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच एक और मामला गहराता जा रहा है। यह लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़ा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर आरोप लगाया कि वे 15 दिन की पाकिस्तान यात्रा पर गए थे। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि वे इतने दिनों तक वहां क्या कर रहे थे! उन्होंने यह भी कहा, गौरव गोगोई का बेटा और बेटी भारतीय नहीं हैं। उनके पास इसके पर्याप्त साक्ष्य हैं। बच्चों को अभी भी यह नहीं पता कि वे भारतीय नहीं हैं। उनके माता-पिता ने उन्हें ऐसा बना दिया है। ▶10पर

घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन में राजस्थान सरकार

हजार से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

डेढ़ सौ भेजे गए बांग्लादेश, अन्य डिटेंशन सेंटर में बंद

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों पर तगड़ा एक्शन लिया है। राजस्थान के भीतर सरकार ने 1000 से अधिक बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इन्हें वापस भेजने की कार्रवाई भी चालू हो गई है। इनका पहला जत्था भरके बांग्लादेश रवाना कर दिया गया है। राजस्थान पुलिस ने 148 बांग्लादेशी घुसपैठियों को जोधपुर में वायुसेना के एयरबेस से एक विशेष विमान के जरिए पश्चिम बंगाल भेजा गया। यहां बीएसएफ से सहयोग करके उन्हें बांग्लादेश भेजा जाएगा। राजस्थान में पुलिस ने अब तक 1008 बांग्लादेशी घुसपैठियों ▶10पर

शेयर मार्केट

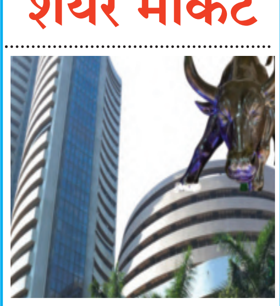

बीएसई : 82,530.74
+1200.18 +1.48% ↑

एनएसई :25,062.10
395.20 (1.60%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

ऑपरेशन सिंदूर में मित्र राष्ट्र के हथियार ने भी दिया साथ

शौर्य का रंग दिखा रही यह नायाब दोस्ती...

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के रूस और इजराइल जैसे मित्र राष्ट्रों से मिले हथियारों ने बेहतरीन कारनामे किए। भारत और रूस की साझीदारी में तैयार ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान को धूल चटवा दिया। रूस के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के कमाल से भी पूरी दुनिया परिचित हुई। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की कामयाबी देखते हुए भारत ने अब रूस से इसकी नई खेप मंगवाई है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूसी एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली ने अपनी असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किया। यह सिस्टम 600 किमी तक लक्ष्यों को ट्रैक कर और 400 किमी की रेंज में उन्हें नष्ट करने की दक्षता का परिचय दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की अहम भूमिका देखते हुए भारत ने रूस से इसकी अतिरिक्त यूनिट्स की मांग की है। रूस में बना एस-400 सिस्टम भारतीय सेना में पहले से ही तैनात है। हाल के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रूस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है, जिसे विभिन्न हवाई खतरों जैसे विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिस्टम 600 किमी तक टारगेट को ट्रैक और 400 किमी की रेंज में उन्हें नष्ट कर सकता है। इसका अपडेटेड फेज्ड ऐरे रडार एक साथ 100 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक करता है। एस-400 चार प्रकार की मिसाइलें दाग सकता है, जो विभिन्न दूरी और ऊंचाई पर खतरों का मुकाबला करती हैं। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5.43 बिलियन डॉलर में पांच एस-400 यूनिट्स का सौदा किया था, जिनमें से पहली 2021 में पंजाब में तैनात की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को रोकने और विफल करने में एस-400 की सटीकता काम आई। एस-400 के चलते पाकिस्तानी जेट विमानों और मिसाइलों को मिशन रद्द करने या मार्ग बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी स्थिति में उसके हमले की योजनाओं को गंभीर झटका लगा। एस-400 ने पश्चिमी सीमा से आने वाले हवाई खतरों को त्वरित और प्रभावी ढंग से नष्ट किया, जिससे भारत की रक्षा क्षमता मजबूत हुई। इस शानदार प्रदर्शन ने ही भारत को अतिरिक्त एस-400 यूनिट्स के लिए रूस से ▶10पर

रूस और इजराइल के हथियारों ने किए कई कारनामे

कार्टून कॉर्नर

डिजिटल युग में महिलाओं का सशक्तिकरण

जीतो महिला विंग ने शुरू की डिजिनारी कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक ऐतिहासिक सहयोग में, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन जीतो महिला विंग एपेक्स, महिला विंग बेंगलूरु साउथ चैप्टर एवं महिला विंग चेन्नई चैप्टर ने मिलकर डिजिनारी कार्यशाला की शुरुआत की।

यह दस सत्रों वाली ऑनलाइन श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) और डिजिटल विपणन (डिजिटल मार्केटिंग) की उन्नत तकनीकों से सशक्त बनाना है।

इस परिचय सत्र का आयोजन जूम प्लेटफॉर्म पर किया गया, जिसमें तीन सौ से अधिक

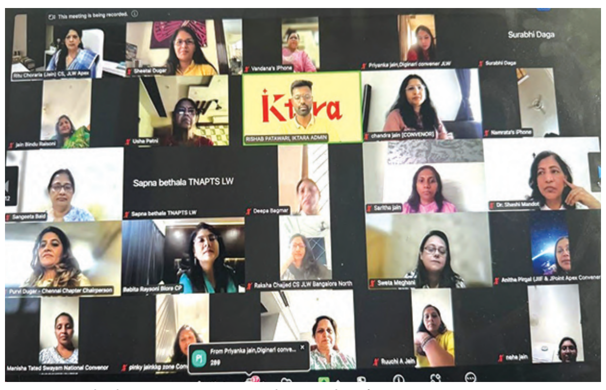

प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें गृहिणियाँ, कामकाजी महिलाएँ, उद्यमी और छात्राएँ शामिल थीं। मुख्य वक्ता ऋषभ पटवारी, संस्थापक इकतारा एजुकेशन (इकतारा एजु) ने प्रतिभागियों को कैनवा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स (ए.आई. टूल्स), गूगल विज्ञापन (गूगल ऐड्स), खोज इंजन अनुकूलन (एस.ई.ओ.) और सोशल मीडिया रणनीति जैसी तकनीकों से परिचित कराया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शशि मांडोत, सचिव जीतो महिला विंग एपेक्स के स्वागत भाषण से हुई। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साऊथ चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने कहा आज का दिन खास है, केवल इसलिए नहीं कि हम दो क्रांतिकारी विषयों पर चर्चा कर रहे हैं, बल्कि इसलिए कि दो चैप्टर एक साथ आए हैं, कुछ नया सीखने और एक बेहतर जीवन की दिशा में बढ़ने के लिए। अतिथियों में पुरवी दुगड़, चेयरपर्सन चेन्नई चैप्टर, शीतल दुगड़, राष्ट्रीय अध्यक्षा जीतो महिला विंग, सोनाली दुगड़, महावीर चपलोत, प्रभारी सचिव पिंकी जैन, कन्वीनर के.के.जी. अनिता पिरगल, कन्वीनर जीतो इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन एवं जे पॉइंट, सुनीता गांधी कन्वीनर श्रवण आरोग्यम, बिंदु रायसोनी कन्वीनर लघु गृह उद्योग आदि शामिल थे। इस आयोजन की संयोजिकाएँ थीं, चंद्रा जैन और रेखा किशोर जैन, और इनके साथ जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की पूरी प्रबंधन समिति ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का समापन डॉ. शशि मांडोत के हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रभारी सचिव ने किसानों को समय पर बीज व खाद उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी सचिव डी. रणदीप ने अधिकारियों को बीदर जिले में चालू मानसून सीजन के दौरान किसानों को समय पर बीज और उर्वरक की आपूर्ति करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने गुरुवार को बीदर में प्रमुख विभागों के साथ प्रगति की समीक्षा की और कहा कि मानसून जून के पहले सप्ताह में आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए तुरंत उपयुक्त केन्द्रों की पहचान कर बीज एवं उर्वरक वितरण की कार्यवाही की जाए। जिले में एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं के परिणाम सुधारने के लिए तुरंत नए कार्यक्रम तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार को बजट में घोषित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा विभिन्न निगमों एवं अन्य विभागीय भवनों के निर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिला कलेक्टर शिल्पा शर्मा ने बताया कि जनता

दर्शन के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का निपटारा कर दिया गया है। उन्होंने और जिला पंचायत सीईओ ने समय-समय पर विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की है। जिला पंचायत के मुख्य योजना अधिकारी किशोर दुबे ने बताया कि जिले में कुल 7.81 करोड़ लाभार्थियों को पंच गारंटी योजनाओं के तहत लाभ मिला है। इससे कुल 2280 करोड़ रुपये का वित्तीय व्यय हुआ है। संयुक्त कृषि निदेशक जियाउल्लाह ने बताया कि जिले में कुल बुवाई का लक्ष्य 4.21 लाख हेक्टेयर है। पिछले वर्ष की फसल का मुआवजा किसानों को वितरित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवकुमार शीलवंत ने बताया कि 2023-24 में 75 किसान के आत्महत्या मामलों में मुआवजा वितरित किया गया है। जिलाधिकारी के पी.डी. खाते में 18 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं।

भाषा साहित्य मंच की मातृदिवस गोष्ठी में शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच की ओर से बुधवार को गूगल मीट से ऑनलाइन मातृदिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हताहत लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मंच की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. उषा श्रीवास्तव ने सभी को माँ, मातृभूमि एवं मातृभाषा का महत्व बताते हुए सेना के लिए कुछ सहयोग राशि भेजने का प्रस्ताव रखा जो सभी ने एकमत से स्वीकार किया। मातृ दिवस गोष्ठी का आरम्भ डॉ. शैलजा रोला की सुमधुर स्वरचित सरस्वती वंदना से हुआ। गोष्ठी का सुघड़ संचालन डॉ. भूमिका श्रीवास्तव ने माँ के महत्व एवं सम्मान में वाक्यांश प्रस्तुत करते हुए किया। डॉ सुमन मल्होत्रा अध्यक्ष पद पर विराजमान हुईं एवं काव्य गोष्ठी का आरम्भ उन्होंने माँ पर दो कविताएं सुनाकर किया। सरिता श्रीवास्तव ने गाय और बछड़े के माध्यम से मार्मिक प्रस्तुति दी। ज्योति तिवारी ने माँ को याद करते हुए भावपूर्ण प्रस्तुति दी। सुदेश वत्स ने मां को याद करते हुए माँ को फ्रेश फॉर एवर कहा। भगवती सक्सेना ने प्राकृतिक संरचनाओं के साथ माँ की तुलना करते हुए मार्मिक गीत की प्रस्तुति दी।

शैलजा रोला ने माँ को याद करते हुए कहा कि माँ के सिवा अंतर्मन को समझने वाला कोई नहीं होता। सुषमा कुलश्रेष्ठ ने अपनी रचना के माध्यम से व्यक्त किया कि जब माँ थी तो सारा संसार अपना था। अचला प्रवीण ने माँ को याद करते हुए उनके गुणों की व्याख्या की। डॉ. भूमिका श्रीवास्तव ने माँ की खुशबू बसी होती है साड़ी में, कविता को भावपूर्ण पंक्तियों में बांधा। डॉ. उषा श्रीवास्तव ने माँ को ममता की छाँव कहा।

वात्सल्यपुरम आश्रम में ज्ञान वाटिका का शुभारंभ

श्री ब्यावर युवा महिला विंग बेंगलूरु द्वारा होगा संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर युवा महिला विंग बेंगलूरु द्वारा छोटे बच्चों को धार्मिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से गणिवर मनीषप्रभ सागर जी और मतीषप्रभ सागर जी की निश्रा में ज्ञान वाटिका का शुभारम्भ किया गया। इसमें वात्सल्यपुरम आश्रम, जयनगर के बच्चों को धार्मिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने, जिन्होंने अपना अमूल्य समय जिनशासन और समाज को देकर बच्चों को ज्ञानदान प्रदान करने के लिए स्वैच्छिक रूप से स्वीकृति प्रदान की उन सभी शिक्षिकाओं का आदर सहित भावभीना अभिनन्दन किया और कहा कि प्रति सप्ताह यहां अनिता गांग, चन्द्रकला डाकलिया, मधु कोठारी

, मोनिका बोहरा, प्रीति बोहरा, सरिता डाकलिया, शीतल चौरड़िया, शीतल बाफना, श्वेता बोहरा द्वारा धार्मिक क्लास ली जाएगी। प्रति छह माह में बच्चों की परीक्षा ली जाएगी। खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी के सुशिष्य उपाध्याय प्रवर मनितप्रभ सागर जी द्वारा रचित ज्ञान वाटिका कोर्स और कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ का धार्मिक पाठशाला कोर्स पढ़ाया जाएगा। गुरुदेव ने इस अवसर पर बच्चों को पहले पाठ के रूप में परमात्मा की स्तुति की वांचना प्रदान की और कहा कि धर्म और संस्कारों के बिना मनुष्य की उन्नति सम्भव नहीं है। साथ ही बच्चों को धर्मप्रधान जीवन यापन की प्रेरणा दी। ज्ञान वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन विजयराज डोसी ने कहा कि ज्ञान वाटिका की पूरे भारतवर्ष में नब्बे शाखाओं के साथ चार हजार विद्यार्थी इसमें धार्मिक विद्ध्याभ्यास कर रहे हैं। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष दिनेश खींचा, ब्यावर संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढा, ब्यावर संघ युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, सहमंत्री नरेश बोहरा, कंचन छाजेड, सीमा बोहरा ने लेडीज विंग को ज्ञान वाटिका के शुभारम्भ की शुभकामनाएं प्रदान की। आश्रम की संचालिका शिखा जैन ने आश्रम संचालन के पिछले पन्द्रह वर्षों के अनुभवों के बारे में बताया और इस यात्रा में सहयोग करने वाले सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को धन्यवाद प्रदान किया। ज्ञान वाटिका की ओर से सभी का धन्यवाद आभार ज्ञापित किया गया। ज्ञान वाटिका राष्ट्रीय अध्यक्षा सरोज गुलेच्छा राजनांदगांव, अंकित जैन बाड़मेर का पाठशाला प्रारम्भ करने में सहयोग प्राप्त हुआ। ज्ञान वाटिका की ओर से सभी बच्चों को उपहार स्वरुप बैग और धार्मिक पाठ्यक्रम की पुस्तकें प्रदान की गई।

तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केअर का अवलोकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा संचालित देश की 50वीं आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केअर हनुमंतनगर में साध्वी पावनप्रभा जी एवं सहवर्ती साध्वी रम्यप्रभा जी ने आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केअर का अवलोकन किया एवं मंगलपाठ सुनाया। परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं एटीडीसी संयोजक गौतम खाब्या ने एटीडीसी में हो रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सभी समाज के वर्गों के लिए रक्त परिक्षण एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यहाँ नवीनतम मशीनरी द्वारा रक्त परिक्षण एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक एवं परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक समेत अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

कृषि क्षेत्र में नवाचार भविष्य में क्रांति लाएंगे

जैविक खेती को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए: राज्यपाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र और राज्य सरकारों को कृषि उत्पादकता में सुधार और उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृषि वैज्ञानिकों से पूरक अनुसंधान में संलग्न होने का आह्वान किया। बेंगलूरु कृषि विश्वविद्यालय के 59वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण कृषि उत्पादन और जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं।

भोजन भी एक रासायनिक मिश्रण है। प्राकृतिक कृषि प्रणाली इसका समाधान हो सकती है। उन्होंने कहा कि युवा वैज्ञानिकों को कृषि शुद्धिकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कम भूमि से अधिक उत्पादन के लिए ड्रोन और उपग्रह आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। कृषि क्षेत्र में नवाचार भविष्य में क्रांति लाएंगे। लेकिन जैविक खेती को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग, जल समस्या, कीटनाशकों और किसानों की आर्थिक समस्याओं का समाधान ढूंढा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टिकाऊ कृषि को लागू किया जाना चाहिए। कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार एकीकृत कृषि-खाद्य पार्कों की स्थापना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ डिजिटल खेती प्रौद्योगिकियों पर जोर दे रही है। चालू वर्ष में किसानों को समय-आधारित सलाह उपलब्ध कराने के लिए कॉल सेंटर खोले गए हैं। जल के कुशल उपयोग तथा रोगों एवं कीटों के नियंत्रण के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकताएं तिलहन, अनाज और दलहन के उत्पादन को बढ़ावा देना, पर्यावरण अनुकूल गतिविधियां सुनिश्चित करना, मृदा उर्वरता का संरक्षण और गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि चालू कृषि वर्ष में अच्छी बारिश हुई है और बिना किसी सूखे की स्थिति के अच्छा उत्पादन दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि जहां देश की कृषि वृद्धि दर 3.8 प्रतिशत है, वहीं राज्य में 4 प्रतिशत की उच्च वृद्धि हुई है। डॉ. यू.एस. अवस्थी ने कहा कि आधुनिक कृषि पद्धतियों को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी युवा वैज्ञानिकों पर है। रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण भोजन जहरीला होता जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। फसल विफलता, बाजार की समस्याएं, सिंचाई की समस्याएं और कृषि श्रमिकों की कमी जैसी गंभीर समस्याओं का समाधान ढूंढा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने की जरूरत है। इफको ज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधार पर 9 पर्यावरण अनुकूल उर्वरक पेश करेगा। मिट्टी और पानी की सुरक्षा के लिए अधिक सावधानी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को बहुफसली मॉडल के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि प्रौद्योगिकी महंगी है और कृषि वैज्ञानिकों को इस चुनौती से निपटने, खेती को किफायती बनाने तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनुसंधान करना चाहिए। इस मौके पर 871 विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में स्नातक उपाधि, 311 को स्नातकोत्तर उपाधि तथा 89 को डॉक्टरेट उपाधि प्रदान की गयी। स्नातकोत्तर वर्ग में 62 और स्नातक वर्ग में 58 लोगों को स्वर्ण पदक प्राप्त हुए। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रमण्यम और इफको के सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक योगेन्द्र कुमार को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

साध्वी संयमलता जी का शान्तिनगर में मंगलमय आगमन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्यश्री महाश्रमणजी की विद्वान सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी का शान्तिनगर में मंगलमय आगमन हुआ। साध्वीश्री ने प्रवचन कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र और महावीर स्तुति के साथ की। अपने प्रवचन में कहा जीवन में अभाव और प्रभाव का होना दुःख का कारण है, किंतु इन्हीं अभाव और प्रभाव में यदि सद्भाव जुड़ जाए, तो वही जीवन सुखद बन जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के सुखी जीवन का रहस्य है - शरीर की स्थिरता, मन की एकाग्रता, और भावों की पवित्रता। इसलिए जीवन में हमें दूसरों के प्रति प्रेम और मैत्री का भाव रखना चाहिए, जिससे न केवल हम स्वयं शांति और सुख को प्राप्त करें, बल्कि दूसरों को भी शांत और सुखी बना सकें। साध्वी ने संकटमोचक, कष्टनिवारक और उपलब्धिप्रदायक बीजाक्षरों के कुछ मंत्रों का लयबद्ध उच्चारण भी करवाया। इस अवसर पर साध्वी रौनक प्रभा जी ने भावपूर्ण गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी श्री संयमलता जी ने जितेंद्र घोषल के समर्पण और सेवा की सराहना करते हुए कहा कि वे चारित्र आत्माओं को सुख पहुँचाते रहे हैं और उनकी चिंताओं को निश्चितता में बदलते रहे हैं। तेयुप परामर्शक जितेंद्र घोषल ने स्वागत गीत प्रस्तुत करते हुए आगामी चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर माणकचंद बलदोटा, पवन बच्छावत, महावीर नागसेठिया, चुन्नीलाल घोषल, कन्हैयालाल सिंघी, नरेंद्र सुराणा सहित अच्छी संख्या में श्रावकगण उपस्थित थे।

उडुपी डीसी ने अधिकारियों को अंबालापडी, कलसांका जंक्शन पर तुरंत सिग्नल लगाने का दिया निर्देश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपायुक्त (डीसी) डॉ. के. विद्याकुमारी ने अंबालापडी और कलसांका जंक्शनों पर सिग्नल लाइट लगाने से संबंधित आदेशों का पालन न करने पर अधिकारियों के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की है। जिले में सड़क सुरक्षा पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए और उडुपी शहर के पांच प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने में देरी का जिक्र करते हुए, उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और कलसांका और अंबालापडी जंक्शनों पर सिग्नल तुरंत लगाने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सड़क सुरक्षा प्राधिकरण की कार्य योजना के तहत सड़क सुरक्षा कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया, जिसमें अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और वाहनों की सुचारू और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, डॉ. विद्याकुमारी ने अधिकारियों को सड़क साइनबोर्ड लगाने और सुरक्षा संबंधी कार्यों को अंजाम देने सहित सभी आवश्यक एहतियाती उपायों को लागू करने का निर्देश दिया। डॉ. विद्याकुमारी ने यातायात सुरक्षा मानदंडों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा यातायात नियमों का सार्वजनिक पालन और निर्धारित गति सीमा बनाए रखना सड़क सुरक्षा को काफी बढ़ा सकता है। उन्होंने दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्रों में वैज्ञानिक सुधारों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जैसे कि जहां भी आवश्यक हो, वहां स्पीड ब्रेकर और साइनबोर्ड लगाना। डीसी ने खुलासा किया कि ओवर-स्पीडिंग या लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाओं में शामिल 82 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित कर दिए गए हैं। शहर की बसों के तेज गति से चलने और अंधाधुंध रुकने के बारे में भी चिंता व्यक्त की गई, जिससे यातायात जाम और संभावित दुर्घटनाएं होती हैं। डॉ. विद्याकुमारी ने क्षेत्रीय परिवहन और पुलिस अधिकारियों को इस संबंध में उचित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा बड़े वाणिज्यिक भवनों के भीतर निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्रों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने के मुद्दे को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि पूर्व नोटिस के बावजूद सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इससे ग्राहक और व्यवसाय मालिक सड़कों पर वाहन पार्क करने के लिए मजबूर होते हैं, जिससे सुचारू यातायात प्रवाह बाधित होता है। उन्होंने शहर के नगर आयुक्त को अंतिम नोटिस जारी करने और नियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया। डीसी ने उडुपी ऑटो स्टैंड पर पार्किंग अधिकारों के लिए ऑटो रिक्शा चालकों से वसूले जा रहे अनाधिकृत शुल्कों के बारे में भी शिकायतों पर ध्यान दिया - कथित तौर पर 40,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑटो स्टैंड की जमीन सरकार की है और शहर की नगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने कहा किसी को भी अवैध रूप से पैसे नहीं वसूलने चाहिए। ऑटो स्टैंड को रोटेशन के आधार पर काम करना चाहिए, जिससे सभी को समान पहुंच मिल सके। उन्होंने तालुक तहसीलदारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि हिट-एंड-रन मामलों में शामिल पीड़ितों और घायल व्यक्तियों के आश्रितों को सोलटियम योजना के तहत तुरंत मुआवजा दिया जाए।

वीर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए निकाली तिरंगा यात्रा

विशाल तिरंगे झंडे के नीचे एकजुट हुए लोग

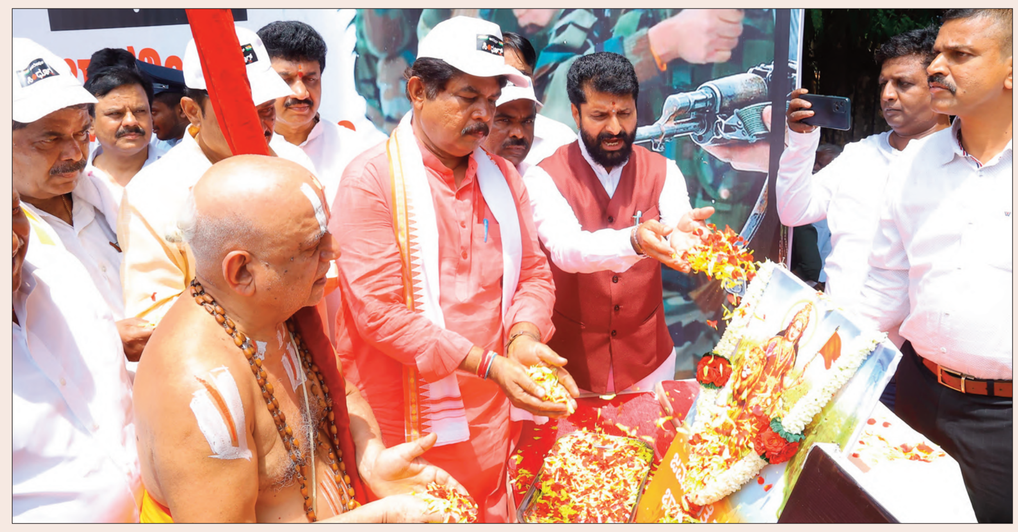

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में भाजपा की ओर से गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। सैकड़ों नेताओं, बेंगलूरु के नागरिकों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों और महिलाओं सहित हजारों लोगों ने शहर के मल्लेश्वरा मंत्री मॉल में संपीगे रोड पर सिरुर खेल के मैदान से मल्लेश्वरा 18वें क्रॉस तक निकाले गए जुलूस में भाग लिया। लोग सैन्य अभियान के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए विशाल तिरंगे झंडे के नीचे एकत्र हुए।

सेवानिवृत्त एयर मार्शल ए.वी. मुरली ने कहा ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर ऐसा दोबारा हुआ तो पाकिस्तान नष्ट हो जाएगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि पीओके हमारा होगा। देश का रुख पाकिस्तान को सबक सिखाने का था। उन्होंने राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करने के लिए प्रधानमंत्री की प्रशंसा की। हमने वही किया और दिखाया जो लोग चाहते थे। उन्होंने कहा कि पूरा देश सैनिकों के पीछे खड़ा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं ने पाकिस्तान को सक्षम जवाब दिया है। इस मौके पर कर्नाटक राज्य प्रभारी और राज्यसभा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, राज्य सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, सांसद पी.सी. मोहन, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, विधायक एन. मुनिरत्ना, एस. मुनिराजू, पूर्व सांसद एस. मुनिस्वामी, सेवानिवृत्त एयर मार्शल ए.वी. मुरली, प्रसिद्ध वकील क्षमा नरगुंदा, स्त्री जागृति समाचार पत्र की संपादक एच.जी. शोभा, पार्टी नेता, कॉलेज के छात्र और कार्यकर्ता उपस्थित थे। यह यात्रा 'नागरिकों के लिए राष्ट्रीय रक्षा' के बैनर तले ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले भारतीय सैनिकों के प्रति समर्थन और आभार व्यक्त करने के लिए आयोजित की गई थी। प्रारंभ में नारे लगे, जैसे भारत माता की जय, पाकिस्तान को सबक सिखाने वाले देशभक्त सैनिकों की जय तथा विश्व में भारत को सम्मान दिलाने वाले वीर सैनिकों की जय। सभा को संबोधित करते हुए, प्रसिद्ध वकील क्षमा नरगुंडा ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन आतंकवादियों के खिलाफ लिए गए बदला की सराहना की, जिन्होंने महिलाओं के सुहाग उजाड़े थे। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेना ने 72 घंटे में पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। इसने पाकिस्तान में 16 से अधिक हवाई ठिकानों पर हमला कर उन्हें नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसलिए यह यात्रा हमारे सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए की जा रही है।

कर्नल सोफिया का अपमान पूरे कर्नाटक के लोगों का अपमान करने जैसा: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी कर्नाटक की बहू हैं और मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा दिया गया आपत्तिजनक बयान न केवल सोफिया बल्कि पूरे राज्य का अपमान है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सोफिया का पति बेलगावी जिले का रहने वाला है। बेलगावी एसपी ने एक बयान जारी कर कहा कि मध्य प्रदेश के मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस मामले को केंद्र सरकार के संज्ञान में लाएं और आलोचना करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें। यह राज्य और देश का अपमान है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, ऐसी संवेदनशील स्थिति में, किसी को भी इतना उदास नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार

को सांसदों के साथ बैठक कर इस बात पर उनका ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह उन पर धनराशि जारी करने के लिए दबाव बनाए। कुछ सांसद बैठक की अनुपस्थिति पर ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहते। उन पर काम का अपना दबाव है। लेकिन हमारा आग्रह है कि सभी को राज्य के पक्ष में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इससे पहले मुझे दिल्ली जाकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा था, क्योंकि मुझे फंडिंग नहीं मिली थी। केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच अच्छे संबंध होने चाहिए। इस कारण से नियम बनाये गये हैं। दोनों पक्षों को यह समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर हमें आवश्यक धनराशि दी जाती है तो हम आग्रह नहीं करेंगे और केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धनराशि समय पर जारी हो, भले ही 2-3 दिन देर से ही क्यों न हो। राजस्व विभाग 20 तारीख को विजयनगर जिले के होस्पेट में एक भव्य सम्मेलन आयोजित कर रहा है और 50,000 लोगों को भूमि के अधिकार पत्र जारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक सरकारी कार्यक्रम है और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य लोग भाग लेंगे। सरकार का संसाधन सम्मेलन किसी अन्य दिन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्व विभाग ने लोगों को दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया है।

सेना को धन्यवाद देने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी : डॉ. राधा मोहन दास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा कर्नाटक प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य डॉ.राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमने दुनिया को दिखा दिया है कि भारत की वायु रक्षा प्रणाली बहुत शक्तिशाली है।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय ''जगन्नाथ भवन'' में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने भारत के सम्मान और गरिमा की रक्षा करने तथा भारतीयों की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया है। इसकी सराहना करते हुए घोषणा की कि भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार दो संगठनों के

कार्यालयों, प्रशिक्षण केंद्रों और आतंकवादियों को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय कार्य पूर्ण संयम और युद्ध के सभी नियमों का पालन करते हुए किया गया और यह गर्व की बात है।

यह सिर्फ एक युद्ध विराम है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमने युद्ध रोक दिया है। राधा मोहनदास अग्रवाल ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि उन्होंने यह भी कहा था कि यदि आतंकवादी गतिविधियां जारी रहेंगी तो युद्ध जारी रहेगा। सिंधु नदी जल संधि क्या भारत विरोधी है, इस बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि संधि के तहत 90 प्रतिशत जल अधिकार पाकिस्तान को दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने नदी के पानी का दोहन करने के लिए एक नहर बनाने के लिए भी धन उपलब्ध कराया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि इसमें भारत के दीर्घकालिक कल्याण पर विचार नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खून और पानी एक साथ एक ही नदी में नहीं बह सकते। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान अपने व्यवहार के माध्यम से परिवर्तन प्रदर्शित करेगा तो हम जल के मुद्दे पर विचार कर सकते हैं। हमने उन हवाई ठिकानों को भी नष्ट कर दिया है जिनका इस्तेमाल पाकिस्तान हवाई हमले करने के लिए कर रहा था। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हमारे सैन्य उपकरणों को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि उन्होंने आतंकवादी प्रशिक्षण केन्द्रों को भी नष्ट कर दिया है। केवल आतंकवादी ही मारे गये। एक भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं मरा। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान द्वारा अपने 11 हवाई ठिकानों से दागे गए 100 प्रतिशत ड्रोन और मिसाइलों को भारत पहुंचने से रोक दिया गया। एक भी निर्दोष व्यक्ति नहीं मरा। उन्होंने विश्व को युद्ध का एक नया तरीका बताने के लिए मोदी की प्रशंसा की। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने हमारे डीजीएमओ को फोन किया था। जब एक बार भी उनकी बात नहीं मानी गई तो उन्होंने दोबारा फोन किया और विनम्रतापूर्वक युद्ध रोकने का अनुरोध किया। हमने अपने प्रदर्शन से सफलता हासिल की है। हमारी रणनीति आतंकवादी केंद्रों पर हमला करना और आतंकवादियों को मारना था।

उन्होंने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यदि अनुरोध 9 तारीख को प्रस्तुत किया गया होता तो युद्ध उसी दिन रुक गया होता। उन्होंने युद्ध विराम में अमेरिका की भूमिका से इनकार किया।

आज सीएम नए डिप्टी कमिश्नर कार्यालय 'प्रजा सौधा' का करेंगे उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुक्रवार को पडिल में 75 करोड़ रुपये की लागत से नए डिप्टी कमिश्नर कार्यालय 'प्रजा सौधा' का उद्घाटन करेंगे। अत्याधुनिक सुविधा का निर्माण बहुत ही सावधानी से किया गया है, जिसमें भव्यता के साथ तुलुनाडु परंपरा और आधुनिक तकनीकी एकीकरण का स्पर्श है। साथ ही, पुराने डीसी कार्यालय को हेरिटेज बिल्डिंग में बदलने के लिए आधारशिला भी रखी जाएगी। नए डीसी कार्यालय की आधारशिला आठ साल पहले मुख्यमंत्री ने रखी थी। आज, यह पडिल में मेंगलूरु के प्रवेश द्वार पर एक वास्तुशिल्प

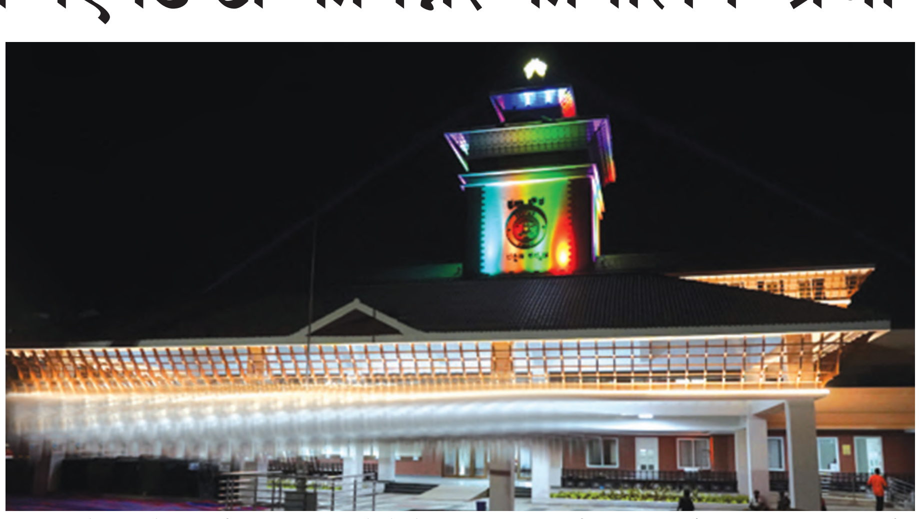

चमत्कार के रूप में खड़ा है। तीन मंजिलों में फैले 2.53 लाख वर्ग फीट के विशाल क्षेत्र के साथ, इसे देश के सबसे बड़े डीसी कार्यालय परिसरों में से एक माना जाता है। रणनीतिक रूप से स्थित, पडिल चार लेन की सड़क से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है और राष्ट्रीय राजमार्ग तक आसान पहुंच है, जिससे सुलिया, बेल्टांगडी और अन्य क्षेत्रों के लोगों के लिए डीसी कार्यालय तक पहुंचना सुविधाजनक हो जाता है। इस विकास से क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित होने की भी उम्मीद है। डीसी कार्यालय में प्रवेश करने पर, आगंतुकों को एक सुव्यवस्थित सूचना डेस्क, एक विशाल इंटरफेस केंद्र, एक आधुनिक सम्मेलन हॉल, एक कोर्ट हॉल, एक सभागार और एक शानदार डीसी कक्ष मिलेगा - सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

संपूर्ण बुनियादी ढाँचा विचारशील नियोजन और कुशल स्थान उपयोग को दर्शाता है। कुल 23 विभाग एक ही छत के नीचे काम करेंगे, जिनमें खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, भूमि प्रकोष्ठ, खान और भूविज्ञान, प्रशासन अनुभाग, आपदा प्रबंधन और सीसीटीवी, राजस्व अनुभाग, राष्ट्रीय सूचना केंद्र, बाल संरक्षण इकाई, केएसडब्ल्यूएएन और कई अन्य शामिल हैं।

प्रजा सौधा का उद्घाटन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो प्रगति, शासन में एकता और दक्षिण कन्नड़ के लोगों के लिए बेहतर सेवा पहुँच का प्रतीक है। अपने आधुनिक बुनियादी ढांचे और केंद्रीकृत प्रशासनिक कार्यों के साथ, नया डीसी कार्यालय सार्वजनिक सेवा वितरण की दक्षता को बढ़ाने और आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

मूक-बधिर लड़की से दुष्कर्म कर हत्या करने वाले की तलाश जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चौदह वर्षीय मूक-बधिर लड़की का अपहरण कर उसकी निर्मम हत्या करने के बाद फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। हत्यारे अभी तक नहीं मिले हैं, किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है तथा कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए लाया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। एक टीम घटनास्थल के आसपास की सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, जबकि दूसरी टीम पूर्व आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। एक अन्य टीम ने उपद्रवियों पर संदेह व्यक्त किया है तथा जांच जारी है। नाबालिग बालिका की हत्या की खबर सुनकर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, विधायक बालकृष्ण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति घुमंतू विकास निगम की अध्यक्ष पल्लवी व अन्य अधिकारी बालिका के घर पहुंचे और माता-पिता को ढांढस बंधाया।

लड़की की मां रो पड़ी और आरोप लगाया कि उसकी बेटी का अपहरण कर लिया गया, उसके साथ बलात्कार किया गया और फिर बदमाशों ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी।

नागमोहन दास आयोग की योजना

कर्नाटक में अपशब्दों के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ अनुसूचित जाति समुदायों के नाम बदलने पर विचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.एन. नागमोहन दास की अध्यक्षता वाला आयोग, जो कर्नाटक में अनुसूचित जाति की आबादी के सर्वेक्षण की देखरेख कर रहा है, ताकि 17 प्रतिशत आरक्षण मैट्रिक्स से उनके लिए आंतरिक आरक्षण तैयार किया जा सके, कुछ अनुसूचित जाति समुदायों के नाम बदलने की सिफारिश करने की संभावना भी तलाश रहा है, जिन्हें अपशब्दों के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। होलेया, घंटीचोर और हलालकोर सहित अनुसूचित जाति समुदायों के कुछ नामों का कर्नाटक में अपशब्दों के रूप में इस्तेमाल किया गया था, या नकारात्मक अर्थ देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अनुसूचित जातियों के सर्वेक्षण में, 101 जातियों और कुल 186 जातियों, उपजातियों और समानार्थी नामों का उपयोग गणना के लिए किया जा रहा है। आयोग के सूत्रों ने बताया कि गणनाकर्ताओं ने इन जातियों के

लोगों में अपनी पहचान खुले तौर पर घोषित करने में झिझक भी देखी है। हमने देशों, राज्यों, शहरों, गांवों और सड़कों के नाम बदले हैं। यहाँ तक कि व्यक्तियों ने भी अपने नाम बदलवाए हैं। अतीत में, जातियों ने भी अपने नाम बदले हैं। उदाहरण के लिए, कोमिटी को अब आर्य वैश्य कहा जाता है। अगर यह संभव है, तो दूसरों के लिए क्यों नहीं? हम इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 186 अनुसूचित जातियों और उपजातियों में से कई नाम उच्च जातियों द्वारा दिए गए थे। क्या किसी जाति के लिए खुद को घण्टीचोर कहना संभव है, जिसका अर्थ है चोर? यहां तक कि वड्डा शब्द, जिसका इस्तेमाल आम तौर पर किसी को बदतमीज या गंदा कहने के लिए किया जाता है, वह भी एक जाति है। 5 मई को शुरू हुआ यह सर्वेक्षण कर्नाटक में अनुसूचित जाति की आबादी की गणना करने की कवायद का हिस्सा है, जिसके बाद दलित दक्षिणपंथी (होलिया), दलित वामपंथी (मडिगा) और लंबानी, भोवी, कोरमा, कोरचा और बेडा जंगमा जैसी स्पर्शनीय जातियों को आरक्षण का लाभ देने के बारे में निर्णय लिया जाएगा। दलित वामपंथी गुट दशकों से दक्षिणपंथी गुटों पर सार्वजनिक शिक्षा और रोजगार में आरक्षण के लाभ में सबसे बड़ा हिस्सा लेने का आरोप लगाते रहे हैं। अपमानजनक अर्थ में इस्तेमाल की जाने वाली जातियों की संख्या के बारे में दास ने कहा आयोग इसका अध्ययन और पहचान करने की प्रक्रिया में है। यह जाति बदलने का सवाल नहीं है, बल्कि जाति के नाम को बदलने का सवाल है। 21वीं सदी में सभ्य समाज में गाली-गलौज के लिए जातियों का इस्तेमाल अस्वीकार्य है।

आयोग कानून और संविधान के प्रावधानों, इस मुद्दे पर अदालतों की टिप्पणियों और निर्देशों, मिसाल, अगर कोई हो, और देश में हुए तुलनात्मक बदलावों की जांच कर रहा है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कहा हमें इसके परिणामों और प्रभावों का पता लगाना होगा। दलित अधिकार का प्रतिनिधित्व करने वाली चलवाडी महासभा के डी. चंद्रशेखरैया ने आयोग के इस आकलन से सहमति जताई कि जाति की पहचान को गाली के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि कुछ नाम बदले जाएं। हालांकि, समस्या यह है कि 10 पुराने मैसूरु जिले में लोग खुद को चलवाडी के रूप में नहीं पहचानते हैं। 2026 में आम जनगणना शुरू होने तक, हमें किसी तरह की आम सहमति पर पहुंचने की उम्मीद है, और हम चलवाडी के लिए एक कोड भी मांगेंगे। भ्रम से बचने के लिए उससे पहले लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी। शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के लोगों में अपनी जाति स्वीकार करने में हिचकिचाहट के बारे में गणनाकर्ताओं ने एच. एन. नागमोहन दास आयोग को रिपोर्ट दी है। आंतरिक आरक्षण पर निर्णय लेने के लिए आयोग का नेतृत्व कर रहे सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच. एन. नागमोहन दास ने कहा हमें ऐसे मुद्दों के बारे में गणनाकर्ताओं से मौखिक संचार प्राप्त हुआ है।

हम इस जानकारी की पुष्टि करेंगे

हम इस जानकारी की पुष्टि करेंगे। आयोग के एक सूत्र ने बताया कि यह पाया गया है कि कई परिवार, जो पड़ोसियों द्वारा अनुसूचित जाति के रूप में पहचाने जाने के डर से सर्वेक्षण में भाग नहीं लेना चाहते थे, ने गणनाकर्ताओं से कहा था कि वे ऑनलाइन विवरण भरेंगे, यह प्रावधान यात्रा करने वाले, प्रवास करने वाले और भौतिक गणना में भाग लेने के लिए अनिच्छुक लोगों के लिए दिया गया था। आयोग के एक सूत्र ने कहा आमतौर पर, भौतिक गणना में 42 प्रश्नों के लिए लगभग 45 मिनट लगते हैं। हम ऐसे लोगों से मिले हैं जो कलंक के डर से गणनाकर्ताओं को बता रहे हैं कि वे इसे ऑनलाइन या बूथ स्तर के पंजीकरण के माध्यम से करेंगे। 17 मई को डोर-टू-डोर सर्वेक्षण समाप्त होने के बाद, 19 से 21 मई के बीच बूथ स्तर के शिविर लगाए जाएंगे, ताकि डोर-टू-डोर सर्वेक्षण से छूटे लोगों का पंजीकरण किया जा सके।

राज्य में प्री-मानसून हुआ तेज

भारी बारिश से बड़ा नुकसान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के विभिन्न भागों में प्री-मानसून ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है और बुधवार देर रात हुई बारिश ने भारी तबाही मचाई है। रामनगर जिले के विभिन्न भागों में अच्छी बारिश हुई तथा मगदी कस्बे के नटराज लेआउट में घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों को रात भर जागकर निगरानी करनी पड़ी। निवासियों को अपने घरों में जमा पानी को निकालने में कठिनाई हुई। भारी बारिश के कारण बिदादी के निकट एक विज्ञापन मेहराब ढह गया, लेकिन सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। पुराने बेंगलूरु-मैसूरु मार्ग पर अव्वाराहल्ली में हाल ही में स्थापित किया गया तोरणद्वार रात में हुई भारी बारिश और हवा के कारण सड़क पर गिर गया। यातायात की कम मात्रा के कारण कोई क्षति नहीं हुई। उत्तरी कर्नाटक में भी भारी बारिश हुई तथा बागलकोट जिले के कटागेरी गांव में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। गदग जिले के लक्ष्मीश्वर, कलबुर्गी शहर और बीदर जिले सहित विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश हुई। हुब्बल्ली को ब्याहट्टी से जोड़ने वाली सड़क के बीच में स्थित एक खड्ड उफान पर आ गई, जिससे ग्रामीणों को उसे पार करने में कठिनाई हो रही है। कोलार में भी बारिश हुई है तथा बागेपल्ली कस्बे में आए तूफान के कारण खेतों में पानी जमा हो गया, जिससे सब्जी की फसलें नष्ट हो गईं।

मैसूरु, हासन, कोडागु, तुमकुरु, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण और बेंगलूरु शहर सहित विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बनी द्रोणिका के कारण पूरे राज्य में एक सप्ताह तक बारिश होने का अनुमान जताया है।

लोकायुक्त ने सर्वेक्षण पर्यवेक्षक के आवास, कार्यालय पर छापा मारा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकायुक्त अधिकारियों ने गुरुवार को सुबह-सुबह सर्वेक्षण पर्यवेक्षक मंजूनाथ के मेंगलूरु स्थित आवास और कार्यालय पर छापेमारी की। यह छापेमारी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों के सिलसिले में की गई। मंजूनाथ के मेंगलूरु के बेजई स्थित आवास पर छापेमारी की गई। अधिकारी जांच के तहत महत्वपूर्ण दस्तावेजों की गहन जांच कर रहे हैं। मंजूनाथ मूल रूप से तुमकुरु के रहने वाले हैं और पिछले 23 वर्षों से दक्षिण कन्नड़ जिले में सेवारत हैं। वे और उनका परिवार तीन मंजिला मकान में रहता है। गुरुवार को लोकायुक्त अधिकारी तीन वाहनों में सवार होकर पहुंचे और मंजूनाथ की संपत्ति और वित्तीय रिकॉर्ड से संबंधित दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी।

सर्जरी के दौरान महिला की मौत से गुस्साए परिजनों ने किया प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला के एक निजी अस्पताल में सर्जरी के दौरान एक महिला की मौत हो गई, जब डॉक्टर उसके पेट से गांठ निकालने का प्रयास कर रहे थे। इस घटना से मृतक महिला के रिश्तेदारों में आक्रोश फैल गया, जो अस्पताल के सामने एकत्र हुए और अपना गुस्सा जाहिर किया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। घटना बुधवार शाम को हुई। मृतक की पहचान सानूर निवासी जुबेदा (54) के रूप में हुई है। अस्पताल क्षेत्र के पास किराए के मकान में रहने वाली जुबेदा कथित तौर पर पेट में तेज दर्द से पीड़ित थी। डॉक्टरों को संदेह था कि उसके पेट में गांठ बन गई है, और इसे निकालने के लिए सर्जरी के दौरान उसकी मौत हो गई। उसकी मौत के बाद, गुस्साए रिश्तेदारों और स्थानीय निवासियों ने अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन किया, अपना असंतोष व्यक्त किया और अस्पताल अधिकारियों से जवाब मांगा। जैसे ही स्थिति बढ़ी, करकला टाउन स्टेशन की पुलिस मौके पर पहुंची और कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए स्थिति को नियंत्रण में किया।

मंत्री वी. सोमन्ना ने कोप्पल जिले में नई कुष्टगी-तलाकल रेलवे लाइन का किया उद्घाटन

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के कोप्पल जिले में कुष्टगी, येलबर्गा और कुकनूर तालुकों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को कुष्टगी रेलवे स्टेशन पर गदग-वाडी रेलवे लाइन के कुष्टगी-तलाकल खंड का उद्घाटन किया। यह कोप्पल जिले में रेलवे कनेक्टिविटी बढ़ाने में एक प्रमुख मील का पत्थर है। 56 किलोमीटर लंबा यह नया खंड, व्यापक गदग-वाडी रेल परियोजना का हिस्सा है, जो लिंगनाबांडी, हनुमापुर, येलबर्गा, सांगनल, कुकनूर और तालाकल सहित कई शहरों और गांवों को जोड़ता है।

इस कार्यक्रम में कुष्टगी से हुब्बल्ली तक पहली यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई, इस सेवा से हजारों दैनिक यात्रियों और व्यापारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। दैनिक यात्री ट्रेन कुष्टगी से सुबह 7 बजे चलेगी और सुबह 10.45 बजे हुब्बल्ली पहुंचेगी। यह हुब्बल्ली से शाम 5 बजे रवाना होगी। सभा को संबोधित करते हुए, सोमन्ना ने परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु धन उपलब्ध कराने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सराहना की। उन्होंने परियोजना को आगे बढ़ाने में मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी के प्रयासों की सराहना की और रेलवे नेटवर्क के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की।

मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 7 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ कई रेलवे परियोजनाओं को पुनर्जीवित और कार्यान्वित किया है, जो मूल रूप से पिछली यूपीए सरकार के दौरान प्रस्तावित थीं। राष्ट्रीय विकास को गति देने के लिए मजबूत रेल संपर्क आवश्यक है, और यह तभी हासिल किया जा सकता है जब केंद्र और राज्य सरकारें एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह निकट समन्वय में काम करें। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से, हमने 2025 तक पूर्ण रेलवे विद्युतीकरण हासिल करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। 2.65 लाख करोड़ रुपये के राष्ट्रीय रेल बजट के समर्थन से, हमारी सरकार ने लंबे समय से लंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दी है, जबकि यूपीए के दौर में रेलवे स्टेशन विकास के लिए धन की काफी उपेक्षा की गई थी। सरकार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में उन्नत कवच सुरक्षा प्रणाली शुरू कर रही है। उन्होंने कहा 2014 से 2024 तक, हमने रेलवे में पाँच लाख रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। मेरे कार्यभार संभालने के बाद, हमने उम्मीदवारों के लिए कन्नड़ में भर्ती परीक्षाएँ लिखना संभव बनाया। इसके अलावा, परिचालन को आधुनिक बनाने के लिए रेलवे प्रणाली में 10,000 नए इंजन शामिल किए जा रहे हैं। सोमन्ना ने कहा कि केंद्र सरकार ने गदग-वाडी रेलवे लाइन के लिए चालू वित्त वर्ष में 549 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जबकि कर्नाटक सरकार की ओर से 837 करोड़ रुपये लंबित हैं। उन्होंने बसवराज रायरेड्डी सहित स्थानीय नेताओं से आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि राज्य का अंशदान शीघ्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा सड़क ओवरब्रिज और अंडरपास के लिए केंद्र उदारतापूर्वक लागत का 100 प्रतिशत योगदान दे रहा है, हालांकि मानक केंद्र और राज्य के बीच 50:50 वित्तपोषण का है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, स्थानीय विधायकों ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं, जिसमें दारोजी और बागलकोट के बीच एक नई रेलवे लाइन, कुष्टगी से बेंगलूरु तक एक सीधी ट्रेन की शुरूआत और प्रस्तावित कुष्टगी-नारगुंड-घाटप्रभा लाइन के लिए सर्वेक्षण शामिल है।

भूमि अधिग्रहण को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया

कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज तंगदागी ने इस रेल लाइन को क्षेत्र के निवासियों के लिए लंबे समय से संजोए गए सपने की पूर्ति बताया और इस परियोजना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए बसवराज रायरेड्डी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा लाइन का गदग-कुष्टगी हिस्सा हाल के दिनों में सबसे तेजी से पूरा होने वाले रेलवे खंडों में से एक है। हालांकि इस परियोजना को केंद्र और राज्य द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया गया है, लेकिन राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया है। परियोजना की ऐतिहासिक यात्रा पर बोलते हुए, बसवराज रायरेड्डी ने याद किया कि 1996 में तत्कालीन प्रधान मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के कार्यकाल के दौरान 380 करोड़ रुपये की शुरुआती फंडिंग मंजूर की गई थी। उन्होंने कहा कुष्टगी-तालकल खंड का विद्युतीकरण भी किया जाना चाहिए और सौर ऊर्जा से चलने वाली प्रणालियों को अपनाने से लागत में काफी कमी आ सकती है।

सरकार 108 एम्बुलेंस का संचालन निजी एजेंसियों से अपने हाथ में लेगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि कर्नाटक सरकार जल्द ही 108 एम्बुलेंस सेवाओं का पूरा नियंत्रण अपने हाथ में लेगी और निजी एजेंसियों से परिचालन संबंधी जिम्मेदारियाँ वापस लेगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा अभी तक 108 एम्बुलेंस निजी एजेंसियों द्वारा संचालित की जाती थीं। इस व्यवस्था के कारण कई समस्याएँ पैदा हुई हैं।

अब से राज्य सरकार इन परिचालनों का सीधे प्रबंधन करेगी। चामराजनगर जिले में एक सफल पायलट पहले ही चलाया जा चुका है। उन्होंने कहा 108 एम्बुलेंस सेवा सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एजेंसियों को नियमित सरकारी भुगतान के बावजूद, कर्मचारियों को अक्सर समय पर वेतन नहीं मिलता। एम्बुलेंस चालकों की वेतन संबंधी शिकायतों को हल करने के लिए सरकार को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। मंत्री के अनुसार, एम्बुलेंस सरकारी स्वामित्व वाली हैं और ईंधन और चालक के वेतन जैसे खर्च राज्य वहन करता है। निजी एजेंसियाँ एक केंद्रीय कमांड सेंटर के माध्यम से सेवा संचालित करती हैं, लेकिन सरकार का मानना है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीधे नियंत्रण से सैकड़ों करोड़ की बचत होगी और परिचालन दक्षता में सुधार होगा।

उन्होंने कहा चामराजनगर जिले में संचालित एक पायलट परियोजना ने दिखाया है कि स्वास्थ्य विभाग इन सेवाओं का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकता है। अगले महीने के भीतर, विभाग सभी सरकारी एंबुलेंस का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगा। अगले तीन महीनों में, 108 एंबुलेंस नेटवर्क को स्वास्थ्य विभाग के कमांड कंट्रोल सेंटर के अधीन लाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने घोषणा की कि संचालन की देखरेख के लिए बेंगलूरु में एक केंद्रीय कमांड सेंटर और जिला-स्तरीय कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। 30,000 से अधिक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने की मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, गुंडू राव ने स्पष्ट किया हमने कोई वेतन नहीं रोका है। पिछले प्रशासन के कारण वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रारंभिक शेष राशि कम कर दी गई थी।

साथ ही, केंद्र सरकार ने धन जारी नहीं किया है, जिससे देरी हुई है। अगले दो से तीन दिनों के भीतर वेतन वितरित कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत, एसएनसीयू और आईसीयू में काम करने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों, विशेषज्ञों और स्टाफ नर्सों के वेतन में संशोधन और पर्याप्त वृद्धि की गई है।

टमाटर की कीमतों में गिरावट, किसान परेशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले साल कुछ किसान टमाटर की खेती करके अमीर बन गए थे, जिसे लॉटरी फसल के रूप में जाना जाता है। लेकिन अब कीमतें बहुत नीचे पहुंच गई हैं और किसान चिंतित हैं। टमाटर को रसोईघर की लाल सुंदरता के रूप में जाना जाता है, और कभी-कभी कीमत बढ़ने के कारण ये धूम मचा देते हैं, तो कभी-कभी कीमत गिरने के कारण इन्हें नजरअंदाज भी कर दिया जाता है। किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वे अपनी फसलें बेचने में असमर्थ हैं, जिन्हें उन्होंने भीषण गर्मी के दौरान बड़ी मुश्किल से उगाया था। टमाटर मुख्यतः तुमकुरु, रामनगर और मगदी जिलों में उगाया जाता है। किसानों ने अच्छे दाम की उम्मीद में फसल उगाई है। हालाँकि

बाजार में 15 किलो का एक क्रेट 100 से 120 रुपये में बिकता है। कुछ किसानों ने टमाटर तोड़े बिना ही छोड़ दिया है और उनका कहना है कि उन्हें इसके लिए भुगतान भी नहीं मिल रहा है।

बिजली की बाड़, महंगी खाद, दवाइयां, बीज और जुताई पर हजारों रुपए खर्च होते हैं। किसानों ने भारी लागत से फसल उगाई है और कीमतों में गिरावट से उन्हें झटका लगा है। जो लोग अच्छे मुनाफे की उम्मीद कर रहे थे, वे कीमतों में गिरावट से निराश हो गए हैं।

इस वर्ष बढ़ती गर्मी और बीमारियों की कमी के कारण फसल जल्दी आ गई, जिसके कारण बाजार में मांग में कमी आई और कीमतों में गिरावट आई। राज्य भर में ग्रीष्मकालीन बारिश शुरू हो गई है, जिससे मौजूदा फसलों को कुछ नुकसान हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि कुछ दिनों बाद कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है।

भारत ने आतंकवाद पर सटीक प्रहार करते हुए शांति के साथ स्थापित किया नया वैश्विक मानदंड : धनखड़

जयपुर , 15 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार जाकर आतंकवाद पर सटीक प्रहार करते हुए शांति का भाव बनाए रखते हुए विश्व स्तर पर एक नया मानदंड स्थापित किया हैं और इससे एक बड़ा बदलाव आया है कि अब आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

श्री धनखड़ जयपुर में गुरुवार को भैरों सिंह शेखावत स्मृति पुस्तकालय का उद्घाटन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंन कहा कि अब ब्रह्मोस और आकाश की शक्ति को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय सेना के पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि विश्व स्तर पर एक नया मानदंड स्थापित किया गया है। शांति के भाव को बनाए रखते हुए आतंकवाद पर सटीक प्रहार करना हमारा उद्देश्य रहा है। पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार जाकर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों पर सटीक प्रहार किया गया और दुनिया में किसी ने प्रमाण नहीं मांगा। पूरी दुनिया ने भारत की शक्ति को देखा। भारत ने एक सशक्त संदेश दिया है और अब एक बड़ा बदलाव आया है। आतंकवाद अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह किसी एक देश का नहीं, पूरी दुनिया का विषय है।

उन्होंने कहा भारत ने केवल सैन्य मोर्चे पर नहीं, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक बड़ी कूटनीतिक लड़ाई भी लड़ी है और उसे जीत भी लिया है। सिंधु जल संधि को रोका गया। देश और दुनिया को यह संदेश दिया गया, जब तक भारत के दृष्टिकोण से हालात सामान्य नहीं होते, तब तक पुनर्विचार नहीं होगा। यह एक ऐसा ऐतिहासिक कदम था, जिसकी पहले न तो कल्पना की गई थी, और न ही उस पर विचार हुआ था।

राजस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा राजस्थान की इस वीर भूमि से महाराणा प्रताप की भूमि, महाराजा सूरजमल की भूमि से मैं उन सभी को नमन करता हूं जिन्होंने देश की रक्षा की और हमारी पहचान को सुरक्षित रखा। भारत की

शक्ति के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा भारत ने पहली बार मई महीने में पोखरण-द्वितीय के माध्यम से राजस्थान की धरती पर अपनी ताकत का परिचय दिया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे और भैरों सिंह शेखावत राजस्थान के मुख्यमंत्री। तब हमने एक बड़ा मील का पत्थर हासिल किया। जब पहलगाम में उकसावे की घटना हुई, तब भारत की ताकत को दुनिया पहले ही पहचान चुकी थी। हम अपनी अर्थव्यवस्था में एक बड़ी छलांग लगा चुके थे। आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी शक्ति हैं और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं।

उन्होंने कहा जब प्रधानमंत्री को लगा कि भारत की पहचान को चुनौती दी जा रही है, उन्होंने बिहार की धरती से दुनिया को एक संदेश दिया और उस पर दृढ़ता से टिके रहे। दुनिया ने देखा कि हमारे आकाश का क्या अर्थ है। दुनिया ने ब्रह्मोस का अर्थ समझा। आज यह शक्ति वैश्विक रूप से स्वीकार की जा चुकी है। उन्होंने अपने जीवन के दो पथ-प्रदर्शकों को स्मरण करते हुए कहा मेरे जीवन में दो व्यक्तित्वों का विशेष महत्व रहा है भैरों सिंह शेखावत और चौधरी देवी लाल। दोनों का धरती से गहरा जुड़ाव था और आमजन से मजबूत संबंध। दोनों के जीवन निष्कलंक थे और उन्होंने राजनीति में एक महान परंपरा को पोषित किया। मैं तो उस वटवृक्ष का एक छोटा सा पत्ता हूं। उन्होंने भैरों सिंह शेखावत के संसदीय पारदर्शिता में ऐतिहासिक योगदान की सराहना की और कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में भैरों सिंह शेखावत एक प्रखर व्यक्तित्व ने पारदर्शिता में एक नया मानदंड स्थापित किया। उन्होंने सभी सांसदों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने के लिए बाध्य किया। यह पहल भैरों सिंह शेखावत ने ही शुरू की थी। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण शुरुआत थी। उन्होंने कहा श्री शेखावत उस वटवृक्ष की तरह थे, जिसकी छाया में सब कुछ पुष्पित होता रहा। उन्होंने कहा मुझे गर्व है कि उपराष्ट्रपति के रूप में जब मैं देश के किसी भी हिस्से में जाता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि जो मेरे पास है, वह किसी भी उपराष्ट्रपति के पास नहीं रहा। क्योंकि वही थे जिन्होंने मेरी उंगली थामी, मेरा हाथ थामा, मुझे मार्गदर्शन दिया, मुझे राजनीति से परिचित कराया, मुझे जन-सेवा की प्रेरणा दी और उसी के कारण मैं इस पद तक पहुंचा हूं।

इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, पूर्व मंत्री नारपत सिंह राजवी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पाकिस्तान ने टॉर्चर के बाद छोड़ा बीएसएफ का जवान

21 दिन बाद पाकिस्तान के चंगुल से छूटा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने 21 दिनों तक अपने यहां हिरासत में रखने के बाद बीएसएफ के जवान को छोड़ दिया। पाकिस्तानी सुरक्षाबल ने बीएसएफ जवान को गंदी गालियां दीं, आंखों पर पट्टी बांधे रखी और सीमा पर भारतीय सेना की तैनाती की जानकारी लेने की कोशिशें कीं। पाकिस्तानी सुरक्षाबल ने उन भारतीय अधिकारियों के बारे में भी जानकारी लेने की कोशिश की जो पाकिस्तान सीमा पर तैनात हैं। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जवान पूर्णम कुमार शॉ को हिरासत में लिया था। उसे 14 मई 2025 को छोड़ दिया गया। लेकिन इन 21 दिनों में पाकिस्तानियों ने उसे काफी प्रताड़ित किया। पाकिस्तानियों ने उसे सोने नहीं दिया और गंदी गालियां भी दीं। बीएसएफ जवान को पाकिस्तान में तीन जगह ले जाया गया था। इन लोकेशन के विषय में बीएसएफ जवान को कुछ नहीं पता, क्योंकि उसकी आंखों पर लगातार पट्टियां बंधी हुई थी। यहां पाकिस्तानियों ने जवान से सीमा पर बीएसएफ की पोस्टिंग के विषय में जानकारी जुटाने की कोशिश की। पाकिस्तान ने बीएसएफ के अधिकारियों के फोन नंबर भी साझा करने का दबाव बनाया और इसके लिए जवान को मानसिक तौर पर काफी प्रताड़ित किया। कस्टडी के 21 दिनों के दौरान जवान को सोने नहीं दिया गया और कहीं ले जाने पर उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती थी। बीएसएफ जवान को अटारी-वाघा बॉर्डर से बीएसएफ वापस लाई। भारत ने इस दौरान एक पाकिस्तानी रेंजर को भी वापस किया। बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल 2025 को पाकिस्तानी रेंजर ने पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर से गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानियों ने दावा किया था कि वह उनकी जमीन पर आ गए थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दबाव के चलते पाकिस्तान को उन्हें रिहा करना पड़ा।

वर्ष 2028 तक दिल्ली में खत्म हो जाएंगे कूड़े के पहाड़: सिरसा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को हटाने और वर्ष 2028 तक दिल्ली से सभी 'कूड़े के पहाड़' समाप्त कर करने का लक्ष्य रखा है।

श्री सिरसा ने ओखला लैंडफिल स्थल का निरीक्षण यहां चल रही बायो-रिमेडिएशन और बायो-माइनिंग गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 62 एकड़ क्षेत्र में फैले ओखला लैंडफिल की ऊँचाई 60 मीटर से घटकर अब 20 मीटर रह गई है। इसके तहत अब तक 30 एकड़ से अधिक भूमि कचरे से मुक्त होकर समतल हो चुकी है। सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को हटाया जाए और वर्ष 2028 तक दिल्ली से सभी 'कूड़े के पहाड़' समाप्त कर दिए जाएं।

उन्होंने कहा, जो काम पिछली 'आप-दा' सरकार 10 वर्षों में भी नहीं कर पाई, वह हम कुछ ही समय में करके दिखा रहे हैं। यह कोई जादू नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में किये गए स्वच्छ दिल्ली संकल्प के निरंतर प्रयास का नतीजा है। आम आदमी पार्टी का नाम बदलकर अब 'आगे आए पॉल्यूशन पार्टी' कर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर भारत सीमा पार जाकर आतंकियों के ठिकाने नष्ट कर सकता है, तो हम अपनी राजधानी से कूड़े के पहाड़ भी हटा सकते हैं ताकि दिल्ली के नागरिकों का स्वास्थ्य और भविष्य सुरक्षित रह सके। जैसे पृथ्वी से डायनासोर लुप्त हो गए, वैसे ही ये कूड़े के पहाड़ भी दिल्ली से गायब हो जाएंगे।

दिल्ली में पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। इससे लैंडफिल के आसपास रहने वाले लाखों लोगों को एक नया जीवन मिलेगा।

श्री सिरसा ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्ली वासियों को स्वच्छ हवा और स्वच्छ जल मुहैया कराने के अलावा कचरे के पहाड़ों का पूर्ण सफाया शामिल है। पर्यावरण मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह परियोजना 'विकसित दिल्ली' मिशन का एक अहम हिस्सा है, और यह राजधानी में ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस परियोजना का उद्देश्य न सिर्फ शहरी भूमि को पुनः उपयोग के लायक बनाना है और हरियाली विकसित कर आग लगने के खतरे को कम करना है।

वक्फ पर 20 मई को सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट 1995 के प्रावधानों के स्थगन याचिका पर नहीं करेगा विचार

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम राहत पर विचार करने के मसले पर गुरुवार को कहा कि वह इस मामले में 20 मई को सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अगली तारीख मुकर्रर करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह 1995 के वक्फ कानून के प्रावधानों को स्थगित करने की किसी भी याचिका पर उस दिन विचार नहीं करेगी।

पीठ ने कहा कि अदालत अधिनियम के प्रावधानों को स्थगित करने वाले अंतरिम आदेश के पक्ष और विपक्ष में पूरे दिन दलीलें सुनेगी।

कानून की वैधता को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अदालत को अगले सप्ताह सुनवाई करने का सुझाव दिया। दोनों वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कहा कि सुनवाई अगले सप्ताह 20 मई के लिए तय की जा सकती है। इस बीच न्यायाधीशों को इस मामले के कागजात देखने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

इसके बाद पीठ ने श्री सिब्बल और

श्री मेहता से कहा कि वे 19 मई तक अपने-अपने लिखित नोट अदालत के समक्ष दाखिल कर दें।

पीठ के समक्ष एक अन्य पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इससे पहले उन्होंने वक्फ अधिनियम 1995 के प्रावधानों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि नई याचिका में उनके मुवक्किलों ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती दी है।

उनके मुवक्किल वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों से भी दुखी हैं, जिसे 2025 में संशोधित किया गया है। श्री जैन ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें दलीलें पेश करने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाए। इस पर पीठ ने श्री जैन से पूछा कि आपकी शिकायत क्या है? उन्होंने वक्फ न्यायाधिकरण को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि यह अभी भी मौजूद है और कई अन्य धाराएं हैं जो कठोर हैं और वे अभी भी कानून में मौजूद हैं।

शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता जैन से पूछा, वे कब से अस्तित्व में हैं। इस पर अधिवक्ता जैन ने कहा कि 1995 से और 2025 में भी।

पीठ ने कहा, यदि वे 1995 से अस्तित्व में हैं और उन्हें चुनौती नहीं दी गई है... और यदि उन्हें चुनौती दी गई थी तो कब दी गयी। इस पर अधिवक्ता ने कहा कि 1995 के अधिनियम को पहले भी चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने उन्हें उच्च न्यायालय में जाने को कहा था। इन दलीलों के साथ उन्होंने कहा, हमने 140 याचिकाएँ दायर की हैं जो विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित हैं और अब हमने वर्तमान रिट याचिका दायर की है, जो एक नया मामला है...।

इसके बाद पीठ ने पूछा कि न्यायालय 2025 में 1995 के अधिनियम को चुनौती देने की अनुमति कैसे दे सकता है। जब न्यायालय 20 मई को मामले पर सुनवाई करेगा, तो वह 1995 के पहले के वक्फ कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की किसी भी याचिका पर विचार नहीं करेगा।

पीठ ने कहा, हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि 1995 के अधिनियम के किसी भी प्रावधान पर रोक लगाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं करेंगे। सिर्फ इसलिए कि कोई 2025 के संशोधन को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है और कोई बस 1995 के अधिनियम को चुनौती देना चाहता है, इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसके बाद श्री मेहता ने कहा कि श्री जैन कहना चाहते हैं कि वह लंबे समय से उस स्थगन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस अदालत ने उनके मुवक्किलों को उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया और 1995 के अधिनियम के संबंध में प्रार्थना पर कभी विचार नहीं किया।

अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने उनसे कहा कि वे तैयार होकर आएं और अपनी दलीलों का समेकित नोट प्रस्तुत करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मामले की सुनवाई 20 मई को स्थगित न हो।

गौरतलब है कि इस मामले में इससे पहले तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना (जो 13 मई 2025 को सेवानिवृत हो गए) और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने विचार किया था।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार के आश्वासन के बाद 17 अप्रैल को हाल में किए गए वक्फ कानून (वर्ष 2025 के इस संशोधित कानून में) में बदलावों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया था कि वक्फ बोर्डों और परिषदों में कोई भर्ती नहीं की जाएगी और उपयोगकर्ताओं द्वारा वक्फ के रूप में घोषित या पंजीकृत वक्फ संपत्तियों को अगली सुनवाई की तारीख तक वक्फ की संपत्ति बनी रहेगी और बदलाव नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम 2025 का बचाव करते हुए 25 अप्रैल को एक प्रारंभिक हलफनामा दायर किया। हलफनामे में केंद्र ने इस संबंध में संसद में पारित कानून पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की रोक का विरोध किया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश खन्ना की पीठ ने कहा था कि वक्फ मामले में केवल पांच याचिकाओं को ही मुख्य याचिका माना जाएगा और अन्य रिट याचिकाओं को हस्तक्षेप आवेदन माना जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वक्फ अधिनियम के खिलाफ शीर्ष अदालत में अब तक 100 से अधिक याचिकाएँ दायर की जा चुकी हैं।

तुर्किए की कंपनी का भारत में सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की जवाबी सैन्य कार्रवाई में उसकी मदद करने वाले तुर्किए के खिलाफ एक और सख्त कदम उठाते हुए गुरूवार को उसकी कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर कहा कि ग्राउंड हैंडिलिंग एजेन्सी श्रेणी में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सिक्योरिटी क्लियरेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किया जा रहा है।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक ने कहा है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों को देखते हुए उठाया गया है। यह कंपनी दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर काम कर रही थी।

उल्लेखनीय है कि भारत को जब से यह पता चला है कि पाकिस्तान द्वारा की गयी सैन्य कार्रवाई में बड़े पैमाने पर तुर्किए के ड्रोन का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया गया है तब से वह तुर्किए और वहां के संस्थानों तथा कंपनियों के खिलाफ सख्ती बरत रहा है।

बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा यूपी

योगी सरकार ने सीड पार्क स्थापना को दी मंजूरी

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश में पांच सीड पार्कों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर स्थापित किए जाने वाले सीड पार्क को प्रदेश के 5 क्लाइमेटिक जोन में चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा।

प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत पहले सीड पार्क की स्थापना लखनऊ जिले के अटारी स्थित राजकीय कृषि प्रक्षेत्र की 130.63 एकड़ भूमि पर की जाएगी, जिस पर 266.70 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय होगा। सीड पार्क के माध्यम से बीज उत्पादन, प्रोसेसिंग, भंडारण, स्पीड ब्रीडिंग व हाइब्रिड लैब जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी, तराई, मध्य, बुंदेलखंड एवं पूर्वी जोन में कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप सीड पार्क स्थापित किए जाएंगे।

गुरुवार को लोकभवन सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ बैठक में कुल 10 प्रस्तावों को अनुमोदन प्राप्त हुआ।

प्रस्ताव के विषय में जानकारी देते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार इन सीड पार्कों में निवेश करने वाले बीज व्यवसायियों को विभिन्न रियायतें प्रदान करेगी, ताकि निजी निवेश को बढ़ावा मिल सके। बीज उद्योगों को 30 वर्ष की लीज पर भूमि दी जाएगी, जिसे आवश्यकता अनुसार 90 वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि एक सीड पार्क से लगभग 1200 लोगों को प्रत्यक्ष तथा 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही लगभग 40,000 बीज उत्पादक किसान इन पार्कों से सीधे तौर पर जुड़ेंगे। पूरे प्रदेश में पांच सीड पार्कों की स्थापना से 6000 प्रत्यक्ष एवं 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा कृषि राज्य है, जिसका कुल कृषि क्षेत्रफल 162 लाख हेक्टेयर है। यहां हर साल लगभग 139.43 लाख कुंतल बीज की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में इसकी पूर्ति में प्रदेश को दूसरे राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। सीड पार्कों की स्थापना से यह निर्भरता समाप्त होगी और स्थानीय स्तर पर किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उचित दामों पर सुलभ होंगे। इसके साथ ही बीज प्रतिस्थापन दर (डठठ) में वृद्धि के साथ उत्पादकता बढ़ेगी और इससे प्रदेश के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनकर अन्य राज्यों को भी बीज आपूर्ति करने की स्थिति में आ जाएगा।

योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में मांगलिक आयोजनों की सुविधा बढ़ाने के लिए ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में एक विवाह घर बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। मंत्रिपरिषद ने इसे पंचायत उत्सव भवन का नाम दिया है। प्रथम चरण में 71 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में इन उत्सव भवनों का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर 100 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान है। प्रत्येक उत्सव भवन पर 1.41 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत आएगी। इसमें उत्तर प्रदेश मातृ भूमि यजना के अंतर्गत दानदाता द्वारा 60 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत धनराशि दी जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित 7 सदस्यीय कमेटी द्वारा पंचायत उत्सव भवन की भूमि चिह्नित की जाएगी।

योगी सरकार ने नागरिक उड्डयन निदेशालय में संविदा पर कार्यरत तकनीकी व गैर-तकनीकी कार्मिकों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए इन संविदा कर्मियों के पारिश्रमिक का पुनर्निर्धारण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय पायलट, विमानन अभियंता, क्वॉलिटी मैनेजर, अपर निदेशक (तकनीकी), प्रबंधक (परिचालन), चीफ ऑफ फ्लाइट सेफ्टी सहित अन्य पदों पर कार्यरत संविदा कर्मियों पर लागू होगा।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि जबसे सातवां वेतन आयोग लागू हुआ है, इन कर्मियों को उसका लाभ नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में पायलट के स्लैब को 2.5-7 लाख से बढ़ाकर 5-10 लाख कर दिया गया है। को-पायलट का वर्तमान स्लैब 1.25 लाख से 6 लाख के स्थान पर 3 लाख से 7 लाख कर दिया गया है। वर्तमान में कार्यरत पायलटों के वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस पर 5 करोड़ 27 लाख रुपए का अतिरिक्त व्यय आएगा।

कर्नाटक के लिए दो नई रेलवे लाइनों की फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी

बेंगलूरु, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे बोर्ड ने कर्नाटक में दो अहम नई रेल परियोजनाओं के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। इनमें 162 किमी लंबी अलमट्टी-यादगीर रेल लाइन के सर्वे के लिए 4.05 करोड़ और 73 किमी लंबी भद्रावती-चिकजाजूर (चन्नगीरी के माध्यम से) रेल लाइन के सर्वे के लिए 1.825 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। कुल लागत 5.875 करोड़ होगी।

अलमट्टी-यादगीर लाइन उत्तर कर्नाटक को प्रमुख आर्थिक गलियारों से जोड़ेगी, जबकि भद्रावती-चिकजाजूर लाइन से राज्य के मध्य भागों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह पहल राज्य में व्यापार, औद्योगिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देगी।

पाकिस्तान सीमा पर तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपाय जारी रहेंगे: सेना

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने सीमा पर तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास के उपाय जारी रखने का निर्णय लिया है।सेना ने गुरुवार देर शाम बताया कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच 10 मई को बनी सहमति और समझ को आगे बढ़ाने के लिए सीमा पर परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपाय जारी रखने का निर्णय लिया गया है। सेना ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि आज का यह निर्णय दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की बातचीत के दौरान लिया गया या नहीं। इस बीच मीडिया रिपोर्टों में पाकिस्तान के हवाले से कहा जा रहा है कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच आज बातचीत में सैन्य कार्रवाई आगामी रविवार तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य कार्रवाई स्थगित करने पर सहमत हुए थे। इसके बाद दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की सोमवार को हुई बातचीत में सैन्य कार्रवाई स्थगित रखने तथा सीमाओं और अग्रिम मोर्चों पर सैनिकों की संख्या में कमी करने पर सहमति व्यक्त की गई थी ।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

योगी कैबिनेट ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम और सेना के प्रति जताया आभार

लखनऊ, 15 मई।
योगी कैबिनेट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेनाओं के प्रति धन्यवाद जताते हुए अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय सेना द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के प्रति उत्तर प्रदेश की मंत्रिपरिषद एवं जनता की ओर से अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा

ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता और आतंकवाद के खिलाफ अडिग रुख को प्रदर्शित किया है। मंत्रिपरिषद भारतीय सेना के शौर्य, साहस और प्रतिबद्धता को नमन करते हुए उनका हृदय से अभिनंदन करती है। राष्ट्र की रक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों पर पूरे उत्तर प्रदेश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन हेतु मंत्रिपरिषद राष्ट्र को यशस्वी नेतृत्व प्रदान करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करती है। संपूर्ण राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।

ये ऑपरेशन हमारी शक्ति, एकात्मकता और देश की रक्षा करने के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। लेकिन यह तभी संभव हो पाया है जब प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट ने सेना को खुली छूट दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के अतिरिक्त सभी राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्रियों स्वतंत्र प्रभार को आमंत्रित किया गया और उनकी मौजूदगी में ये प्रस्ताव सबसे पहले नंबर पर मंत्रिपरिषद ने पास किया।

यूपी के सभी जिलों में होगी सिविल डिफेंस की व्यवस्था

अभी केवल 15 जिलों में है सिविल डिफेंस

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।
भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव से देश ने सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत को महसूस किया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में सिविल डिफेंस व्यवस्था को स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। वर्तमान में केवल 15 जिलों में यह व्यवस्था कार्यरत है, लेकिन अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शेष 60 जिलों में भी इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सतर्क है। इसी दिशा में योगी सरकार ने सिविल डिफेंस को प्रदेश की सुरक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संकट के समय प्रभावी राहत कार्यों को अंजाम देना है। प्रदेश भर में सिविल डिफेंस की व्यवस्था के लागू होने से न सिर्फ स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तंत्र मजबूत होगा, बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। सिविल डिफेंस के तहत स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, और राहत कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो संकटकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। योगी सरकार ने इस दिशा में कार्ययोजना तैयार कर ली है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी जिलों में सिविल डिफेंस की स्थापना के लिए संसाधनों और प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्था की जाए। साथ ही, जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। सिविल डिफेंस आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का मजबूत स्तंभ है। यह न केवल प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, और चक्रवात, बल्कि युद्ध या अन्य मानव-निर्मित संकटों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीते 7 मई को देशभर में नागरिक सुरक्षा को लेकर आयोजित मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस ने अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को सतर्क करने, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में तत्परता दिखाई। सिविल डिफेंस के प्रशिक्षित कार्यकर्ता आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य और राहत वितरण में विशेषज्ञता रखते हैं, जो संकटकाल में जीवन रक्षा के लिए आवश्यक है।

बहु विवाह का दुरुपयोग कर रहे हैं मुसलमान: इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 15 मई (एजेंसियां)।
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मुकदमे की सुनवाई करते हुए एक अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम युवक को एक से अधिक शादी तभी करनी चाहिए जब वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार करने की क्षमता रखता हो। इस्लामिक काल में विधवाओं और अनाथ की सुरक्षा के लिए कुरान में बहु विवाह की सशर्त इजाजत दी गई थी मगर आज के समय में पुरुष इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के मैनाठेर थाने में पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराई थी कि फुरकान जो कि पहले से शादीशुदा था, उसने इस बात को छिपाकर उससे शादी कर ली। पीड़िता ने फुरकान पर बलात्कार का आरोप लगाया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद वर्ष नवंबर 2020 में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इसके बाद मुरादाबाद के जनपद न्यायालय से फुरकान एवं अन्य के खिलाफ सम्मन जारी किया गया। इस सम्मन को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता फुरकान एवं दो अन्य लोगों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की। याचिका में मांग की गई कि पुलिस की तरफ से दाखिल की गई चार्जशीट को कैंश कर दिया जाए।

फुरकान के अधिवक्ता ने कोर्ट में कहा कि याची मुसलमान है और उसके खिलाफ आईपीसी 494 के अंतर्गत कोई अपराध नहीं बनता क्योंकि इस्लाम में इस बात का प्रावधान है कि मुस्लिम युवक चार शादी कर सकता है।

राज्य सरकार के अधिवक्ता की तरफ से इसका विरोध किया गया। उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपने 18 पन्ने के फैसले में कहा कि यह स्पष्ट है कि याची फुरकान ने उससे दूसरी शादी की है। दोनों ही मुस्लिम महिलाएं हैं, इसलिए दूसरी शादी वैध है। याचियों के खिलाफ वर्तमान मामले में आईपीसी की धारा 376 के साथ 495 व 120 बी का अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने इस मामले में विपक्षी संख्या 2 को नोटिस जारी किया है। 26 मई 2025 से शुरू होने वाले हफ्ते में मामले की अगली सुनवाई होगी। इस मामले पर जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगले आदेश तक याचियों के खिलाफ किसी भी तरह के उत्पीड़नात्मक कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

गरीबों तक राशन पहुंचाने के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

उचित दर वितरण प्रणाली की मजबूती के लिए 179.42 करोड़ मंजूर

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर दे रही है। योगी सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत उचित दर वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए 179.42 करोड़ रुपए की बड़ी धनराशि स्वीकृत की है। यह धनराशि उठाई, धराई और अंतराज्यीय संचालन से लेकर उपभोक्ताओं तक राशन सामग्री के सुचारू वितरण के लिए स्वीकृत की गई है, जो खाद्य एवं रसद विभाग की कार्यक्षमता को नई गति देगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के पात्र गृहस्थी राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है।

उपर्युक्त धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लिया गया है, जिसके अंतर्गत केंद्रांश और राज्यांश का अनुपात 50-50 रखा गया है। इस योजना का उद्देश्य राज्य भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सक्षम और व्यापक बनाना है, ताकि लाभार्थियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। इसमें अंतर्राज्यीय परिवहन, भंडारण, सामग्री की लदान-उतरान, उचित दर दुकानों तक राशन की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था शामिल है। यह राशि खाद्य भंडारण एवं आपूर्ति श्रृंखला की बुनियादी संरचना को मजबूत करने के लिए खर्च की जाएगी, जिससे किसी भी स्तर पर खाद्यान्न वितरण में बाधा न आए।

इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा की जाएगी, जिन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि योजना पारदर्शी तरीके से लागू हो और इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि पूर्व में दी गई वित्तीय स्वीकृतियों और योजनाओं से कोई दोहराव न हो तथा हर तिमाही में आवश्यकतानुसार बजट का निर्धारण कर खर्च किया जाए। योगी सरकार गरीबों, जरूरतमंदों और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राशन और पोषण पहुंचाने को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

योगी सरकार ने राशन वितरण में किसी भी तरह का घपला नहीं हो इसके लिए ई-केवाईसी और आधार सत्यापन प्रणाली लागू की है। इसके तहत राशन कार्डधारकों को अब देश के किसी भी उचित दर दुकान पर ई-केवाईसी कराने की सुविधा मिल रही है। राशन वितरण में ई-पॉस मशीनों के उपयोग ने पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इन मशीनों के जरिए अन्न का वितरण सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। यह तकनीकी नवाचार न केवल समय पर राशन उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा को भी मजबूत कर रहा है। पात्र कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलो गेहूं और चावल दिया जा रहा है। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल (कुल मिलाकर 5 किलो) का फ्री में दिया जा रहा है। अंत्योदय कार्ड धारक को एकमुश्त 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल (कुल 35 किलो) दिए जा रहे हैं। बता दें कि योगी सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के जरिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया है। योगी सरकार की इस पहल से प्रदेश के करीब 15 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। अंत्योदय कार्ड धारकों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है, जो सबसे गरीब परिवारों को लक्षित करती है। सरकार का मकसद है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में राशन वितरण को प्रभावी बनाया गया है। योगी सरकार की यह कोशिश गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक मिसाल पेश कर रही है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर सपा नेता के विवादित बयान से हंगामा

रामगोपाल का बयान विकृत जातिवादी सोच, जनता देगी जवाब : योगी

सभी ने एक स्वर से कहा, पूरे समाज, देश और प्रदेश से माफी मांगे सपा नेता

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा वीरांगना विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर दिए गए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने सपा नेता के बयान को न केवल उनकी संकुचित सोच का प्रतीक बताया, बल्कि इसे भारतीय सेना के सम्मान और देश की अस्मिता के खिलाफ भी करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना की वर्दी जातिवादी चश्मे से नहीं देखी जाती है। भारतीय सेना का प्रत्येक सैनिक राष्ट्रधर्म निभाता है, न कि किसी जाति या मजहब का प्रतिनिधि होता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव द्वारा एक वीरांगना बेटी को जाति की परिधि में बांधना न केवल उनकी पार्टी की संकुचित सोच का प्रदर्शन है, बल्कि सेना के शौर्य और देश की अस्मिता का भी घोर अपमान है। सीएम योगी ने सपा की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वही सोच है जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रभक्ति को भी बांटने का दुस्साहस करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता इस विकृत जातिवादी सोच का माकूल जवाब देगी।

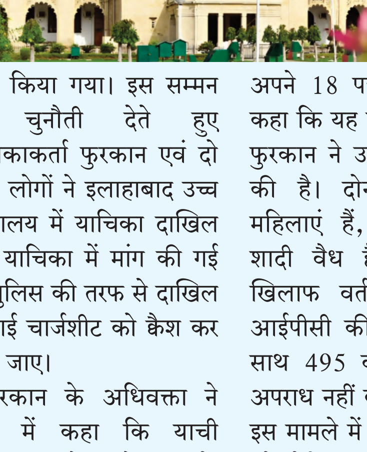

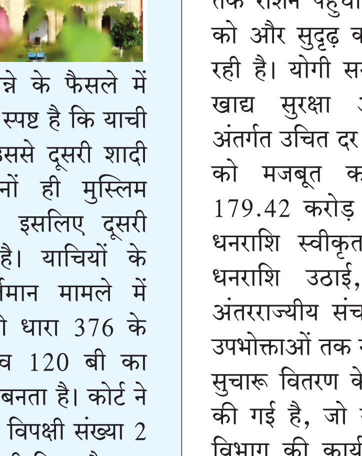

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव द्वारा विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की प्रदेश सरकार के मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने घोर निंदा की। भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है। सपा नेता अपने बयान के लिए पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि व्योमिका सिंह का अपमान हर भारतीय बेटी का अपमान है। व्योमिका सिंह केवल नाम नहीं, बल्कि भारत की गौरव, महिला सशक्तिकरण व नए भारत के उड़ान की प्रतीक हैं। जाति के आधार पर वीरांगना का अपमान कर समाजवादी पार्टी ने अपनी नीच मानसिकता व महिला विरोध की सोच को उजागर किया है। रामगोपाल यादव का बयान शर्मनाक, निंदनीय व भारतीय वायुसेना के हर जवान का अपमान है। नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है। जाति के आधार पर लोगों को बांटना समाजवादी पार्टी का पुराना शगल रहा है। विंग कमांडर व्योमिका सिंह को जाति के आधार पर नीचा दिखाने की कोशिश पूरे दलित समाज की प्रतिभा, परिश्रम व सम्मान पर हमला है। रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पर्दाफाश है, जो दलितों का सम्मान नहीं करता, उन्हें सिर्फ वोट बैंक मानता है। हिंदुस्तान दलितों का अपमान स्वीकार नहीं करेगा। सपा को पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगनी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा, वीरांगना सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह ने युद्ध को ब्रीफ कर भारत को गौरव का अनुभव कराया है। रामगोपाल यादव के बयान की घोर निंदा करती हूं। समाजवादी पार्टी कभी भीमराव आंबेडकर की फोटो से खिलवाड़ करती है तो कभी जाति के साथ खिलवाड़ करती है। देश के प्रति इनकी सोच अच्छी नहीं है। यह देश को जाति-धर्म में बांटना चाहते हैं। यह सिर्फ राजनीतिक रोटी सेकते हैं। सपा के लोग जान लें कि दलित समाज की बेटी भी वीरांगना हो सकती है, जो सरहद पर जाकर लड़ भी सकती है और देश का मान-सम्मान भी बढ़ा सकती है। ऐसी बेटी के लिए कहे गए शब्द घोर निंदनीय हैं।

कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा, सपा नेता का बयान प्रमाणित करता है कि इनके मन और जेहन में दलितों के प्रति नफरत भरी हुई है। व्योमिका सिंह मां भारती की बहादुर बेटी हैं। वह महिला सशक्तिकरण व सम्मान का प्रतीक हैं। मां भारती की दो बहादुर बेटियों ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को देश के सामने रखा। भारतीय सेना ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश का गौरव बढ़ाते हुए पुरुषार्थ को प्रमाणित किया है। सपा को यह बात पच नहीं रही है। आतंकवादियों को जी कहकर पुकारने और मुकदमा हटाने वालों से क्या ही उम्मीद की जा सकती है। व्योमिका सिंह का सम्मान पूरे देश व दुनिया में है। सभी जानते हैं कि आसमां की तरफ थूकने वालों का हश्र क्या होता है। जनता सेना का मनोबल व सम्मान बढ़ाने के लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हो रही है। दलितों के प्रति सपा की यह नफरत पहली बार नहीं दिखी है। दलितों का विरोध और अपमान सपा के डीएनए में है।

विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा, रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पर्दाफाश है, जो दलितों को सम्मान नहीं करता, बल्कि उन्हें सिर्फ वोट बैंक मानता है। सपा के डीएनए में दलित विरोध भरा है। कभी मंदिरों से दलितों को रोका गया तो कभी स्कूलों में पीटा गया। अब भारतीय वायुसेना की अधिकारी पर जातीय हमला किया गया है। दलितों का यह अपमान देश सहने वाला नहीं है। देश इसका जवाब देगा।

नकली दवा कारोबारियों पर हुई सख्त कार्रवाई

30 करोड़ 77 की नकली दवाएं जब्त, 68 गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त हुए

06 दवा निर्माताओं और 05 ब्लड बैंकों के भी लाइसेंस निरस्त

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में नकली दवा कारोबार के खिलाफ सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग के संबंधित अधिकारियों ने समीक्षा बैठक में बताया कि वर्ष 2024-25 में 30 करोड़ 77 लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गई हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने इस अवधि में पूरे प्रदेश में 1039 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 13,848 नमूने संकलित किए गए। नकली दवा के कारोबार में संलिप्त पाए गए 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए गए, साथ ही 68 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। सबसे ज्यादा कार्रवाई आगरा, लखनऊ और गाजियाबाद शहरों में हुई, जहां नकली दवाओं के साथ-साथ ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, नारकोटिक्स औषधियां और नकली कॉस्मेटिक उत्पाद भी जब्त किये गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग नकली दवा कारोबारियों और निर्माण कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस क्रम में विभाग के संबंधित अधिकारियों ने वर्ष 2024-25 में 463 दवा निर्माण इकाइयों, 647 ब्लड बैंकों और 10,462 विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

इस दौरान पूरे प्रदेश में 1039 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 13,848 नमूने संकलित किए गए। परीक्षण में 96 नमूने नकली और 497 अधोमानक पाए गए।

जिसके चलते नकली दवा के कारोबार में संलिप्त पाए गए 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए गये, साथ ही 68 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। 06 दवा निर्माण इकाइयों और 05 ब्लड बैंकों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं साथ ही लगभग 30 करोड़ 77 लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गई हैं। जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है।

अनमोल वचन

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
कालिदास

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

सम्पादकीय

किसी भी प्रकार की आतंकी कार्रवाही को अब एक्ट आफ़ वार मानकर उसका जवाब दिया जाएगा

वैश्चिक स्तरपर दिनांक 10 मई 2025 को जहां एक ओर चौथे दिन भी भारत पाक के बीच ड्रोन मिसाइल इत्यादि से वार पलटवार या एक तरह से युद्ध शुरू था तो दोपहर करीब 3:30 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक्स: पर लिखा कि शाम 5 से भारत-पाक के बीच सैन्य गतिविधियां रोकने की आपसी सहमति हो गई है, जिसे सुनकर भारत सहित पूरी दुनियाँ स्तब्ध रह गई, क्योंकि सभी को यह उम्मीद थी कि इस बार भारत लास्ट बार सबसे भारी जवाब देगा व पीओके को वापस लेकर ही दम लगा परंतु सीजफायर के ऐलान से जहां एक ओर आम जनता हैरान व मायूस हुई तो दूसरी ओर यह बात किसी को समझ में भी नहीं आई ऐसा हुआ तो क्यों और कैसे फिर ऐसी क्या कमी थी भारतीय ताकत में किसी सीजफायर के लिए राजी होना पड़ा? इसी प्रश्न के उत्तर में मेरा मानना है कि यह किसी आगे की रणनीति का हिस्सा होगी या फिर अमेरिका के दबाव तंत्र से युद्ध को हटाने के लिए यह फैसला लिया गया होगा परंतु कुछ भी सफाई दी जाए, यह बात आम आदमी के हलक से नहीं उतरेगी कि आखिर ऐसी क्या कमियां थी कि सीजफायर के लिए राजी होना पड़ा? चूँकि भारत का आगाज़, किसी भी प्रकार की आतंकी कार्रवाई को अब एक्ट आफ वार मानकर उसका जवाब दिया जाएगा तथा भारत पाक युद्ध विराम आपसी सहमति नीति समझ नहीं आई - रणनीति या अमेरिकी दबाव तंत्र- सैन्य कार्रवाई विराम बाद भी पाक ड्रोन की खेप बरसाई, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, यह कैसा चीज फायर सभी सैन्य गतिविधियां रोकने की आपसी सहमति के 3 घंटे भीतर सीजफायर का घोर उल्लंघन? ड्रोन हमले जोरदार जारी! साथियों बात अगर हम भारत पाक सीज़फायर की आपसी सहमति की करें तो, सीजफायर की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद जम्मू-कश्मीर में फिर से ड्रोन हमलों की खबर सामने आई है, एलओसी पर भी पाकिस्तान की ओर से फायरिंग हुई, ऐसे में पाकिस्तान सीमा से सटे कई शहरों में ब्लैक आउट की घोषणा की गई है, सीजफायर की घोषणा से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन पाकिस्तान की ओर से फिर से नापाक हरकतें शुरू हो गई है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान का फिर से ड्रोन अटैक,अपडेट्स (1) पाकिस्तान से लगती सीमा पर लगातार फायरिंग की खबर सामने आई है। (2) पाकसीमा से सटे कई शहरों में ब्लैकआउट घोषित किया गया है। (3) श्रीनगर में ड्रोन अटैक हुआ है. यहां कई धमाके सुने गए। पंजाब के पठानकोट में पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (4) श्रीनगर में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका है. सामने आए एक वीडियो में धमाकों की आवाज सुनी जा सकती है। (5) राजस्थान के जैसलमेर में पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (6) राजस्थान के बाड़मेर शहर में भी पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (7) उधमपुर में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन को रोका गया. धमाकों की आवाज सुनी जा सकती है। (8) राजस्थान के बाड़मेर जिले में भी धमाकों की आवाज सुनी गई है. यहां भी सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से पाक की हर कोशिश को नाकाम करने में जुटे हैं। (9) पाकिस्तान की ओर से हो रहे ड्रोन अटैक और गोलीबारी का भारत का एयर डिफेंस सिस्टम और बीएसएफ लगातार जवाब दे रही है। (10) श्रीनगर में बीते 15 मिनट से ड्रोन अटैक की एक्टिविटी बंद हो गई है. हालांकि अभी सीमा से सटे कई अन्य इलाकों से माहौल तनावपूर्ण ही है। (11) गुजरात के कच्छ में तत्काल प्रभाव से ब्लैकआउट घोषित किया गया है. सभी नागरिकों से इसका सख्ती से पालन करने को कहा गया है। (12) पंजाब के पठानकोट में रात को ड्रोन देखे गए. यहां लगातार सायरन भी बजा. इसके बाद पठानकोट, अमृतसर, बरनाला, बठिंडा, होशियारपुर, फाजिल्का और फिरोजपुर में दोबारा ब्लैकआउट कराया गया है। उल्लेखनीय है कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया है, लेकिन महज तीन चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए सीजफायर पर सवाल उठाए, उन्होंने लिखा- जम्मू-कश्मीर में कोई सीजफायर नहीं है, श्रीनगर के बीचोबीच एयर डिफेंस यूनिट को एक्टिवेट कर दिया गया है।हालांकि एक घंटे की हलचल के बाद ड्रोन अटैक की घटनाएं थम गई है, एलओसी पर फायरिंग भी बंद हो गई है. सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से कुछ ड्रोन आए थे, जिन्हें इंटरसेप्ट करने के लिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम मुस्तैद थी, हालांकि पाकिस्तान की ओर से आए ये ड्रोन कुछ ही देर बाद वापस लौट गए थे। ऐसी जानकारी मीडिया में आई। साथियों बात अगर हम भारत- पाकिस्तान युद्ध का सीज़ फायर कैसे हुआ इसको जानने की करें तो,शनिवार सुबह तक एक दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे भारत और पाकिस्तान ने शनिवार शाम होते होते अमेरिका से आए संघर्ष विराम के संदेश की पुष्टि कर दी, दोनों देशों के तुरंत प्रभाव से हथियार थामने का एलान असल में हजारों किलोमीटर दूर वॉशिंगटन से आया।शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिकी की मध्यस्थता में रात में बहुत देर तक हुई बातचीत के बाद, मुझे यह एलान करते हुए खुशी है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और त्वरित संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।कॉमन सेंस और गजब की बुद्धिमतत्ता दिखाने के लिए दोनों देशों को बधाई, इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए आपका शुक्रिया.अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान के फौरन बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, पाकिस्तान और भारत तुरंत प्रभाव से संघर्ष विराम पर समहत हो गए हैं, पाकिस्तान हमेशा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास करता रहा है, वो भी अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर समझौता किए बिना.इसके कुछ देर बाद, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने भी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, यह तय हुआ है कि दोनों पक्ष, जमीन, हवा और समंदर में हर तरह की फायरिंग और सैन्य कार्रवाई बंद करेंगे।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई।

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी

इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता। सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों के विनाश और सैकड़ों आतंकियों की अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तान की सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी-बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिए हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिए गए होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की हवा निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए।

जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्किये और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वादा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिए हैं, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

ऊर्जा संरक्षण में तकनीकी अहम भूमिका

मुकेश तिवारी

20 साल पहले तक जन सामान्य द्वारा 100 वाट के विद्युत बल्ब इस्तेमाल में लाए जाते थे, लेकिन वर्तमान समय में बल्ब के स्थान पर 2- 4-5 और 10 वाट की सीएफएल को इस्तेमाल में लिया जा रहा है क्योंकि 2-4-5और 10वाट की सीएफएल विधुत बचत के साथ बल्कि बल्बों से ज्यादा पर्याप्त मात्रा में रोशनी देती हैं। फ्रिज, कूलर, हो या वाशिंग मशीन या अन्य कोई भी जनसामान्य के उपयोग में लाया जाने वाला उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा कुशल बनाया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत इस्तेमाल का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है। रेलवे ,ऑटोमोबाइल्स, उड्डयन इत्यादि में भी तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिक के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम इन दिनों युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच , स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीको का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। ग्रीन स्विच जहां सामान्य स्विचों से काफी कम ऊर्जा से संचालित होते हैं ,वही जल्दी गर्म भी नहीं होते ।स्मार्ट एचवीएसी घरेलू आवास अथवा कार्यालय के रिक्त भाग में विद्युत खपत को सीमित करते हैं, और विद्युत का अनावश्यक उपयोग पर रोकते हैं। स्मार्ट लाइटनिंग गति संवेदको की मदद से ऊर्जा की खपत को काफी हद तक काम कर देते हैं। वर्तमान समय में तकनीकी उन्नति के प्रयास अपनी चरम सीमा पर हैं, और इसमें दिन प्रतिदिन इजाफा भी होता जा रहा है ।आज तकनीकी का इस्तेमाल व्यक्तिगत, व्यावसायिक, प्रशासन और राजकीय सभी कार्यों में बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा रहा है ।बड़े कारोबारी संस्थानो लेकिन आप करमें आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वचालन के लिये हो रहा हैं , वहीं शासकीय संस्थानों आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी के प्रयोग से यहां जनजीवन ,व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है। दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है ।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है ।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक और प्रौद्योगिकी में ऊर्जा का अधिकार अधिक उपयोग होता है लेकिन ऊर्जा संरक्षण में भी अब तकनीक का प्रत्यक्ष इस्तेमाल होने लगा है परिणाम स्वरुप अब ऊर्जा कुशल विसर्जन को अहमियत दी जा रही है ।20 साल पहले आमतौर पर 100 वाट के बल्ब उपयोग में ले जाते थे लेकिन अब उनके स्थान पर 2-4-5और 10 वाट की सीएफए का उपयोग बड़े पैमाने पर होने लगा है,, क्यों कि सीएफएल से पर्याप्त प्रकाश तो मिलता ही है और साथ ही बिजली की भी बचत होती है। कूलर ,फ्रिज हो अथवा वाशिग मशीन या फिर अन्य कोई घरेलू विद्युत उपकरण सबको प्रौद्योगिकी के उपयोग से उर्जा कुशल बनाया जा रहा है। तकनीक के उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत उपयोग का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है ।ऑटोमोबाइल्स, रेलवे, उड्डयन आदि में भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम भी युद्ध स्तर पर चल रहा है ।जैसे आजकल ग्रीन स्विच, स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटनिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे। उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

भारतीय आध्यात्म के वैश्विक दूत परमहंस योगानंद

डॉ. सुब्रत बांश

जब दुनिया के अनेक राष्ट्रों ने सत्ता, सैन्य और अर्थव्यवस्था के दम पर उपनिवेश बनाए, तब भारत ने एक अलग राह चुनी-आध्यात्मिक प्रभाव की राह। यहां के ऋषियों-मुनियों ने मानवता को आत्मबोध, ध्यान, और शांति का संदेश दिया। इस आध्यात्मिक धरोहर को 20वीं सदी में वैश्विक मंच तक पहुंचाने वाले एक महान योगी थे-परमहंस योगानंद। योगानंद न केवल भारतीय योग और ध्यान परंपरा के प्रचारक थे, बल्कि उन्होंने भारतीय संस्कृति की एक तरह की 'आध्यात्मिक उपनिवेशिकता' की नींव भी रखी-जिसमें कोई जबरदस्ती नहीं थी, बस आत्मा की गहराइयों से निकला संदेश था जो सीधे विश्व-मानव के हृदय को छू गया।

सन् 1920 में परमहंस योगानंद अमेरिका के बोस्टन में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय धार्मिक उदारवादियों की कांग्रेस" में भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी, लेकिन इस यात्रा ने उन्हें एक वैश्विक आध्यात्मिक दूत बना दिया। उसी वर्ष उन्होंने अमेरिका में Self-Realization Fellowship (एसआरएफ) की स्थापना की, जो ध्यान और क्रिया योग के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार की शिक्षा को प्रसारित करता है। पांच साल बाद, 1925 में लॉस एंजेलिस में एसआरएफ का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित हुआ, जो आज भी योगानंद की शिक्षाओं का केंद्र बना हुआ है। पश्चिमी जगत, जो उस समय भौतिकता और औद्योगिकीकरण की ओर दौड़ रहा था, वहां भारतीय योग की यह सौम्य आहट एक नई चेतना का सूत्रपात थी।

योगानंद की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने धर्म को किसी मत या पंथ के बंधन से परे रखा। उनका संदेश था-ईश्वर को महसूस करो, न कि केवल मानो। वे कहते थे कि ध्यान, प्राणायाम और आत्मचिंतन के माध्यम से हर इंसान ईश्वर का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। उनकी शिक्षाएं पूर्व के गहन अध्यात्म और पश्चिम की वैज्ञानिक सोच का अनूठा संगम थीं। उन्होंने क्रिया योग को एक वैज्ञानिक पद्धति की तरह प्रस्तुत किया, जो जीवन के हर क्षेत्र में शांति, संतुलन और जागरूकता ला सकती है।

सन् 1946 में प्रकाशित योगानंद की आत्मकथा 'Autobiography of a Yogi' आज भी दुनिया भर में पढ़ी जाती है। यह न केवल उनके जीवन का दस्तावेज़ है, बल्कि भारतीय योग परंपरा का जीवंत वर्णन भी है। अब तक यह 50 से अधिक भाषाओं में अनूदित हो चुकी है और इसे आध्यात्मिक साहित्य की क्लासिक माना जाता है।

एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स इस पुस्तक से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपने आईपैड में केवल यही एक किताब रखी थी, और अपनी मृत्यु से पहले इसे अपने निकट सहयोगियों को उपहारस्वरूप दिया था। योगानंद की एक अन्य उल्लेखनीय पुस्तक 'The Second Coming of Christ' है, जिसमें उन्होंने ईसा मसीह की शिक्षाओं को हिंदू योग दर्शन के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित किया है। इस प्रयास ने आध्यात्मिक संवाद को वैश्विक आयाम दिया। योगानंद ने एक गहन प्रश्न उठाया था-"मनुष्य बाहरी दुनिया को जीतने में व्यस्त है, लेकिन क्या वह अपने भीतर की दुनिया से भी परिचित है?" आज की भागदौड़, तनाव और तकनीकी अशांति से जूझती दुनिया में यह सवाल पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है।

उनकी पुस्तक 'How to Live' की सात-खंडीय श्रृंखला जीवन में शांति, स्पष्टता और आत्म-संयम लाने के व्यावहारिक उपाय देती है। इनमें कार्य-जीवन संतुलन, आंतरिक ऊर्जा, सकारात्मक सोच, और ध्यान जैसे विषयों को अत्यंत सरल और प्रभावी भाषा में प्रस्तुत किया गया है। सन् 1952 में जब योगानंद ने अमेरिका में ही शरीर त्यागा, तो वे भले ही भौतिक रूप से नहीं रहे, लेकिन उनकी शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनके द्वारा स्थापित संगठन एसआरएफ और भारत में स्थित Yogoda Satsanga Society (वाईएसएस) निरंतर सक्रिय हैं।इन संस्थानों के माध्यम से अब भी ध्यान शिविर, ऑनलाइन कोर्स, पुस्तकें और ऑडियो लेक्चर के ज़रिये लोगों तक योगानंद का संदेश पहुंच रहा है -"शांति तुम्हारे भीतर है, बाहर नहीं।"

परमहंस योगानंद केवल एक संन्यासी नहीं थे; वे भारत की सांस्कृतिक चेतना के ऐसे दूत थे, जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि संस्कृति की विजय तलवार से नहीं, आत्मा की शक्ति से होती है। उन्होंने अमेरिकी समाज में भारतीय योग, ध्यान और आत्मबोध की ऐसी गहरी जड़ें जमाईं, जो आज भी जीवंत हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत की असली शक्ति उसकी आध्यात्मिक परंपरा में है-वह परंपरा जो संकीर्णता नहीं सिखाती, बल्कि पूरे विश्व को एक परिवार मानकर चलती है। आज जब दुनिया मानसिक अशांति, अवसाद और अस्तित्व के संकट से जूझ रही है, परमहंस योगानंद की शिक्षाएं एक बार फिर प्रासंगिक हो उठी हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा परिवर्तन भीतर से शुरू होता है और वही परिवर्तन संपूर्ण विश्व को भी बदल सकता है।(लेखक, परमहंस योगानंद के अनुयायी हैं।)

गाजा से रिहा हुए 65 बंधकों की ट्रंप-नेतन्याहू से अपील और देर न करें, सभी बंधकों की रिहाई के लिए आगे बढ़ें

यरुशलम,15 मई (एजेंसियां)।

गाजा में बंधक बनाए गए और हाल ही में रिहा हुए 65 इजराइली नागरिकों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपील की है कि वे गाजा में अब भी बंदी बनाए गए।

लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए वार्ता फिर से शुरू करें और इस अहम मौके को गंवाने न दें।

यह अपील 'होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' द्वारा जारी एक पत्र के माध्यम से की गई, जो 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान अपहृत लोगों और उनके परिजनों का प्रतिनिधित्व करता है।

पत्र में लिखा गया है, हम, जो राज्य की लापरवाही के कारण 07 अक्टूबर को अगवा किए गए थे, अब जब रिहा हो चुके हैं, एडन अलेक्जेंडर की वापसी का स्वागत करते हैं। उल्लेखनीय है कि अलेक्जेंडर, एक इजराइली-अमेरिकी सैनिक है जिन्हें अमेरिका द्वारा हमास से स्वतंत्र वार्ता कर छुड़ाया गया।

पूर्व बंधकों ने यह भी कहा, हमें विश्वास है कि इजराइली सरकार के पास अब वार्ता की मेज पर लौटने का एक वास्तविक अवसर है। हम आप सभी से अपील करते हैं कि जब तक एक व्यापक समझौता नहीं हो जाता, तब तक यह प्रयास न छोड़ें।

पूर्व बंधकों की इस भावुक अपील को इस संघर्ष के बीच एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में सार्थक पहल का द्वार खोल सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मार्च में संक्षिप्त युद्धविराम के समाप्त होने के बाद हमास के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता से इनकार कर दिया था। उन्होंने गाजा में सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू कर दी थी, जिससे शांति प्रयासों को झटका लगा। लेकिन हालिया रिहाई और अमेरिका की ओर से किए गए स्वतंत्र प्रयासों से यह संकेत मिला है कि राजनयिक रास्ते अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईएमएफ से बांग्लादेश को मिलेगी 1.3 अरब डॉलर की राहत, विनिमय दर सुधारों पर बनी सहमति

ढाका। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बांग्लादेश को 1.3 अरब डॉलर की नई वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि आईएमएफ के 4.7 अरब डॉलर के ऋण पैकेज के तहत दी जा रही है, जिसमें अब चौथे और पांचवें चरण की किस्तें शामिल हैं। यह निर्णय मुद्रा विनिमय दर में सुधार पर बनी सहमति के बाद लिया गया है। आईएमएफ और बांग्लादेश सरकार के बीच क्रॉलिंग पेग व्यवस्था को अपनाने पर सहमति बनी है। इस प्रणाली के तहत बांग्लादेश की मुद्रा टका का मूल्य धीरे-धीरे वैश्विक विनिमय दरों के अनुसार बदलेगा, जिससे विदेशी मुद्रा बाज़ार में लचीलापन और पारदर्शिता आएगी। वॉशिंगटन में अप्रैल में हुई आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग मीटिंग में राजस्व प्रबंधन, मौद्रिक नीति, और विदेशी मुद्रा नीति पर गंभीर चर्चा हुई थी। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि सभी प्रमुख मुद्दों पर समीक्षा के बाद, दोनों पक्ष राजस्व नीति, मुद्रा विनिमय व्यवस्था और अन्य सुधार ढांचे पर सहमत हो गए हैं। आईएमएफ के अनुसार, यदि कार्यकारी बोर्ड इस स्टाफ-लेवल डील को मंजूरी देता है, तो बांग्लादेश को एसडीआर 983.8 मिलियन (लगभग 1.3 अरब डॉलर) की राशि प्राप्त होगी। आईएमएफ ने बताया कि बांग्लादेश ने बढ़ती बाहरी वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने के लिए ईसीएफ और ईएफएफ के तहत 567.2 मिलियन एसडीआर (लगभग 762 मिलियन डॉलर) की वृद्धि का भी अनुरोध किया था।

परमाणु एजेंसी ने कहा- पाकिस्तान के किराना हिल्स में लीक नहीं हुआ रेडिएशन

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने उन दावों और अफवाहों को विराम दे दिया जिसमें कहा जा रहा था कि पाकिस्तान के किराना हिल्स के परमाणु केंद्र से रेडिएशन लीक हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि पाकिस्तान के किसी भी परमाणु केंद्र से रेडिएशन रिसाव या उत्सर्जन की कोई घटना नहीं हुई है। आईएईए के प्रेस विभाग के फ्रेडरिक डाल ने एक सवाल के जवाब में ईमेल के जरिए कहा, हम इन रिपोर्टों से अवगत हैं। एजेंसी के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान में किसी भी परमाणु सुविधा से कोई रेडिएशन रिसाव या लीकेज नहीं हुआ है। इससे पहले सोशल मीडिया और कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों द्वारा यह दावा किया जा रहा था कि भारत द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में किराना हिल्स को निशाना बनाया गया, जहां कथित रूप से पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का भंडार रखा है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रधान उप-प्रवक्ता थॉमस पिगॉट से 13 मई को वाशिंगटन डीसी में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूछा गया कि क्या अमेरिका ने पाकिस्तान में रेडिएशन रिसाव की रिपोर्ट्स के बाद कोई टीम भेजी है।

कनाडा की नई सरकार ने मध्यम वर्गीय परिवार को दी बड़ी राहत

ओटावा। कनाडा की नई सरकार ने अपने नए संसदीय सत्र की शुरुआत के बड़ी घोषणा के साथ की है। 1

जुलाई 2025 से व्यक्तिगत आयकर की न्यूनतम दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह फैसला करीब 2.2 करोड़ कनाडाई नागरिकों को लाभ पहुंचाएगा। कनाडा की सरकार के अनुसार, दो आय वाले परिवारों को वर्ष 2026 तक 840 अमेरिकी डॉलक (करीब 70,000 रुपये) तक की सालाना बचत हो सकती है। यह फैसला जीवन-यापन की बढ़ती लागत के बीच आम नागरिकों को राहत देने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। टैक्स दर साल के बीच में कम हो रही है इसलिए वित्तीय वर्ष 2015 में औसत दर 14.5प्रतिशत रहेगी। 2026 से यह दर पूरी तरह 14प्रतिशत हो जाएगी। कनाडा रेवेन्यू एजेंसी जुलाई 2025 से टैक्स कटौती तालिकाओं को अपडेट करेगी ताकि कर्मचारियों की सैलरी से कम टैक्स काटा जाए। यदि टैक्स कटौती नहीं होती है तो टैक्स रिटर्न भरते समय यह छूट लागू होगी। यह टैक्स राहत मुख्य रूप से उन नागरिकों को मिलेगी जिनकी वार्षिक आय 114,750 अमेरिकी डॉलर से कम है। इनमें से भी लगभग आधा लाभ उन लोगों को मिलेगा जिनकी आ 57,375 डॉलर या उससे कम है।

अमेरिका और सीरिया के हाथ मिलाने से इजराइल हैरान

रियाद,15 मई (एजेंसियां)।

सऊदी अरब में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की मुलाकात ने मध्य पूर्व के कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। इनमें इजराइल प्रमुख है। शरा पर कभी 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम था। सऊदी में जन्मे शरा पूर्व जिहादी हैं। सीरिया में सशस्त्र इस्लामी विद्रोह का नेतृत्व करने से पहले इराक में अमेरिकी सेना के खिलाफ लड़ाई में कई साल बिता चुके हैं। शरा को सीरिया के क्रूर तानाशाह बशर अल-असद को निर्वासित करने का श्रेय दिया जाता है। शरा सशस्त्र संघर्ष के दौरान आतंकी अबू मोहम्मद अल-जोलानी के नाम से कुख्यात रहा है।

खबर के अनुसार, ट्रंप और शरा ने रियाद में बुधवार को चाय पी। यह वही जिहादी है जिस पर 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रहा है। शरा ने सीरिया की आधी सदी पुरानी असद सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों को बाहर खदेड़ा और खुद को देश का नेता घोषित किया। अल शरा को 2013 में अमेरिका की विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी सूची में डाला गया था। तब वह सीरिया में अल कायदा के सहयोगी अल नुसरा फ्रंट का नेतृत्व कर रहा था।

मध्य पूर्व के देशों में मिस्र, सीरिया, इजराइल, लेबनान, जॉर्डन, इराक, ईरान सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, फिलिस्तीन, साइप्रस, तुर्किये, लीबिया, सूडान, जिबूती, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप की रियाद यात्रा में बहुत कुछ ऐसा घटा है, जिससे इजराइल को काफी आघात लगा है। ट्रंप की सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध खत्म करने की घोषणा सीधे-सीधे इजराइल को चुनौती देती है। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अप्रैल में वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात के दौरान कहा था कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंध नहीं हटाए जाने चाहिए। ऐसा करने से सात अक्टूबर, 2023 जैसी घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।

नेतन्याहू ने शरा और उनकी नई सरकार के साथ आक्रामक रुख अपनाया था। असद के निष्कासन के बाद के दिनों में उन्होंने सीरिया में अभूतपूर्व जमीनी हमले का आदेश दिया था। इस तनाव से नए सीरिया के लिए अच्छे पड़ोसी बनने के नेतन्याहू के शुरुआती वादे को झटका लगा। इजराइल के सैकड़ों हवाई हमलों में असद के हथियारों के अवशेषों, विशेष रूप से उसके रासायनिक हथियारों को निशाना बनाया गया, ताकि उन्हें आतंकवादी समूहों के हाथों में पड़ने से रोका जा सके। यही नहीं इजराइली सेना ने सीरिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट हरमोन पर कब्जा कर लिया । यह ऐसी चोटी है जहां से लेबनान और सीरिया की सैन्य रणनीति पर नजर रखी जा सकती है।

नेतन्याहू ने पिछले हफ्ते एक वीडियो बयान में कहा, हमने असद शासन को उखाड़ फेंका, जिसका इस्तेमाल अनिवार्य रूप से लेबनान में ईरान और हिज्बुल्लाह के बीच जमीनी संपर्क के रूप में किया जाता था। उधर, अब ट्रंप ने रियाद में शरा को बेहतरीन युवा आकर्षक व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शरा का मजबूत अतीत है और वह लड़ाकू है। नए सीरियाई राष्ट्रपति के पास सब कुछ संभालने का एक बेहतरीन मौका है।

व्हाइट हाउस और सऊदी विदेश मंत्रालय की जारी तस्वीरों में दोनों नेता मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीरियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रंप इस महत्वपूर्ण मोड़ पर सीरिया के साथ खड़े रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, बैठक के दौरान ट्रंप ने प्रस्ताव दिया कि शरा कई कदम उठाएं, जिनमें इजराइल के साथ सामान्यीकरण, विदेशी और फिलिस्तीनी आतंकवादियों को बाहर निकालना और आईएसआईएस के फिर से उभरने को रोकने में अमेरिका की मदद करना शामिल है।

अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा पर कसा शिकंजा, न्याय विभाग ने जड़े गंभीर आरोप, जमानत पर 28 मई को सुनवाई

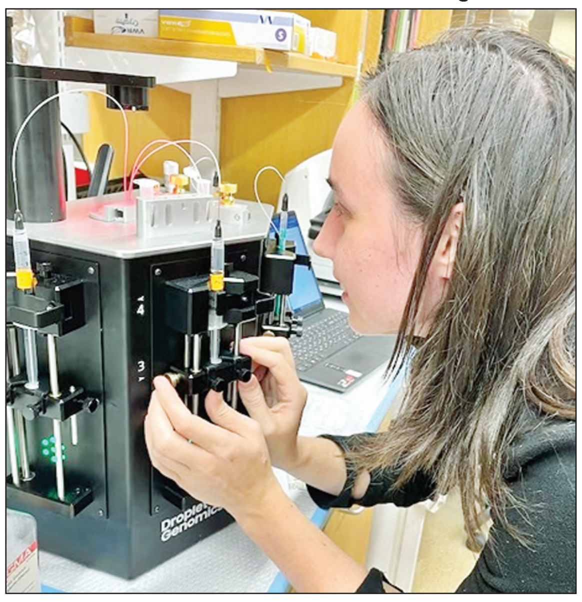

वाशिंगटन,15 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका में रूसी वैज्ञानिक सेनिया पेत्रोवा को बुधवार को अदालत से जमानत नहीं मिल सकी। न्याय विभाग ने हार्वर्ड की मेडिकल शोधकर्ता पेत्रोवा पर वर्मोंट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान गंभीर संघीय आरोप लगाया। न्याय विभाग ने कहा कि पेरिस से लौट रही 30 वर्षीय पेत्रोवा को 16 फरवरी को बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया था। उसके सामान में गैर-संक्रामक और गैर-विषाक्त मेंढक भ्रूण मिले थे। अभियोजकों का आरोप है कि वह अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी करने का प्रयास कर रही थी। अदालत ने सुनवाई के बाद पेत्रोवा की जमानत याचिका पर सुनवाई की तारीख 28 मई तय की है। खबर के अनुसार, सेनिया पेत्रोवा के वकीलों ने आरोपों पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आरोप अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश होने के कुछ घंटों बाद इसलिए लगाए गए, जिससे उसे रूस निर्वासित किया जा सके। रूस में उसे राजनीतिक गतिविधियों के लिए कई बार उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। संघीय अधिकारियों का कहना है कि पेत्रोवा ने निर्वासित करने के निरंतर प्रयास के बीच जानबूझकर कानून तोड़ा। पेत्रोवा के वकील ग्रेगरी रोमानोव्स्की का कहना है कि वह एक फ्रांसीसी प्रयोगशाला के प्रोफेसर के अनुरोध पर मेंढक के भ्रूण वापस ला रही थी। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि पेत्रोवा को सबसे पहले लुइसियाना के एक हिरासत केंद्र में रखा गया। इस पर पेत्रोवा के वकील का कहना है कि वहां से उसे एक संघीय जेल सुविधा केंद्र में ले जाया गया है।

चीन की संसद के उपाध्यक्ष चार दिन के नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

चीन के नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) यानी चीन की संसद के उपाध्यक्ष शियाओ जी बीती रात को काठमांडू पहुंचे। नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की डिप्टी स्पीकर के औपचारिक निमंत्रण पर वो चार दिन के नेपाल भ्रमण पर पहुंचे हैं। उपाध्यक्ष शियाओ जी मई 16-18 से काठमांडू में आयोजित होने वाले सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। नेपाल सरकार के वन और पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे उनका स्वागत किया। इस दौरान नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग भी मौजूद रहे। चीन के दूतावास ने कहा कि नेपाल भ्रमण के दौरान शियाओ जी नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष देवराज घिमिरे तथा राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण दहाल से मुलाकात करेंगे। वो पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी, पूर्व प्रधानमंत्री तथा माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल एवं डा बाबूराम भट्टराई से भी मुलाकात करेंगे।

दो साल से जेल में बंद इमरान खान को मिली राहत, परिजनों से कर सकेंगे बात

इस्लामाबाद,15 मई (एजेंसियां)।

विशेष अदालत ने आदेश दिया कि इमरान खान को उनके दोनों बेटों से विदेश में फोन पर बात करने की इजाजत दी जाए और साथ ही उन्हें अपने निजी डॉक्टर से स्वास्थ्य जांच करवाने की सुविधा भी मिले। अदालत ने स्पष्ट किया कि ये आदेश इंसानी हक और कानून के मुताबिक दिए गए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।ग

ौरतलब है कि पिछले महीने इमरान खान की ओर से अदालत में दो याचिकाएं दायर की गई थीं एक बेटों से टेलीफोन पर बात करने की अनुमति के लिए और दूसरी निजी डॉक्टर से स्वास्थ्य जांच की मांग को लेकर। विशेष न्यायाधीश शाहरुख अरजमंद ने दोनों याचिकाओं को मंजूरी देते हुए जेल प्रशासन से जवाब मांगा था कि आखिर क्यों अब तक इन आवश्यक सुविधाओं से उन्हें वंचित रखा गया।

इसके जवाब में जेल अधीक्षक ने सोमवार को अदालत में एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें जनवरी और फरवरी में पारित अदालती आदेशों को जेल नियमों और संविधान की भावना के विपरीत बताते हुए उन्हें रद्द करने की मांग की गई। उनका दावा था कि इन विशेष सुविधाओं को देना अन्य कैदियों के साथ भेदभाव होगा। लेकिन अदालत ने इस दलील को खारिज करते हुए साफ कहा कि 10 और 28 जनवरी तथा 3 फरवरी को दिए गए फैसले सभी कानूनी पहलुओं पर विचार कर पारित किए गए थे, और उन्हें रद्द करने का कोई ठोस आधार नहीं है। अदालत ने जेल अधीक्षक को इन आदेशों का पूर्णतः पालन करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई अगले बुधवार तक टाल दी।

इस फैसले से एक दिन पहले ही इमरान खान के दोनों बेटे 28 वर्षीय सुलेमान खान और 26 वर्षीय कासिम खान एक दुर्लभ सार्वजनिक अपील में सामने आए थे। उन्होंने बताया कि वे कई-कई महीनों तक अपने पिता से बात नहीं कर पाते। उल्लेखनीय है कि इमरान खान अगस्त 2023 से अदियाला जेल में बंद हैं। उन पर अरबों रुपए के भ्रष्टाचार मामले में दोष सिद्ध होने के बाद सजा सुनाई गई थी।

चटगांव बंदरगाह में कर्मचारी संगठन की हड़ताल से कामकाज पूरी तरह ठप

ढाका,15 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह में आहूत कर्मचारी संगठन की 12 घंटे की हड़ताल की वजह से कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया। कंटेनर परिवहन रुक गया है। यह हड़ताल पुलिस ज्यादती के खिलाफ शुरू की गई है। हड़ताल में शामिल प्राइम मूवर चालकों और श्रमिकों पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

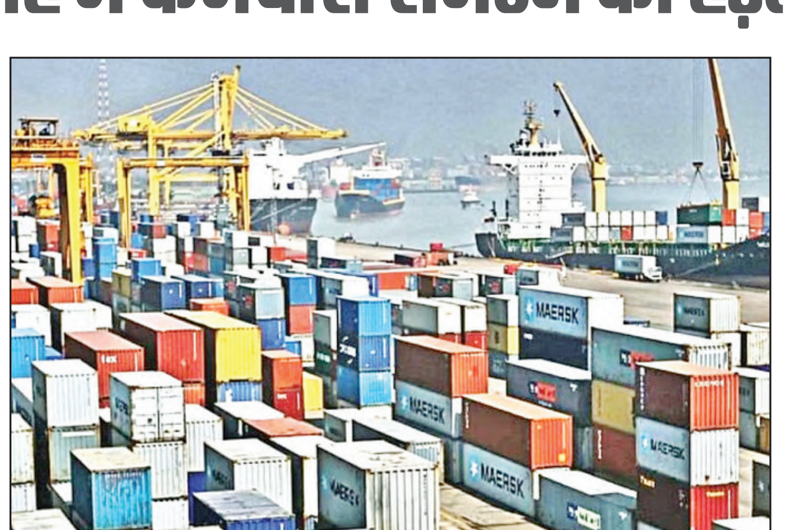

खबर के अनुसार, हड़ताल में शामिल लोगों का आरोप है कि पुलिस ने बेवजह यूनियन अध्यक्ष और दो सहकर्मियों के साथ मारपीट की। जिला प्राइम मूवर, ट्रेलर, कंक्रीट मिक्सर, फ्लैटबेड, ड्रम ट्रक वर्कर्स यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने कहा कि चट्टोग्राम के साल्टगोला क्रॉसिंग स्थित यूनियन कार्यालय के सामने मंगलवार रात विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने ज्यादती की । पुलिस ने एक ड्राइवर का पहचान पत्र और लाइसेंस जब्त कर लिया था। इसलिए विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया था।

बंदरगाह के अधिकारियों का कहना है कि काम बंद होने के कारण बंदरगाह और 21 निजी अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का कामकाज सुबह से ही बंद है। हुमायूं ने आरोप लगाया कि मंगलवार रात पुलिस यूनियन के अध्यक्ष सलीम खान और दो ड्राइवरों दिलवर हुसैन और मोहम्मद फैसल को पहाड़तली थाना ले गई और उनके साथ मारपीट की। जबकि तीनों कथित तौर पर एक मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे थे।

कर्मचारी नेता हुमायूं ने दावा किया कि सब इंस्पेक्टर अल अमीन ने मंगलवार रात करीब 10:30 बजे अलंगकर इलाके से एक घायल व्यक्ति को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के लिए प्राइम मूवर ड्राइवर एमडी लिटन को मजबूर करने की कोशिश की। ड्राइवर ने इनकार कर दिया तो उसके दस्तावेज जब्त कर लिए और उसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया। लिटन ने यूनियन अध्यक्ष सलीम खान को सूचित किया।

हुमायूं ने दावा किया, सलीम वहां पहुंचे तो उनसे अभद्रता की गई। इसके बाद दो अन्य श्रमिकों को पकड़कर लाया गया। वहां उनके साथ मारपीट की गई। हुमायूं ने कहा कि हालांकि श्रमिक गुस्से में थे और कल सुबह शुरू में उन्होंने काम रोकने की कोशिश की, लेकिन यूनियन नेताओं ने चटगांव में मुख्य सलाहकार के निर्धारित दौरे को देखते हुए उन्हें शांत करा दिया।

आईपीएल 2025 : अब टीमें विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटेन

नई दिल्ली ,15 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमें अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है,जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटेन नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म – सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत–पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस – धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोका गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे। हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी विकल्प का रास्ता खुला गया है।

दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण – इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर–मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

न्यूज़ ब्रीफ

टिम साउथी बने इंग्लैंड टीम के विशेषज्ञ कौशल सलाहकार

लंदन। न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ टिम साउथी अब कोचिंग रोल में कदम रख चुके हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की है कि 36 वर्षीय साउथी को इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ विशेषज्ञ कौशल सलाहकार के रूप में जोड़ा गया है। वह अल्पकालिक आधार पर यह भूमिका निभाएंगे और भारत के खिलाफ रोथसे टेस्ट सीरीज़ के समापन तक इंग्लैंड टीम के साथ रहेंगे। गौरतलब है कि टिम साउथी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और वह न्यूजीलैंड के इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे हैं। अब वह अपने अनुभव के जरिए इंग्लिश गेंदबाजों को मार्गदर्शन देंगे। साउथी इंग्लैंड की टीम से जुड़ने से पहले ट्रेंट ब्रिज में अगले हफ्ते जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू हो रहे रोथसे टेस्ट से पहले खिलाड़ियों के साथ तैयारी करेंगे। सलाहकार के रूप में अपने कार्यकाल के बाद साउथी इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलते हुए नज़र आएंगे। इंग्लैंड टीम को भारतीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला में उनके अनुभव से काफी फायदा मिलने की उम्मीद है।

शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेंटर ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। वेस्टइंडीज बोर्ड की मंजूरी बाकी, शेफर्ड की उपलब्धता पर सस्पेंस शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं। लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केकेआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है। फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे।

अरशद नदीम को लेकर नीरज चोपड़ा ने कहा- अब चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम के साथ अपने रिश्ते को लेकर बड़ा बयान दिया है। दोहा में होने वाले डायमंड लीग इवेंट से पहले गुरुवार को

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब नीरज से पूछा गया कि क्या भारत–पाकिस्तान के मौजूदा हालात का असर उनके और अरशद नदीम के रिश्ते पर पड़ा है, तो उन्होंने बेहद संतुलित जवाब दिया। नीरज चोपड़ा ने कहा, सबसे पहले तो मैं यह साफ करना चाहता हूं कि हमारे बीच कभी कोई बहुत मजबूत रिश्ता नहीं था, लेकिन अगर कोई मेरे से इज्ज़त से बात करता है तो मैं भी उसी तरह पेश आता हूं। अब चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी। नीरज चोपड़ा ने इस महीने के अंत में बेंगलुरु में होने वाले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में अरशद नदीम को आमंत्रित किया था। हालांकि इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना भी हुई, खासकर मौजूदा हालात को देखते हुए। कई लोगों ने इसके समय और संदेश पर सवाल उठाए। हालांकि 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के आयोजकों ने बाद में सुरक्षा और व्यापक चिंताओं का हवाला देते हुए एक बयान जारी कर स्थगन की पुष्टि की।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए आईसीसी ने घोषित की रिकॉर्ड इनामी राशि

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के लॉर्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऐतिहासिक इनामी राशि की घोषणा की है। इस बार फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दोनों संस्करणों की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह एख आधिकारिक बयान में कहा, डब्ल्यूटीसी 25 फाइनल के विजेता को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जबकि उपविजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर पुरस्कार मिलेगा। चैंपियन टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी, जो 2021 और 2023 में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में बहुत अधिक है, जबकि उपविजेता टीम का पुरस्कार पिछले 80 लाख डॉलर से दोगुना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अंतिम मैच से 30 दिन पहले उत्साह बढ़ाने के लिए एक प्रचार वीडियो भी जारी किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, तेज गेंदबाज कगिसो रबादा, प्रोटियाज स्टार ऐडेन मार्कराम, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के साथ–साथ पूर्व महान खिलाड़ियों जैसे शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीत के साथ डब्ल्यूटीसी25 अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और लॉर्ड्स फाइनल के लिए पहली टीम बनी। इसके अलावा उन्होंने भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ की। दक्षिण अफ्रीका पहली बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट दो बार जीतकर इतिहास रचना चाहता है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हैं। यह हमारे लिए आईसीसी खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। सब कोई टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को समझता है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप इस खेल के इस महत्वपूर्ण प्रारूप को सही संदर्भ प्रदान करता है। लॉर्ड्स इस मेगा मुकाबले के लिए उपयुक्त स्थल है, और हम सब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेंगे। अब एक महीने से भी कम समय बचा है और मुझे यकीन है कि दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी 11 जून को होने वाले मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा, हमें यह मौका मिला है कि हम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब लॉर्ड्स में बचा सकें, इस बात पर हमें बहुत गर्व है। यह पिछले दो वर्षों में इस फाइनल तक पहुंचने के लिए किए गए कड़ी मेहनत का परिणाम है, जो हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम इंग्लैंड में कुछ ही हफ्तों में फिर से साथ होंगे और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

स्पोर्ट्सस्किल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उभरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली। भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सस्किल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रैकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्क्वैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स — तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है। को–फाउंडर चेतन देसाई ने कहा, यह सिर्फ एक एंडोर्समेंट नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आह्वान है, ताकि हर क्लब खेल प्रतिभाओं के लिए सहयोगी बने। चैंपियंस क्लब एलीट पास इसके जरिए खिलाड़ियों के साथ–साथ क्लबों की साख भी ऊंची करता है।

रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका

नई दिल्ली , 15 मई (एजेंसियां) ।

सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोर्का को 2–1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा विराम

इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पानयोल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को एल क्लासिको में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड के पास यह मुकाबला जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वैलजेंट के शुरुआती गोल से पिछड़ा मैड्रिड मैच की शुरुआत में मल्लोर्का ने आक्रामक अंदाज़ दिखाया और 11वें मिनट में मार्टिन वैलजेंट ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से कई प्रयास हुए, लेकिन मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमन ने शानदार बचाव करते हुए पहले हाफ में जूड बेलिंघम, किलियन एम्बाप्पे और फेडे वाल्वर्डे को गोल करने से रोके रखा।

एम्बाप्पे और जैकोबो ने पलट दिया मैच

दूसरे हाफ में आखिरकार 68वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाते हुए तीन डिफेंडरों को छकाया और गेंद को नेट में डालकर स्कोर 1–1 कर दिया। यह इस सीजन में एम्बाप्पे का 40वां गोल था। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी इंजरी टाइम के 95वें मिनट में 20 वर्षीय डिफेंडर जैकोबो रामोन ने गिरती हुई गेंद को गोलकीपर के ऊपर से नेट में डालकर मैड्रिड को जीत दिला दी। अनचेलोटी की विदाई से पहले जज्बा दिखा रही है टीम मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीज़न के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जज्बा दिखाया।

उत्तरी कैरोलिना में पीजीए गोल्फ चैम्पियनशिप

उत्तरी कैरोलिना में पीजीए गोल्फ चैम्पियनशिप में खेलते हुए रॉरी मैकलरॉय।

दक्षिण कोरिया के स्टार फुटबॉलर सोन ह्युंग–मिन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की कोशिश, शिकायत दर्ज

सियोल, 15 मई (एजेंसियां) ।

टोटेनहम हॉटस्पर के कप्तान और दक्षिण कोरियाई फुटबॉल स्टार सोन ह्युंग-मिन ने एक महिला द्वारा झूठे गर्भावस्था के दावे को लेकर ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। यह जानकारी गुरुवार को उनकी एजेंसी सोन एंड फुटबॉल लिमिटेड ने दी।

सोन ह्युंग-मिन इस मामले में पूरी तरह पीड़ित हैं

सोन की एजेंसी ने बयान जारी करते हुए कहा, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही परिणाम सामने आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन ह्युंग–मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं। महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियोल के गंगनम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है।

कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन ह्युंग-मिन

32 वर्षीय सोन ह्युंग–मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंकाने वाला है।

नेशनल कैंप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और गोल करना

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) ।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज़ से पहले भारतीय कैंप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है।

तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैंप में वापस आकर बहुत खुश हूं, लेकिन मेरा असली लक्ष्य अंतिम टीम में जगह बनाना है। मैंने अकेले भी मेहनत की है और अब कैंप में अपनी पूरी ताकत झोंक रहा हूं ताकि भविष्य के बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भी टीम का हिस्सा बन सकूं।

कार्ति ने पहले भी यूरोप में भारतीय टीम के साथ टूर किया है। वह कहते हैं, मुझे वहां खेलने का अनुभव है, लेकिन इस बार मैं सिर्फ प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहता हूं। मेरा लक्ष्य है कि टीम के लिए अहम मौके पर गोल कर सकूं और मैच जीतने में योगदान दूं।

नेशनल कैंप में कोचिंग स्टाफ और सीनियर खिलाड़ियों से बातचीत के बारे में कार्ति ने बताया, कोचों ने मुझे फिटनेस और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। मैं इन दोनों पहलुओं पर विशेष मेहनत कर रहा हूं ताकि टीम में अपनी जगह पक्की कर सकूं।

आगामी प्रो लीग के मुकाबलों में भारतीय टीम का सामना कड़े विरोधियों से होगा। इस बारे में कार्ति ने कहा, नीदरलैंड्स ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं और उनके खिलाफ मुकाबला आसान नहीं होगा। बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसी टीमें भी तेज़ हॉकी खेलती हैं, लेकिन भारतीय टीम भी उसी अंदाज़ में खेलती है। हमारा फोकस रहेगा कि हम परिस्थितियों को समझकर मैच में अपनी रणनीति लागू करें।

अंत में उन्होंने कहा, फिलहाल हम कैंप में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं, साथ ही कुछ अतिरिक्त सेशंस भी कर रहे हैं ताकि मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मैं व्यक्तिगत रूप से भी अपने खेल को सुधारने पर ध्यान दे रहा हूं।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

सरकार मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी सीमा शुल्क लगाएगी, मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कर छूट के दुरुपयोग को रोकने के मकसद से वित्त मंत्रालय उत्पादों के एक नए वर्गीकरण में प्रमुख मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। सैमसंग इंडिया और नोकिया सॉल्यूशंस मामले में विवाद को देखते हुए सरकार इस नीति पर विचार कर रही है। असल में इन दोनों फर्मों ने ऐसी वस्तुओं के आयात पर शून्य शुल्क लाभ का दावा किया है जिसे सरकार गलत वर्गीकरण मानती है। साल की शुरुआत में सैमसंग द्वारा कर से बचने के लिए रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के आयात को कथित तौर पर गलत तरीके से वर्गीकृत किए जाने के मामले में 52 करोड़ डॉलर का कर नोटिस भेजा गया था।

आरआरएच बेस स्टेशन का घटक होता है जिसका उपयोग मोबाइल टावरों में सिग्नल को प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है। कंपनी ने कर विभाग के आदेश को मुंबई सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील पंचाट (सीईएसटीएटी) में चुनौती दी है।

उसका कहना है उत्पाद का वर्गीकरण उद्योग के मानदंड के अनुरूप है और अधिकारियों ने पहले इस पर सवाल नहीं उठाया था।ऐसे ही एक अन्य मामले में नोकिया को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत मिली थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में नोकिया के खिलाफ एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के आदेश को खारिज कर दिया था।

अथॉरिटी ने इसमें स्मॉल फॉर्म फैक्टर प्लगएबल (एसएफपी) ट्रांसीवर को पूर्ण दूरसंचार उपकरण के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा था जिस पर 20 फीसदी शुल्क लगाया जाता है। मगर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसएफपी कोई मशीन नहीं बल्कि नेटवर्क का हिस्सा है और उन्हें उन वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना सही है जिन पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट...

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समय सीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी।सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से संविधान के अनुच्छेद 200, 201, 361, 143, 142, 145(3) और 131 से जुड़े सवाल पूछे हैं। राष्ट्रपति का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का उक्त फैसला राष्ट्रपति और राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों को कम करने की कोशिश करने वाला आदेश है। इसलिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में राय मांगी है। अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति को ये अधिकार देता है कि वो किसी बड़े कानूनी या सार्वजनिक महत्व के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट की राय ले सकते हैं। इसे प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भी कहते हैं। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को कुल 14 सवाल भेजे हैं। इन सवालों का जवाब देने के लिए सुप्रीम कोर्ट को कम से कम पांच जजों की एक संवैधानिक पीठ बनानी होगी। ये सवाल बहुत अहम हैं क्योंकि ये राष्ट्रपति और राज्यपाल के अधिकारों, उनकी भूमिका और कोर्ट की शक्तियों से जुड़े हैं। राष्ट्रपति ने ये भी कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201, जो बिलों को मंजूरी देने की प्रक्रिया बताते हैं, उनमें कोई ऐसा कोई नियम नहीं है जिसमें बिल को मंजूरी देने के लिए कोई समय-सीमा लिखी हो। न ही संविधान में डीम्ड असेंट जैसी कोई बात कही गई है।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने पूछा है कि (1) जब राज्यपाल के पास बिल आता है, तो उनके पास क्या-क्या विकल्प होते हैं? (2) क्या बिल पर फैसला लेते वक्त राज्यपाल को मंत्रियों की सलाह माननी ही पड़ती है? (3) क्या राज्यपाल का फैसला कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है? (4) क्या संविधान का अनुच्छेद 361 कहता है कि राज्यपाल के फैसले को कोर्ट में नहीं ले जाया जा सकता? (5) जब संविधान में कोई समय-सीमा नहीं है, तो क्या कोर्ट ये तय कर सकता है कि राज्यपाल को कब तक फैसला लेना है? (6) क्या राष्ट्रपति का फैसला भी कोर्ट में चुनौती दी जा सकता है? (7) क्या कोर्ट ये बता सकता है कि राष्ट्रपति को बिल पर कब और कैसे फैसला लेना है? (8) अगर राज्यपाल कोई बिल राष्ट्रपति को भेजता है, तो क्या राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट से राय लेनी पड़ती है? (9) क्या बिल के कानून बनने से पहले कोर्ट उसमें दखल दे सकता है? (10) क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले को बदल सकता है? (11) क्या बिना राज्यपाल की मंजूरी के विधानसभा से पास बिल कानून बन सकता है? (12) क्या संविधान कहता है कि बड़े कानूनी सवालों को पांच जजों की बेंच को भेजना जरूरी है? (13) क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत ऐसा आदेश दे सकता है जो संविधान या कानून के खिलाफ हो? (14) क्या केंद्र और राज्य सरकारों के बीच झगड़े सिर्फ अनुच्छेद 131 के तहत ही सुलझाए जा सकते हैं, या कोर्ट के पास और भी रास्ते हैं?

ये सवाल सिर्फ समय-सीमा तय करने की बात नहीं हैं। ये राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका, उनके अधिकारों और कोर्ट की शक्तियों के दायरे से जुड़े हैं। अब सुप्रीम कोर्ट को इन सवालों पर गहराई से विचार करना होगा और एक साफ राय देनी होगी। इस फैसले का असर देश की संवैधानिक व्यवस्था और केंद्र-राज्य संबंधों पर भी पड़ सकता है। इसलिए ये मामला बहुत अहम माना जा रहा है।

पाकिस्तान को...

पहलगाम हमले पर विदेश मंत्री ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पेश किया था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सात मई को उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जवाबदेह ठहराया गया।

भारत अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये थोड़ी कठिन है। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। कोई भी व्यापार सौदा परस्पर लाभकारी होना चाहिए। यह दोनों देशों के लिए कारगर होना चाहिए। व्यापार सौदे से हमारी यही अपेक्षा होगी। जब तक यि लाभकारी नहीं हो जाता, इस पर कोई भी निर्णय जल्दबाजी होगी। होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि अब हमारे पास होंडुरास का नया दूतावास है। यह उन देशों में से एक है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के समय मजबूत एकजुटता व्यक्त की थी। वैश्विक दक्षिण सहयोग के हिस्से के रूप में हमारे विकासात्मक अनुभवों का आदान-प्रदान करने की संभावना है। हमने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया। हम अब एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसका उद्देश्य आपदा के प्रति होंडुरास की तैयारियों को मजबूत करना है।एस जयशंकर ने कहा कि वैश्विक मंच पर हमारे सहयोग का संयुक्त राष्ट्र सहित कई देशों ने समर्थन किया है। हम विभिन्न बहुपक्षीय गतिविधियों में होंडुरास से प्राप्त निरंतर समर्थन को महत्व देते हैं। होंडुरास में भारतीय प्रवासी कम हैं, लेकिन यह जीवंत है और यह स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते है और साथ ही दोस्ती के जीवंत पुल के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत और होंडुरास के आर्थिक संबंध लगातार बढ़े हैं। वे व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग से मजबूत हुए हैं। द्विपक्षीय व्यापार आज 300 मिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। हम होंडुरास को फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, ऑटोमोबाइल और मशीनरी निर्यात करते हैं और होंडुरास से कॉफी, लकड़ी और चमड़ा आयात करते हैं। यह वाणिज्यिक आदान-प्रदान कृषि, व्यवसाय, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काफी संभावनाओं को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में होंडुरास के दूतावास के खुलने से व्यापार को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलेगी। व्यवसायियों को दूतावास को मैचमेकिंग के केंद्र के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जो अधिक पहल गतिविधियों और जुड़ावों को शुरू करने के लिए संस्थागत समर्थन प्रदान करेगा। उन्होंने होंडुरास के प्रतिनिधियों का आभार जताया। विदेश मंत्री ने कहा, मैं सबसे पहले पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले पर होंडुरास की एकजुटता को स्वीकार करता हूं। हम आतंकवाद के विरोध में आपकी सार्वजनिक प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं और इस तथ्य की भी कि यह ऐसी चीज है जो सभ्य दुनिया के किसी भी रूप में पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम आज अपने क्षेत्र में आतंकवाद से लड़ते समय आपके समर्थन और एकजुटता की बहुत सराहना करते हैं।

हमें अपनी सेना ...

के खिलाफ भारत द्वारा चलाई गई, अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई है। 35-40 वर्षों से भारत सरहद पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना कर रहा है। आज भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। पहलगाम में आतंकवादी घटना को अंजाम देकर भारत के माथे पर चोट पहुंचाने का काम किया, भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने भारत के माथे पर वार किया, हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, अपनी ज़मीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ न होने दे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीनगर एयरबेस का दौरा किया और जवानों से मुलाकात की। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद हैं। भारतीय वायु सेना के जवानों ने श्रीनगर एयर बेस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के दौरान वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बादामी बाग छावनी में जवानों के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए। रक्षा मंत्री ने यहां जवानों को संबोधित किया।उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए। बौखलाए पाकिस्तान द्वारा भारत के सीमाई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश को भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया और उसका करारा जवाब भी दिया। भारत ने पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकाने ध्वस्त कर दिए। इस पर पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया। हालांकि, पाकिस्तान की तरफ से फिर इसका उल्लंघन किया गया, जिसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। आखिरकार पाकिस्तान को अपनी असलियत का अंदाजा लग गया और चुप बैठ गया। भारत सरकार ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध विराम शर्तों पर लागू हुआ है। जल संधि का स्थगन जारी रहेगा और आतंकवाद की किसी भी घटना को युद्ध मान कर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में...

ऑपरेशन में किसी भी जवान के घायल होने की खबर नहीं आई है। मणिपुर में जारी अशांति के बीच सेना की ये बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने ट्वीट किया, भारत-म्यांमार सीमा के पास चंदेल जिले के खेगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास सशस्त्र कैडरों की आवाजाही की खुफिया जानकारी मिली थी। असम राइफल्स इकाई ने 14 मई 2025 को एक ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान सैनिकों पर संदिग्ध कैडरों द्वारा गोलीबारी की गई। इस पर एक्शन लेते हुए 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया है और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

कुछ दिनों पहले भारत सरकार और भारतीय सेना ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए म्यांमार बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिया है और फ्री आवाजाही को बंद कर दिया गया है। हालांकि मणिपुर की दो अहम जातियां नागा और कुकी ने इसका विरोध किया था लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए ये करना जरूरी था। इसका असर भी दिखने लगा है और उग्रवादियों के मूवमेंट पर सेना आसानी से नजर बनाए रख पा रही है। पहले उग्रवादी मणिपुर में आतंक फैला कर म्यांमार भाग जाते थे। उग्रवादी काफी समय से भारत-म्यांमार वाले इलाके में जोलैंड के रूप में नया राज्य बनाना चाहते हैं।

लश्कर और...

तीन आतंकवादी मारे गए थे। उनमें से दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई थी, जो दोनों शोपियां के रहने वाले थे। कुट्टे 2023 में लश्कर में शामिल हुआ था और पिछले साल 8 अप्रैल को डैनिश रिसॉर्ट में हुए हमले में शामिल था, जिसमें दो जर्मन पर्यटक और एक ड्राइवर घायल हो गए थे। वह मई 2024 में हीरपोरा में एक भाजपा सरपंच की हत्या से भी जुड़ा था। शफी 2024 में शामिल हुआ था और शोपियां के वाची में एक गैर-स्थानीय कार्यकर्ता की हत्या में शामिल था।

15 दिन पाकिस्तान...

सरमा ने दावा किया कि चूंकि गोगोई की पत्नी और दो बच्चे विदेशी नागरिक हैं, इसलिए उनके भारत छोड़ने की पूरी संभावना है।

सीएम सरमा ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी एलिजाबेथ के पाकिस्तानी सेना के साथ काफी अच्छे संबंध हैं। एलिजाबेथ 19 बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुकी हैं और पाकिस्तानी सेना के अधिकारी उनका शानदार स्वागत करते हैं। यह भी आरोप है कि गौरव गोगोई की ब्रिटिश मूल की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के एक गैर-सरकारी संगठन क्लाइमेट डेवलपमेंट एंड नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) और विवादास्पद अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से संबंध हैं। आरोप यह भी है कि कोलबर्न ने सी.डी.के.एन. के लिए पाकिस्तान, नेपाल और भारत में काम किया है और उससे वेतन भी लेती रही हैं। सीडीकेएन में एशिया का काम अली तौकीर शेख देखता है। अली तौकीर शेख पाकिस्तानी योजना आयोग का सलाहकार रहा है। आरोप है कि इसी शेख के जरिए एलिजाबेथ कोलबर्न आईएसआई से जुड़ी हैं। कहा जा रहा है कि एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में तौकीर शेख के साथ मिलकर काम किया है।पता चला है कि अली तौकीर शेख भारत के घरेलू मामलों में भी दखल देता है। यहां तक कहा जाता है कि विदेशी शक्तियों ने जॉर्ज सोरोस के कुछ लोगों के नेतृत्व में 2014 में असम कांग्रेस के एक बड़े फैसले को प्रभावित किया था। शायद इन सबको देखते हुए ही असम सरकार ने गत 16 फरवरी को राज्य के पुलिस महानिदेशक को भारतीय न्याय संहिता और अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत पाकिस्तानी नागरिक अली शेख के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। पूरे मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है। इस समय एसआईटी जांच चल रही है। मुख्य रूप से जांच यह की जा रही है कि भारत में अली तौकीर शेख के संबंध किन-किन लोगों से हैं। गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर जो आरोप लगे हैं, वे बहुत ही गंभीर हैं। इसलिए लोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द इस मामले की जांच हो, ताकि लोगों को पता चले कि सच क्या है!

हजार से अधिक ...

को पकड़ा है। यह बांग्लादेशी घुसपैठिए राजस्थान के 17 जिलों से गिरफ्तार किए गए हैं। जयपुर रेंज से सबसे बड़ी संख्या में घुसपैठिए गिरफ्तार हुए हैं। सबसे अधिक गिरफ्तारियां सीकर में हुई हैं। सीकर से पुलिस ने 393 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार किए हैं। इनमें से अधिकांश ईंट भट्ठों पर काम कर रहे थे। राजस्थान में बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ने के बाद उन्हें जयपुर स्थित एक डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। राजस्थान में 6 ऐसे डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। जो घुसपैठिए अभी राजस्थान के भीतर बचे हैं, जल्द ही उन्हें भेजा जाएगा। बांग्लादेश सरकार को भी उसके नागरिकों के विषय में सूचना दी जा रही है। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद चालू हुई थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य भर में घुसपैठिए ढूंढ़ने का आदेश दिया था।

राजस्थान में इन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमों का भी गठन किया गया था। इन टीमों ने राजस्थान में लोगों की आईडी एवं उनके फोन तथा बैंक खातों की जांच करके नागरिकता का पता लगाया है। राजस्थान के अलावा भी देश के बाकी राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। इससे पहले असम के मटिया डिटेंशन कैंप में रखे गए 100 से अधिक रोहिंग्या भी वापस बांग्लादेश भेज दिए गए थे। इसकी पुष्टि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी की थी।

शौर्य का रंग...

मांग करने के लिए प्रेरित किया। एस-400 की तैनाती ने न केवल भारत के रक्षा ढांचे को मजबूती दी, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में इजराइली हथियारों ने भी भारत की ताकत बढ़ाई। बराक-8 मिसाइल ने पाकिस्तान की फतह-11 मिसाइल को हरियाणा के सिरसा में रोका, जबकि हारोप ड्रोन ने लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर में इजराइल के बने अत्याधुनिक हथियारों का खूब इस्तेमाल हुआ, जिसने भारत और इजराइल की गहरी दोस्ती और रक्षा सहयोग को दुनिया के सामने दिखाया। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला करने और उनकी मिसाइलों व ड्रोनों को नाकाम करने के लिए इजराइल, रूस और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का शानदार इस्तेमाल किया। इस ऑपरेशन में भारत ने अपनी तकनीकी ताकत का परिचय दिया। भारत, इजराइल, अमेरिका, रूस और फ्रांस जैसे देशों से हथियार खरीदने वाला दुनिया का एक बड़ा देश है।ऑपरेशन सिंदूर में इजराइल के हारोप ड्रोन ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों पर सटीक हमले किए। इसे आत्मघाती या कामिकेज ड्रोन कहते हैं, जो रडार को खोजकर नष्ट करने में माहिर है। इन ड्रोनों ने पाकिस्तान के कई अहम ठिकानों पर हमला किया, जिसमें लाहौर की एक बड़ी वायु रक्षा सुविधा को तबाह कर दिया। भारत ने पुष्टि की कि उसकी मानवरहित हवाई प्रणालियों और वायु रक्षा ग्रिड ने कई पाकिस्तानी ड्रोन, हथियारों और मिसाइलों को नष्ट किया, जो पठानकोट और श्रीनगर जैसे 15 भारतीय वायुसेना ठिकानों को निशाना बना रहे थे। भारत ने 2009 से 2019 के बीच इजराइल से कम से कम 25 हारोप ड्रोन खरीदे, जो अब सक्रिय हैं और इस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज का हारोप ड्रोन और मिसाइल की खूबियों को विकसित किया गया है। यह वायु रक्षा इकाइयों और रडार जैसे बड़े लक्ष्यों को खुद खोजकर नष्ट कर सकता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक, हारोप भारत की मानव रहित सटीक हमला करने की क्षमता का अहम हिस्सा है। हारोप एक सटीक आत्मघाती ड्रोन है, जिसे गहरे हमलों के लिए बनाया गया है। यह इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सीकर की मदद से अलग-अलग दिशाओं से लक्ष्य को पहचान सकता है और नौ घंटे तक हवा में रह सकता है। यह सैटेलाइट जैमिंग और युद्धक्षेत्र में मानवीय दखल के खिलाफ मजबूत है, जिससे मुश्किल हालात में भी यह काम करने में सक्षम बना रहा है। 50 पाउंड के वारहेड से लैस हारोप, कैमरा और ऑपरेटर की मदद से चलते लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है या रेडिएशन सीकर से रडार साइट्स को खुद निशाना बना सकता है। अगर रडार पहले सक्रिय होकर बंद हो जाए, तो हारोप उसकी आखिरी जगह पर जाकर इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल तकनीक से उसे खोज कर नष्ट कर देता है। यह स्थिर और गतिशील दोनों तरह के जमीन पर मौजूद लक्ष्यों को निशाना बना सकता है।हारोप को ट्रक, मोबाइल प्लेटफॉर्म या नौसैनिक जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है और यह 600 किलोमीटर की दूरी या छह घंटे तक उड़ सकता है। इसे ऑपरेटर नियंत्रित कर सकता है या यह पूरी तरह ऑटोमेटिक तरीके से भी काम कर सकता है। हेरॉन एमके-2 एक उन्नत मध्यम-ऊंचाई, लंबी उड़ान वाला ड्रोन है, जिसे इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह भारतीय वायुसेना और सेना की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में मदद करता है। नवंबर 2022 में भारतीय सेना ने दो हेरॉन एमके-2 शामिल किए, जबकि सितंबर 2023 तक पूर्वोत्तर में दो और तैनात किए। अगस्त 2023 में भारतीय वायुसेना ने चार और नवंबर में दो और खरीदे। यह ड्रोन 32,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है और 35,000 फीट तक जा सकता है। यह 40 घंटे से ज्यादा उड़ान भर सकता है, जिससे सीमा पर दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में बहुत प्रभावी है। इसकी पेलोड क्षमता 500 किलोग्राम है, जिसमें उन्नत सेंसर, कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण लगाए जा सकते हैं।

यह ड्रोन दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, समय से चेतावनी देने और युद्ध क्षति का आकलन करने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी ऊंची उड़ान और लंबी अवधि की क्षमता इसे ज्यादातर जमीन आधारित खतरों से दूर रखती है, जिससे यह भारतीय वायुसेना की रणनीतिक ताकत बन गया है। स्कूल स्ट्राइकर ड्रोन को इजराइल की एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम्स ने भारत की अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर बनाया है। इसे 2021 में भारतीय सेना में शामिल किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में इन ड्रोनों का इस्तेमाल हुआ। इसे लॉयटरिंग म्युनिशन कहते हैं और इसे बेंगलुरु के पश्चिमी हिस्से में बनाया गया है।

यह ड्रोन मिसाइल की तरह हमला करता है, लेकिन यूएवी की तरह उड़ता है। यह सटीक हथियार है, जिसे मैन्युअल या स्वायत्त रूप से चलाया जा सकता है। यह लक्ष्य क्षेत्र में मंडरा कर लक्ष्यों को खोजता और नष्ट करता है। इसका कम शोर और कम ऊंचाई पर सीक्रेट तरीके से उड़ान इसे खुफिया कामों के लिए आदर्श बनाती है। इसकी रेंज 100 किलोमीटर है और इसमें 5 से 10 किलोग्राम का बम होता है। स्कूल स्ट्राइकर का इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन इसे सीक्रेट ऑपरेशनों के लिए बेहतर बनाता है। यह ऑपरेटर द्वारा बताए गए लक्ष्यों को खोजकर उन पर हमला कर सकता है। जीपीएस या कनेक्टिविटी न होने पर भी यह सटीक हमले कर सकता है। अगर कोई लक्ष्य न मिले, तो यह ऑपरेटर को सुरक्षित वापस लौटने या हमला रोकने की सुविधा देता है।

यह ड्रोन लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए किफायती यानी सस्ता भी है और जमीनी सेना को एयर फायर मिशनों में मदद करता है। बालाकोट हमले के बाद भारतीय सेना ने इमरजेंसी खरीदी के तहत 100 स्काई स्ट्राइकर ड्रोन खरीदे। पाकिस्तान ने दिल्ली पर फतह-11 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, लेकिन भारत की बराक-8 मिसाइल रक्षा प्रणाली ने इसे हरियाणा के सिरसा में रोक दिया। बराक-8 को भारत और इजराइल ने मिलकर बनाया है। यह लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी रेंज 70 किलोमीटर है और इसे 100 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है।

बराक को डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने मिलकर संयुक्त रूप से विकसित किया। बराक का मतलब हिब्रू में बिजली होता है। यह मिसाइल मोबाइल लॉन्चर से नौसेना के जहाजों या जमीन पर इस्तेमाल हो सकती है। 275 किलोग्राम की यह मिसाइल 60 किलोग्राम का वारहेड ले जाती है, जो लक्ष्य के पास विस्फोट करता है। इसमें दोहरी पल्स रॉकेट मोटर और थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल है, जो इसे मैक 2 की गति देता है। बराक-8 में दो तरफा डेटा लिंक, डिजिटल रडार, ठऋ सेंसर और सिस्टम वाइड कम्युनिकेशन जैसी आधुनिक तकनीक हैं। बराक-8 मिसाइल प्रणाली लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, क्रूज मिसाइलों, बैलिस्टिक मिसाइलों, एंटी-शिप मिसाइलों और मानव रहित हवाई वाहनों से सुरक्षा प्रदान करती है। इसका दूसरा संस्करण, एमआरएसएएम, एक भूमि-आधारित मिसाइल प्रणाली है, जिसमें मोबाइल लॉन्चर, ट्रैकिंग रडार, और कमांड और कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं।सीकर, एंडगेम एवियोनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी भारत में विकसित तकनीकों के साथ, प्रणोदन रॉकेट सिस्टम और थ्रस्ट वेक्टर सिस्टम सहित कुछ अन्य घटक डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित किए गए हैं। इस प्रणाली को भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17 (ए) फ्रिगेट और विक्रमादित्य विमान वाहक नौका पर तैनात किया गया है, जिसमें रेंज 70 किलोमीटर तक है। इजराइल की स्पाइस-2000 किट आम बमों को सटीक स्टैंड-ऑफ हथियारों में बदल देती है, जो आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हैं और नागरिकों को कम नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों से छोड़ा जाता है। इन्हें इजराइल की राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स की अमेरिकी इकाई ने बनाया है।26 फरवरी 2019 को बालाकोट हमले में भारतीय वायुसेना ने इन बमों का इस्तेमाल कर जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को नष्ट किया। चार बम छतों से इमारतों में घुसे और सटीक हमला किया। जब आतंकवादी सो रहे थे, भारतीय वायुसेना के विमानों ने पांच स्पाइस-2000 बमों को दागा, जिनमें से कम से कम चार बम छतों के जरिए इमारत में घुस गए। इस सटीक हमले के दौरान, भारतीय वायुसेना के विमानों ने अपने लक्ष्यों पर बम गिराने के बाद तुरंत अपने ठिकानों पर वापसी की।2010 के दशक में भारत ने अपने विशेष बलों के लिए टैवोर एक्स-95 राइफलें शामिल कीं। बाद में इन्हें अन्य अर्धसैनिक बलों के लिए भी खरीदा गया। इजराइल वेपन्स इंडस्ट्रीज ने पुंज लॉयड रक्षा सिस्टम को इनके निर्माण का लाइसेंस दिया। भारतीय सेना के विशेष बल, नौसेना के मार्कोस, वायुसेना के गरुड़ कमांडो और सीमा सुरक्षा बल इन राइफलों का इस्तेमाल करते हैं। ये छोटी, बुलपअप डिजाइन वाली राइफलें नजदीकी लड़ाई के लिए बेहतर हैं। इन असॉल्ट राइफलों को पहले आयात किया जाता था, जो एक पूर्व इजराइली सरकारी कंपनी थी, जिसे 2005 में निजीकरण के बाद स्वामित्व में लिया गया था। बाद में, आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत इन्हें भारत में उत्पादित किया गया और हाल ही में एयरो इंडिया 2021 में प्रदर्शित किया गया, जहां इन हथियारों पर मेड इन इंडिया का टैग लगा था।

ऑपरेशन सिंदूर में इजराइली हथियारों का इस्तेमाल भारत और इजराइल के बीच मजबूत रक्षा सहयोग का प्रतीक है। बराक-8, हारोप, हेरॉन एमके-2, स्काई स्ट्राइकर, स्पाइस-2000 और टैवोर एक्स-95 जैसे हथियारों ने भारत की सैन्य ताकत को बढ़ाया। यह दोस्ती न सिर्फ रक्षा क्षेत्र में, बल्कि तकनीक और रणनीति के आदान-प्रदान में भी गहरी होती जा रही है, जो दोनों देशों को और मजबूत बनाएगी।

अपरा एकादशी पर भगवान विष्णु को राशि अनुसार चढ़ाएं ये चीजें, दूर होगी घर की दरिद्रता

अपरा एकादशी का व्रत बेहद खास माना गया है। यह विष्णु भगवान को समर्पित है, जो लोग इस व्रत को रखते हैं, उन्हें अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। एकादशी माह में दो बार शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में आती है। पंचांग के अनुसार, इस साल यह एकादशी 23 मई, 2025 को मनाई जा रही है। माना जाता है कि जो लोग इस दिन भक्तिपूर्ण पूजा करते हैं और नारायण को उनकी प्रिय वस्तुएं अर्पित करते हैं, उन्हें धन-वैभव और अपार यश की प्राप्ति होती है।

अपरा एकादशी पर चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि : मेष राशि के लोगों को अपरा एकादशी पर विष्णु भगवान को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर श्री हरि को दही-मिश्री अर्पित करना चाहिए।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर विष्णु जी को तुलसी पत्र अर्पित करने चाहिए।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को अपरा एकादशी पर नारायण को धनिया की पंजीरी का भोग लगाना चाहिए।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों को इस तिथि पर श्री हरि को लाल चंदन चढ़ाना चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर भगवान विष्णु को मोर का पंख चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को इस तिथि पर श्री हरि को दही-चीनी अर्पित करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर नारायण को लाल चंदन चढ़ाना चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि के लोगों को इस दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करने चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर नारायण को शमी के फूल चढ़ाने चाहिए।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को इस दिन पर भगवान विष्णु को शमी के पत्ते चढ़ाने चाहिए।

मीन राशि : मीन राशि वालों को इस तिथि पर भगवान विष्णु को हल्दी का तिलक लगाना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण ने क्यों मांगा था बर्बरीक से शीश का दान, मिला ये वरदान

बर्बरीक घटोत्कच के पुत्र और भीमसेन के पोते हैं, जिन्हें आज हम खाटू श्याम जी के नाम से जानते हैं। इनका जिक्र महाभारत ग्रंथ में भी मिलता है। खाटू श्याम जी को हारे का सहारा, तीन बाण धारी और शीश का दानी भी कहा जाता है। आज हम आपको बर्बरीक से जुड़ी एक कथा के बारे में ही बताने जा रहे हैं, जिसके अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें यह खास वरदान दिया था।

मां को दिया था ये वचन

महाभारत युद्ध के दौरान बर्बरीक ने अपनी माता से युद्ध में शामिल होने की इच्छा जताई। तब उनकी माता ने सोचा कि कौरवों के पास पांडवों के मुकाबले अधिक सेना और योद्धा हैं। तब उन्होंने अपने पुत्र को यह कहते हुए युद्ध में जाने की अनुमति दी कि वह युद्ध भूमि में हारे का सहारा बने। तब बर्बरीक ने अपनी माता को वचन दिया था कि वह हारे हुए का साथ देंगे।

भगवान श्रीकृष्ण ने एक ब्राह्मण भेष धारण किया और बर्बरीक के पास गए। उन्होंने बर्बरीक को रोककर कहा कि तुम केवल तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आए हो। इसपर बर्बरीक ने जवाब दिया कि मेरा एक बाण भी शत्रु सेना को परास्त करने के लिए काफी है। शत्रुओं का संहार करने के बाद मेरा बाण वापस तूणीर में ही आ जाएगा। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें चुनौती देते हुए एक पीपल के पेड़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि तुम अपने बाण से इस वृक्ष के सभी पत्तों को भेदकर दिखाओ। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार करते हुए एक बाण निकाला और पेड़ के पत्तों की ओर चलाया। बाण ने पलभर में ही पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया।

इसलिए मांगा शीश का दान

लेकिन इस दौरान भगवान ने एक पत्ता अपने पैर के नीचे छुपा लिया था, इसलिए बाण उनके पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। तब बर्बरीक ने कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिए। तब कृष्ण जी ने उससे पूछा कि तुम युद्ध में किसका साथ दोगे। इसपर बर्बरीक ने अपनी मां को दिए हुए वचन को दोहराया और कहा कि मैं हारे का सहारा बनूंगा। उस समय युद्ध भूमि में स्थिति बिल्कुल उलट थी, पांडव, कौरवों की सेना पर भारी पड़ रहे थे। तब भगवान श्रीकृष्ण को लगा कि कौरवों को हारते हुए देखकर बर्बरीक कहीं उनका साथ न दे दे। तब भगवान श्रीकृष्ण ने दक्षिणा के रूप में बर्बरीक जी से उनके शीश का दान मांगा, ताकि वह युद्ध में भाग न ले सकें।

भगवान कृष्ण ने दिया ये आशीर्वाद

बर्बरीक ने बिना किसी संकोच के अपना सिर श्रीकृष्ण के चरणों में अर्पित कर दिया। बर्बरीक जी से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें आशीष दिया कि कलियुग में उन्हें पूजनीय स्थान और प्रसिद्धि मिलेगी। साथ ही यह भी कहा कि तुम्हें मेरे नाम से पूजा जाएगा। इसलिए आज बर्बरीक जी खाटू श्याम के रूप में जाने जाते हैं।

किस मूलांक पर बरसती है केतु की कृपा? अचानक मिलता है किस्मत चमकाने का मौका

हर मूलांक का संबंध एक खास ग्रह से होता है, जिसका जातक के व्यक्तित्व और करियर पर भी जरूरी रूप से प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस मूलांक का संबंध केतु से होता है और जातक पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।

किस मूलांक को मिलती है कृपा

जिन लोगों का जन्म किसी महीने की 7, 16 या 25 तारीख को होता है, उनका मूलांक 7 होता है। इन मूलांक के स्वामी ग्रह केतु हैं। केतु को एक रहस्यमयी और आध्यात्मिक ग्रह माना जाता है। ऐसे में इसका प्रभाव मूलांक 7 के जातकों पर भी पड़ता है। इस जातकों को जीवन में किस्मत चमकाने का अचानक से कोई बड़ा मौका मिलता है।

कैसा होता है स्वभाव

मूलांक 7 के लोग स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं। साथ ही यह लोग रहस्यमयी होने के साथ-साथ असामान्य व्यक्तित्व के मालिक भी होते हैं। इनकी एक खासियत यह होती है कि यह कभी भी शांत नहीं बैठते और हमेशा कुछ-न-कुछ सोचने में लगे रहते हैं। साथ ही इन्हें यात्रा करने का भी काफी शौक होता है। यह किसी से डरते नहीं है और खुलकर अपनी बातों को सामने रखते हैं। मूलांक 7 के जातकों की आर्थिक स्थिति को सामान्य कहा जा सकता है। क्योंकि राहु को एक आध्यात्मिक ग्रह माना गया है, ऐसे में इस मूलां के लोग दान-पुण्य में अधिक खर्च करते हैं। अगर इसने वैवाहिक जीवन की बात की जाए, तो वह खुशहाल बीतता है। इनके दोस्त कम ही बनते हैं, लेकिन जिससे भी यह लोग दोस्ती करते हैं, उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाते हैं। ये लोग अपनी महेतन के दम पर जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं।

वास्तु के अनुसार घर में कौन-से पौधे लगाएं कौन-से नहीं?

पेड़-पौधे लगाना केवल घर की सजा-सज्जा को ही बढ़ावा नहीं देता, बल्कि यह घर में पॉजिटिविटी भी बढ़ाता है। लेकिन आपको इसके फायदे तभी मिल सकते हैं, जब आप वास्तु नियमों का ध्यान रखें। जहां वास्तु के अनुसार, कुछ पौधे शुभ माने जाते हैं, तो वहीं कुछ पौधे अशुभ भी होते हैं।

जरूर लगाएं ये पौधा

तुलसी का पौधा लगभग हर हिंदू परिवार में पाया जाता है। केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि वास्तु की दृष्टि से भी इस पौधे का काफी महत्व है। वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार तुलसी का पौधा हमेशा घर की पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसे भूलकर भी घर की दक्षिण दिशा में न लगाएं, वरना इससे आपको नकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं।

ये पौधा भी है शुभ

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट का पौधा भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पौधा धन, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इसे वास्तु के अनुसार आग्नेय कोण यानी घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को आर्थिक लाभ मिल सकता है।

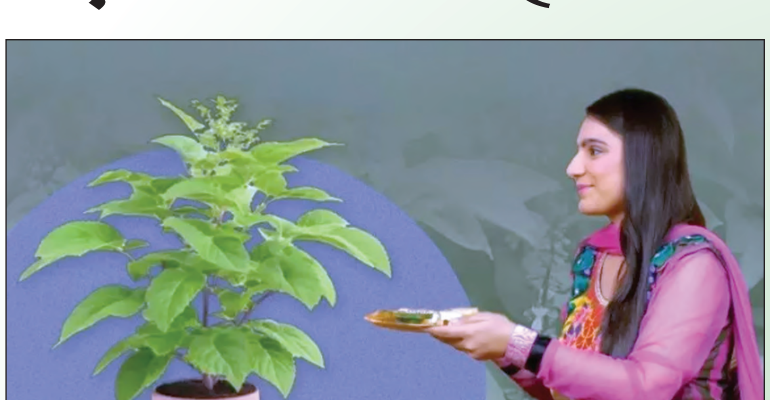

समस्याओं से मिलेगी मुक्ति

वास्तु की दृष्टि से स्नेक प्लांट का पौधा भी काफी शुभ माना जाता है। यह पौधा घर की हवा को शुद्ध कनरे का भी काम करता है और नकारात्मकता को दूर रखता है। इस पौधे को रखने के लिए घर का दक्षिण, पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा को सही माना गया है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याओं दूर हो सकती हैं।

भूल से भी न लगाएं ये पौधे

वास्तु शास्त्र में कांटेदार पौधों को घर के अंदर लगाना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इस तरह के पौधे को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। इसी के साथ वास्तु शास्त्र में ऐसे पौधे भी घर में लगाना शुभ नहीं माना गया, जिनमें से दूध जैसा पदार्थ निकलता हो। इससे भी परिवार में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं ये पौधे, माहौल रहता है खुशनुमा

कई पेड़-पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि यह वातावरण को भी शुद्ध करने का काम करते हैं। वास्तु शास्त्र में कई ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र किया गया है जिन्हें घर में रखने से पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित होती है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

तुलसी का पौधा

हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाली तुलसी को कई मायनों में खास माना गया है। ऐसे में यदि आप वास्तु के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा रखते हैं, तो इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। वास्तु शास्त्र में तुलसी को रखने के लिए उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा को बेहतर माना गया है। ऐसा करने से नेगेटिव एनर्जी घर से दूर बनी रहती है।

मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट के पौधे का भी खास महत्व माना गया है। इस पौधे को धन-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में यदि आप घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर का माहौल भी अच्छा बना रहता है। आप चाहें तो इस पौधे को मुख्य द्वार के पास भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता।

शमी का पौधा

हिंदू धर्म में शमी के पौधे को शनिदेव से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी इस पौधे को अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसे में यदि आप इस पौधे को घर मे लगाना चाहते हैं, तो इससे लिए दक्षिण दिशा बेहद ही शुभ मानी गई है। ऐसा करने से आपको शनि की दशा में भी राहत मिल सकती है।

बांस का पौधा

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि बांस के पौधा भी सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जिससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। वास्तु के अनुसार, इस पौधों को घर की उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

घर में ये स्नेक प्लांट लगाने से मिलते है ये फायदे, बनी रहेगी सकारात्मकता,रोजगार में भी होगी तरक्की

वास्तु के अनुसार घर में पौधा लगाने से वातावरण साफ और पॉजिटिव माना जाता है, इसलिए कई प्रकार के पेड़-पौधों को घर में अंदर और बाहर लगाया जाता है। वैसे तो सभी पेड़-पौधे कुछ ना कुछ फायदे देते हैं, लेकिन स्नेक प्लांट अलग लाभकारी माना जाता है। स्नेक प्लांट घर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। इसको लगाने से घर के सभी सदस्यों के मन में शांति आती है, इसलिए इसे घर के अंदर और बाहर रखा जाता है। इसके अलावा स्नेक प्लांट को घर की तिजोरी के पास रखने से तंगी से छुटकारा मिलता है और एयर प्यूरीफायर करता है। यदि आपके घर में लक्ष्मी का अभाव है और कर्ज में डूबा है, तो अपने घर या ऑफिस के डेस्क पर इसे लगा सकते हैं, क्योंकि आने वाले हर कार्य को पॉजिटिव करता है। वैसे तो टेंशन और नकारात्मक इंसान की दोस्त बन रही है, इसलिए सकारात्मक माहौल रखने के लिए इसे रखें।

स्नेक प्लांट के बैनेफिट

स्नेक प्लांट को घर के बाहर या बगीचा दोनों में रख सकते हैं। इसकी खूबसूरती घर को यूनिक माहौल में ढाल देती है। जॉब करते हैं, तो आपके ऑफिस के डेस्क पर इसे लगाएं या फिर घर पर वर्क फॉर होम का काम करते हैं और करियर में तरक्की चाहते हैं, तो यह कारगर रहेगा। आस-पास का वातावरण शुद्ध करेगा और घर का पॉल्युशन हटा देगा।

उगाओ स्नेक पौधा का यह खूबसूरत डिजाइन सेल्फ वॉटरिंग के साथ बनाया गया है, जिसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है। इनडोर और आउटडोर के लिए उत्तम है।

घर में कलेश रहता है या आए दिन दुखी संदेश मिलता है, तो स्नेक प्लांट को घर लगा सकते हैं। इसे आप किचन में, खिड़की के पास, अपनी डाइनिंग टेबल पर, काम करने वाले डेस्क पर रख सकते हैं, जिससे ये वातावरण को पॉजिटिव रख सके। ये स्नेक प्लांट बैनेफिट में एयर प्यूरीफायर भी एक लाभ है। घर का माहौल प्रदूषित है, हवा जहरीली है, तो इसे लगाए, क्योंकि यह एयर को क्लीन करता है। इसका आकार दिखने में जितना शक्तिशाली है, काम भी उतना प्रभावशाली है।

स्नेक के पौधे विषैले वायु प्रदूषकों को हटाने में मदद करने की अपनी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं। छोटे योगदानों में, साँप के पौधे कैंसर पैदा करने वाले प्रदूषकों को अवशोषित कर सकते हैं, जिनमें शामिल हैं, सीओ2 बेंजीन फॉर्मेल्डिहाइड जाइलीन ट्राइक्लोरोएथिलीन टोल्यूनि हानिकारक विषाक्त पदार्थों को अवशोषित करने और निकालने की क्षमता रखते हैं।

यह घर के पौधे कहीं भी रख सकते हैं। जहां रख दो, वहां दिखने में काफी सुंदर लगते हैं। हरियाली होने के साथ होने वाले सभी काम भी शुद्ध कर देते है। ऑर्गेनिक होने के साथ ज्यादा देखभाल की जरुरत नहीं होती है। अगर आपके घर में नमी रहती है, या फिर आप ज्यादा देखभाल वाले पौधे नहीं लेना चाहते हैं, तो भी स्नेक प्लांट को घर ला सकते हैं, क्योंकि यह नमी को सोख लेता है और बार-बार पानी देने की दिक्कत नहीं करता है।बालकनी या गार्डन की साज-सज्जा के लिए भी स्नेक प्लांट बैनेफिट माने जाते है। यह प्लांट एक पोट के साथ आता है। अगर आपको बड़ा पोट चाहिए, तो भी आपको आसानी से स्टाइलिश डिजाइन के पोट भी यहां मिल सकते हैं। टेंशन भरी लाइफ को भगाने के लिए स्नेक प्लांट बढ़िया माना जाता है। स्ट्रेस को दूर रखता है, घर का माहौल पॉजिटिव रखता है, दिखने में खूबसूरत लगता है और मानसिक बीमारी को दूर करता है।

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक कई फिल्मों में रामी रेड्डी ने दिखाई अपनी खलनायिकी

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय का रास्ता चुना

बड़े पर्दे पर कई अभिनेता आए और गए, किसी ने बतौर हीरो बनकर पहचान हासिल की तो किसी ने खलनायक बनकर। 90 के दशक में ऐसे कई कलकार थे जो खलनायक बनकर मशहूर हुए। एक खलनायक को देखने भर से ही दर्शक थर-थर कांपने लगते थे। खूनी खेल खेलने वाला ये खलनायक कोई और नहीं बल्कि रामी रेड्डी थे।

रामी रेड्डी ने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक कई फिल्में कीं और उनमें अपनी खलनायिकी दिखाई। कभी वह कर्नल चिकारा बने तो कभी अन्ना बनकर दहशत फैलाई। मगर क्या आपको पता है कि सिनेमा में दहशत का दूसरा नाम कहे जाने वाले रामी रेड्डी कभी जर्नलिस्ट हुआ करते थे। जर्नलिज्म छोड़ उन्होंने अभिनय का रास्ता कैसे और क्यों चुना? चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

जर्नलिस्ट थे रामी रेड्डी

1 जनवरी 1959 चित्तूर जिले में जन्मे गंगासानी रामी रेड्डी ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह अभिनय की दुनिया में आएंगे। उनका ख्वाब तो जर्नलिस्ट बनना था और वह इस राह पर भी चले। शुरुआती पढ़ाई करने के बाद रामी ने हैदराबादा के उस्मानिया यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म की पढ़ाई की और डिग्री पूरी होते ही एक अखबार में काम करने लगे।

एक इंटरव्यू में बदली किस्मत

किस्मत का खेल ही था, जर्नलिस्ट बनने के बाद भी उनका ग्लैमर वर्ल्ड से कनेक्शन होता गया। वह फिल्मी सितारों के इंटरव्यूज लिया करते थे। ऐसे ही एक इंटरव्यू ने उनकी किस्मत बदल दी। एक बार उन्होंने साउथ के मशहूर डायरेक्टर कोडी रामाकृष्ण का इंटरव्यू लिया था। डायरेक्टर उनसे इस कदर इंप्रेस हुए थे कि तुरंत उन्हें अपनी फिल्म का ऑफर दे दिया।

रामी रेड्डी का पहला डेब्यू रहा शानदार

रामी रेड्डी ने कभी अभिनय के बारे में सोचा नहीं था, लेकिन जब ऑफर आया तो उन्होंने ठुकराने की बजाय उसे स्वीकार किया और वह चमक गए। उनकी पहली फिल्म थी अनुकुसम (1989) जिसमें उन्होंने स्पॉट नाना (खलनायक) का किरदार निभाया था। इसी फिल्म के बाद रामी रेड्डी का अभिनय की दुनिया में सफर शुरू हुआ।

बॉलीवुड में फैलाई दहशत

तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों से मशहूर होने के बाद रामी रेड्डी को बॉलीवुड से भी ऑफर मिले। जब अनुकुसम का हिंदी रीमेक प्रतिबंध बना तो इसमें भी रामी रेड्डी ने काम किया और वह हिंदी सिनेमा में छा गए। उन्हें असली पहचान अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वक्त हमारा है' में कर्नल चिकारा की भूमिका से मिली थी। इसमें उनका डायलॉग 'तबाही की आंधी और बर्बादी के तूफान का नाम है चिकारा' खूब पॉपुलर हुआ था। इसके बाद उन्होंने तमाम हिंदी फिल्मों में खलनायिकी दिखाई। अंगरक्षक, आंदोलन,हकीकत, अंगारा, कालिया,लोहा, हत्या, गुंडा, दिलवाले, शेरा, जानवर, गंगा की कसम रामी रेड्डी ने फिल्म इंडस्ट्री में करीब दो दशक तक काम किया है। हालांकि, मात्र 52 साल की उम्र में 14 अप्रैल 2011 को उनका लिवर और किडनी संबंधित बीमारी से निधन हो गया था। आज वह भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए वह हमेशा अपने फैंस के दिलों में जिंदा रहेंगे।

फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने के लिए तैयार अजय देवगन के बेटे युग देवगन

14 साल की उम्र में पिता संग फिल्म कराटे किड लेजेंड्स में मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार किड्स अपने माता या पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नाम कमा रहे हैं। बीते कुछ समय में शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान जैसे सितारों ने फिल्मों में डेब्यू किया। अब बारी है अजय देवगन के लाडले युग देवगन की।

जी हां, अजय देवगन के बेटे युग देवगन भी अब फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने के लिए एकदम तैयार है, वो भी अपने पिता के साथ। उनकी फिल्म की पहली झलक और रिलीज डेट भी सामने आ गई है जिसे देख फैंस भी गदगद हो गए हैं।

दरअसल, अजय देवगन के बेटे युग देवगन जैकी चैन की हॉलीवुड फिल्म कराटे किड लेजेंड्स की फिल्म की आवाज बनने वाले हैं। वह इस मच अवेटेड फिल्म में बेन वान्ग का हिंदी डब में अपनी आवाज देंगे। इस फिल्म का अजय देवगन भी हिस्सा है। वह हिंदी वर्जन में जैकी चेन की आवाज बनेंगे।

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी शेयर की है। फोटो में अजय देवगन और युग देवगन साथ में नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, मास्टर के पास एक नई आवाज है। तो क्या स्टूडेंट के पास है। अजय देवगन और युग देवगन जैकी चैन और बेन वांग की एपिक जर्नी को कराटे किड लेजेंड्स (हिंदी) में जीवन में लाने के लिए तैयार हैं।

मेकर्स ने हिंट दिया है कि जल्द ही कराटे किड लेजेंड्स का हिंदी ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 30 मई को रिलीज होगी। मालूम हो कि अजय देवगन के बेटे की तरह मुफासा द लायन किंग से शाह रुख खान के बेटे अबराम खान ने भी अपनी आवाज दी थी। इस फिल्म में शाह रुख ने भी आवाज दी थी।

उर्फी जावेद का टूटा सपना! अब नहीं जा पाएंगी कान्स फिल्म फेस्टिवल

उर्फी जावेद अपने अतरंगी स्टाइल के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इस बार वह अपने पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया।उर्फी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, मैं पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया से दूर थी। कुछ भी अपलोड नहीं कर रही थी। कहीं पर भी स्पॉट नहीं हो रही थी क्योंकि मैं मुश्किल दौर से गुजर रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चल रहा। मैंने काफी अलग-अलग चीजें भी कोशिश की, लेकिन हर बार ही मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। मुझे इंडे वाइड के जरिए कान्स जाने का मौका भी मिला था, लेकिन जैसी मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ मजेदार आउटफिट आइडिया पर काम कर रही थी (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद), लेकिन वीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई हैं।उन्होंने आगे लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से बहुत से लोग खुद रिजेक्शन से गुजरे होंगे और मुझे आपकी कहानियां जानना अच्छा लगेगा। आइए एक-दूसरे का समर्थन करें क्योंकि रिजेक्शन दुनिया का अंत नहीं है। यह आपको और कड़ी मेहनत करने के लिए मोटिवेट करता है। रिजेक्शन के बाद, निराश महसूस करना और उस पर रोना साधारण है। यहां तक कि मैं भी रोती हूं, लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो हर रिजेक्शन एक मौका है। जिंदगी में बहुत सारे रिजेक्शन के बाद। मैं रुकने वाली नहीं हूं और इसलिए आपको भी नहीं रुकना चाहिए।

बता दें कि कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हर बार की तरह इस साल भी ऐश्वर्या राय बच्चन रेड कारपेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरेंगी। इसके अलावा जाह्नवी कपूर, ईशान खट्टर और करण जौहर भी आने वाले हैं। क्योंकि कान्स में उनकी फिल्म होम बाउंड की स्क्रीनिंग होने वाली है। इसके अलावा शर्मिला टैगोर सत्यजीत रे की फिल्म अरान्येर दिन रात्रि की स्क्रीनिंग के लिए शामिल होंगी।

कई प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट मेरे लिए एक ट्रिगर बन गया था

फिल्म बॉर्डर 2 की निर्माता ने टीटीसी पर की खुलकर बात

मशहूर फिल्ममेकर जेपी दत्ता की बेटी और प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने हाल ही में मां बनने की कोशिश के अपने भावुक और चुनौतीपूर्ण सफर को साझा किया है। उन्होंने बताया कि बहुत सी महिलाएं मां बनने की कोशिश के दौरान शारीरिक और मानसिक रूप से तकलीफें झेलती हैं, लेकिन अक्सर समाज में इन बातों पर खुलकर चर्चा नहीं होती। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि अगर उन्हें भी इस तरह की समस्याएं हैं, तो वे हार न मानें और मां बनने की उम्मीद न छोड़ें। निधि दत्ता ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपना प्रेग्नेंसी फोटोशूट शेयर किया, जिसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन के जरिए निधि ने अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां बनने की राह उनके लिए आसान नहीं रही। उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह तस्वीर अगर भारत के अलावा किसी और देश में पोस्ट की गई होती, तो इसे इंस्टाग्राम पर संवेदनशील कंटेंट के रूप में टैग किया जाता, क्योंकि यह उन लोगों के लिए मानसिक रूप से प्रभावित करने वाली है, जो टीटीसी से गुजर रहे हैं... ठीक वैसे ही जैसे कई प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट मेरे लिए एक ट्रिगर बन गया था। टीटीसी... एक शब्द जिसे मैं पहले जानती भी नहीं थी, लेकिन फिर यह मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गया। टीटीसी यानी ट्राई टू कंसीव। यह एक प्रक्रिया है, जिसमें एक कपल पेरेंट्स बनने की कोशिश करता है। उन्होंने लिखा कि यह सफर आंसू, डर, दर्द और लंबे इंतजार से होकर गुजरा है। उन्होंने लिखा, पूरा समय मैं आंसुओं के बीच मुस्कान ढूंढने की कोशिश करती रही... डर के बीच विश्वास खोजने की... और दर्द के बीच ताकत इकट्ठा करने की कोशिश करती। एक महिला जो मां बनने की कोशिश कर रही होती है, उसके पास दुनिया का सबसे अच्छा जीवनसाथी हो सकता है, परिवार और दोस्तों का मजबूत साथ भी हो सकता है, लेकिन फिर भी वह खुद को इस सफर में बिल्कुल अकेला महसूस करती है। निधि ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं जानती हूं कि ज्यादातर महिलाएं अपनी बातें तब शेयर करती हैं जब उनका बच्चा पैदा हो जाता है, खास तौर पर इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट के बारे में। लेकिन सच्चाई यह है कि हम यह नहीं जानना चाहते कि इस प्रक्रिया में क्या-क्या होता है! हमारे पास इसके लिए डॉक्टर हैं... और भारत में बहुत अच्छे डॉक्टर हैं। जो हमें चाहिए, वो यह है कि महिलाएं जब इस सफर से गुजर रही हों, उसी समय अपने अनुभवों को खुलकर साझा करें। प्रोड्यूसर ने कहा, मैं नहीं चाहती थी कि मैं बच्चा आने के बाद ही अपना सफर साझा करूं। मैं चाहती हूं कि हर वो महिला जो ये पढ़ रही है, यह जाने कि मेरा सफर अभी, जो पूरा नहीं हुआ है... लेकिन फिर भी मैं यहां हूं, आपसे कह रही हूं, उम्मीद रखो... मुझे देखो और ताकत हासिल करो! हार मत मानो! यही चमत्कार तक पहुंचने का एक रास्ता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निका–लकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा।अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावस–ायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 मई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 05:16 तक
नक्षत्र : मूल सायं 04:08 तक
योग : सिद्ध प्रात: 07:13 तक
करण : बव सायं 04:44 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 10:01, गण्डमूल सायं 04:08 तक

✼ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✼

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भारतीय सेना के अदम्य साहस से देश गौरवान्वित : भजनलाल

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के शौर्य सम्मान में गुरुवार को अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस गौरवमयी यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आंतकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है।

शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रदेशवासियों की ओर से देश के वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में चिन्हित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना पर देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है। वीर सशस्त्र बलों ने संयम और पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

शर्मा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को जवाबी कार्यवाही के लिए पूरी छूट दी और भारतीय सेना ने भी साहस दिखाते हुए आंतकी अड्डों को समाप्त कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्भीक और निर्णायक निर्णयों तथा सेना के शौर्य के कारण देश को आंतकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों की अदम्य वीरता के कारण मिली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में भी हर गांव, शहर और हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों को सम्मान दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले पराक्रमी सैनिकों को नमन कर श्रद्धा–सुमन अर्पित किए।

पूर्व उपराष्ट्रपति का राजस्थान के विकास में अहम योगदान : भजनलाल

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार सुबह विद्याधर नगर स्थित पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. श्री भैरोंसिंह शेखावत के स्मृति स्थल पहुंचे। उन्होंने शेखावत स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति का राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के विकास में अहम योगदान रहा। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के मूल्यों के अनुरूप कार्य किए। स्व. शेखावत जी ने गरीब, किसान और पिछड़ा वर्ग के लिए अंत्योदय जैसी महती योजना राजस्थान में लागू की, जो कि बाद में पूरे देश में लागू की गई। शर्मा ने कहा कि स्व. शेखावत का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि उनकी पुण्यतिथि पर हमें सशक्त और समृद्ध राजस्थान बनाने का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए।

विस्फोटकों की साजिश या आतंकी कड़ी?

जोधपुर में 3500 किलो से ज्यादा विस्फोटक बरामद

जोधपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान इन दिनों विस्फोटक बरामदगी की घटनाओं से थर्राया हुआ है। जयपुर के बस्सी इलाके में 2000 किलो से अधिक विस्फोटक मिलने के महज तीन दिन बाद अब ब्लू सिटी जोधपुर से और भी बड़ी खबर आई है। जोधपुर पुलिस ने एक गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर करीब 3,500 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी यासीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे पूछताछ जारी है।

यह बरामदगी महज एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि एक बड़ी साजिश की आहट मानी जा रही है। ऐसे समय में जब भारत–पाकिस्तान के बीच सैन्य और कूटनीतिक तनाव चरम पर है, इस तरह के घटनाक्रम राज्य और देश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जोधपुर के उदयमंदिर थाना क्षेत्र में पुलिस को बीती रात एक गुप्त सूचना मिली कि इलाके के एक गोदाम में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जमा की गई है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोदाम की तलाशी ली गई। छापे के दौरान जो सामने आया, वह किसी को भी चौंका देने के लिए काफी था। बरामद विस्फोटक सामग्री में शामिल थे, जिनमें 70 बोरे अमोनियम नाइट्रेट, करीब 760 किलो पटाखे, अन्य विस्फोटक रसायन और सामग्रियां थीं। घटना के बाद प्रदेश की राजनीति भी गर्म हो गई है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल से सवाल पूछना शुरू कर दिया है कि आखिर इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक शहरों के बीच कैसे पहुंच रहे हैं? क्या खुफिया तंत्र पूरी तरह फेल हो चुका है? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरते हुए कहा, पुलिस की तत्परता से बड़ी घटना टल गई, लेकिन यह घटना दर्शाती है कि राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो चुकी है।

झोटवाड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने दिलाई डिजिटल एक्स–रे सुविधा

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के प्रयासों से झोटवाड़ा क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। इसी क्रम में वार्ड संख्या 49 स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सिरसी में अब रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति कर दी गई है। इसके साथ ही वहां डिजिटल एक्स–रे मशीन भी स्थापित कर दी गई है, जिससे अब क्षेत्रवासियों को अत्याधुनिक जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी।

कर्नल राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सुविधा झोटवाड़ा के नागरिकों को सुलभ, सटीक और त्वरित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब मरीजों को एक्स–रे या जांच के लिए अन्य अस्पतालों में भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल एक्स–रे के माध्यम से रिपोर्ट जल्दी मिलेगी, जिससे सही समय पर इलाज शुरू किया जा सकेगा।सीएचसी सिरसी में इस सुविधा के शुरू होने पर स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार जताया और कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है। लोग यह महसूस कर रहे हैं कि सरकार की योजनाएं वास्तव में जमीन पर उतर रही हैं और उनका सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है।

दुग्ध उत्पादन में राजस्थान बनेगा प्रथम राज्य

गीर गाय की नस्ल सुधार में पशुपालन विभाग के अभिनव प्रयास

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। वह दिन दूर नहीं जब दुग्ध उत्पादन में उत्तरप्रदेश को पछाड़ कर राजस्थान पहले पायदान पर आ जाएगा। इसके लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत राजस्थान के पशुपालन विभाग द्वारा प्रदेश के 23 जिलों में ब्राजील से आयातित उच्च आनुवांशिक गुणवत्ता वाले गिर नस्ल के सांडों के पारम्परिक हिमकृत वीर्य डोजेज का वितरण किया जा रहा है।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में पशुपालकों के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी के तहत गिर नस्ल की गायों के नस्ल सुधार पर तेजी से कार्य हो रहा है। जिसके तहत राज्य को ब्राजील के गिर गोवंश के सांडों का हिमकृत सीमन पहली बार प्राप्त हुआ है। इस सीमन का उपयोग राज्य की प्रजनन नीति के अनुसार गिर गोवंश के बाहुल्य वाले क्षेत्रों में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाली शुद्ध गिर गोवंश की मादाओं में कृत्रिम गर्भाधान के लिए किया जाएगा। इस सीमन के उपयोग से कृत्रिम गर्भाधान करने पर राज्य में उच्च आनुवांशिक गुणवत्ता वाले बछड़े और बछड़ियां पैदा होंगे। साथ ही दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि अभी हमारी गिर गायों के दुध का उत्पादन औसतन प्रतिदिन 15 से 20 लीटर है जबकि इस सीमन से उत्पादन बढ़कर 50 लीटर तक हो जाएगा। यह आयातित सीमन पशुपालकों को केवल 100 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है।

ऑप्रेशन सिंदूर भारत की सुरक्षा और गौरव का प्रतीक : बड़ौली

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। ''ऑप्रेशन सिंदूर'' की सफलता और भारतीय सेनाओं के शौर्य के सम्मान में गुरुवार को सोनीपत लोकसभा में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने जय हिंद, भारत माता की जय और प्रधानमंत्री मोदी जिंदाबाद के खूब नारे लगाए। यह तिरंगा यात्रा सोनीपत में सुभाष चौक से शुरू हुई जो गीता भवन चौक होते हुए अंबेडकर पार्क पहुंची। तिरंगा यात्रा में मंत्री, विधायक, भाजपा और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं, गणमान्य लोगों समेत पूर्व सैनिकों ने भाग लिया।

तिरंगा यात्रा के दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने भारत की सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और भारतीय सेना के पराक्रम ने 'ऑप्रेशन सिंदूर' के तहत आतंकवादियों के हौसलों को पस्त किया है और विश्वस्तर पर भारत के गौरव को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का यह नया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सशक्त और मजबूत हुआ है। अब भारत किसी भी आतंकवादी हमले की निंदा नहीं करता, आतंकियों को सबक सिखाने की ताकत रखता है। आप्रेशन सिंदूर मोदी सरकार की मजबूत नीति और सेना के शौर्य का प्रतीक है।

जेजेपी को बड़ी मजबूती, फतेहाबाद में अनेक कांग्रेसी जेजेपी में आए

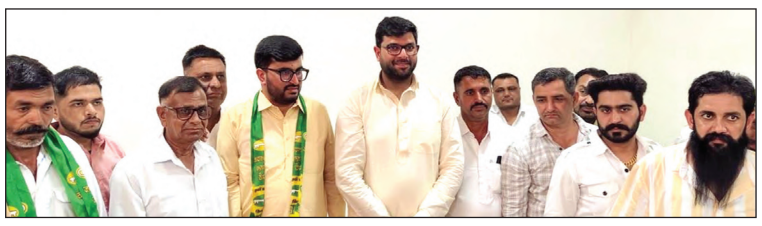

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। वीरवार को फतेहाबाद जिले में जननायक जनता पार्टी को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब अनेक नेता एवं कार्यकर्ता अपने समर्थकों सहित कांग्रेस छोड़कर जेजेपी में शामिल हुए। जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने सभी का जेजेपी में स्वागत किया और कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई पुराने साथी तथा नए लोग हरियाणा के हित में चौधरी देवीलाल की विचारधारा को मजबूती देने के लिए निरंतर जेजेपी के साथ जुड़ रहे है। दिग्विजय ने कहा कि जेजेपी गांवों–शहरों में मजबूत संगठन खड़ा कर रही है और पार्टी आमजन से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठा रही है। जेजेपी में शामिल होने वाले में मुख्य रूप से युवा नेता जतिन खिलेरी, यश तनेजा, विकी सिहाग, पवन, सचिन बेनीवाल, अजय ललौदा, सागर खिलेरी, नीटू पूनिया, महेंद्र खिलेरी, बलजीत खिलेरी, ओमप्रकाश गोदारा आदि है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद दिनेश कुमार शर्मा के नाम से बनाया जाएगा पार्क : सैनी

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। गत दिनों पाकिस्तानी सेना द्वारा पुंछ सीमा पर किए गए हमले में शहीद हुए जिला पलवल के उपमंडल होडल के लांस नायक शहीद दिनेश कुमार शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को गांव नगला मोहम्मदपुर पहुंचे। उन्होंने शहीद दिनेश कुमार शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शहीद को नमन किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार और पूरा क्षेत्र उनके परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने शहीद के परिजनों का ढांढ़स बंधाया और उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर सपूत शहीद दिनेश कुमार शर्मा ने सीमा पर पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का डटकर मुकाबला करते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया, जिस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय दिनेश कुमार शर्मा पुंछ सीमा पर लांस नायक के पद पर तैनात थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शहीद दिनेश कुमार शर्मा के परिजनों को सरकार की योजना के अनुसार आर्थिक मदद व सुविधाएं दी जाएंगी। शहीद दिनेश कुमार शर्मा के पिता दयाचंद ने गांव में ढाई बीघा जमीन पर पार्क बनाने की बात कही जिस पर मुख्यमंत्री ने शहीद के नाम पर पार्क बनवाने का आश्वासन दिया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव के सरपंच कुमार युगपुरूष के निवास स्थान पर पहुंचकर सरपंच के दादा स्वर्गीय पंडित शीशराम पाठक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और ढांढ़स बंधाया।

गांव से लौटते समय मार्ग पर महिलाओं को देखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला रुकवाया और ग्रामीण महिलाओं की मांगों को सुना। महिलाओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही तुरंत गांव की प्राथमिक पाठशाला को अपग्रेड करने की घोषणा की। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, विधायक हरेंद्र सिंह सहित गांव के अनेक गणमान्य लोग तथा अधिकारी मौजूद रहे।

जातीय जनगणना के सवाल पर बृजभूषण शरण बोले

बम फूटेगा और सारे सवर्ण देश से बाहर हो जाएंगे

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहे पूर्व सांसद व भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह जातीय जनगणना के सवाल पर भड़क उठे। सिंह ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि पूरा देश जातीय जनगणना चाहता है। यह मांग पहले बिहार और उतर प्रदेश से शुरू हुई। कुछ लोग इसे लेकर हाय तौबा मचा रहे हैं। इसे लेकर हौव्वा बनाया जा रहा है।

उन्होंने भड़कते हुए कहा कि हौव्वा बनाने वालों को लगता है कि जातीय जनगणना होने पर बम फूटेगा और सारे सवर्ण देश से बाहर हो जाएंगे। हमारे लिए अलग देश बनेगा, हम आसमान में चले जाएंगे। होने दीजिए जातीय जनगणना और फूटने दीजिए बम और देखते हैं, हमें कहां जाना पड़ता है। हमें राजपूत का नेता नहीं मानिए, इससे उन्हें दुःख होता है। वे सर्वसमाज की बात करते हैं और सर्व समाज के नेता हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और संघर्ष विराम के बाद किंतु-परंतु की राजनीति को लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला। सिंह ने गुरुवार को यहां प्रेसवार्ता में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के लिए गर्व की बात है। इसे लेकर सारे दलों के

नेताओं ने सरकार का साथ दिया था। इसे लेकर किसी तरह की किंतु-परंतु की राजनीति नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन संघर्ष विराम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रोज बयानबाजी को लेकर किंतु-परंतु की राजनीति की जा रही है। कुछ लोगों को लगता है कि संघर्ष विराम नहीं होना चाहिए। जो लोग मानते हैं कि विराम ही सभी समस्या का हल है। ऐसे लोगों को मैं कहना चाहता हूं कि 1971 में जब 62 हजार पाकिस्तानी सैनिक युद्ध बंदी बना लिए गए थे, तो उस वक्त युद्ध बंदियों को छोड़ने के मामले पर पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) लेने की शर्त क्यों नहीं लगाई। उस वक्त कह देते कि या तो पीओके दो तभी सैनिक मिलेंगे, लेकिन उस वक्त ऐसा क्यों नही कहा?

उन्होंने कहा कि सारी समस्या की जड़ कश्मीर है और यह समस्या आजादी के समय से है। आजादी के बाद जब हरि सिंह ने कश्मीर का भारत में विलय कर लिया था, उस वक्त हमारी सेना लाहौर के पास पहुंच गई थी तो उस वक्त संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) चले गए। बाद में कश्मीर में धारा-370 लागू कर दिया। 370 लागू होने के बाद लाखों आम नागरिक और सैनिक मारे गए, उस वक्त क्यों नहीं धारा-370 का विरोध नहीं किया।

भाजपा जनसंघ काल से इसका अकेले विरोध करती रही। हम कहते रहे, जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है। हमारी पार्टी ने धारा न केवल धारा-370 हटाने की लड़ाई लड़ी, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाया भी। उस वक्त भी कुछ नेताओं ने कहा कि धारा-370 हटने पर कश्मीर में खून की नदियां बहेगी पर ऐसा कुछ भी नही हुआ।

पहलगाम हमला हुआ तो हमारी सरकार ने सेना को कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी। परिणाम सामने आया पाकिस्तान में हमारी मिसाइले बरसी, आतंक के अड्डे तबाह हो गए। आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग मारे गए।

आतंकी मसूद अजहर फूट-फूट कर रोया। यह भी कह गया कि वह क्यो नही मारा गया। भारतीय सेना ने उनका पूरा डिफफेंस सिस्टम नष्ट कर दिया। अब वें शांति के रास्ते पर आना चाहते है, उन्हे आने दीजिए लेकिन यह भी जान लीजिए जो जैसा करेगा, वैसा ही भुगतेगा। वें शांति की राह पर नही आएंगे तो भारतीय सेना फिर अपना काम करेगी।

भाजपा नेता ने खुद पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के सवाल पर कहा कि यह घिसा पिटा सवाल है। इस पर पहले बोल चुके है। अब कुछ कहने की जरूरत नही है लेकिन पूरे देश की जनता को बताना चाहता हूं कि महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न, दलित उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न कानूनों का भारी दुरूपयोग हो रहा है। इससे पूरा देश परेशान है। इन कानूनों को संरक्षण के लिए गया गया था न कि दुरुपयोग के लिए। जनता भी इन कानूनों की सच्चाई जान रही है।

यह पूछे जाने पर कि एक सांसद के रूप में ये सवाल आपने संसद में क्यो नही उठाए, इस पर उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में इतना मौका नही मिल पाता जिससे ऐसे मामले उठाए जा सके लेकिन अन्य फोरम पर भी वें ऐसे मामले उठाते रहते है। प्रेसवार्ता में औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, भाजपा नेता अश्विनी कुमार सिंह एवं अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

400 लोगों के साथ फुले देख रहे राहुल गांधी

एंट्री नहीं मिलने पर कांग्रेसियों ने किया हंगामा

पटना (एजेंसियां)।

दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल में 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में अपना संबोधन देने के बाद कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी गुरुवार दोपहर पटना पहुंचे। यहां पर कांग्रेसियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी सिटी सेंटर मॉल पहुंचे। यहां 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ 'फुले' सिनेमा देख रहे हैं। कांग्रेस की ओर से दोपहर 2.20 बजे से 5.20 बजे तक के शो के लिए 400 टिकट खरीदे गए थे। इतना ही नहीं इस सिनेमा के लिए कांग्रेस की ओर से विशेष पास का वितरण किया गया है। इसमें राहुल गांधी और बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की तस्वीर लगी है। इधर, राहुल गांधी के आगमन को लेकर कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मॉल में थिएटर के पास पहुंच गए। कांग्रेस की ओर से पहले ही साफ किया गया था कि राहुल गांधी केवल सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ ही सिनेमा देखेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रवेश नहीं दिया गया। इससे नाराज होकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। हंगामा करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमारे पास विशेष पास होने के बावजूद हमलोगों को 'फुले' देखने से वंचित किया जा रहा है। थिएटर के अंदर जाने से रोका जा रहा है। ऐसा जान बूझकर किया जा रहा है। यह हमलोगों को अपमानित करने की साजिश है। राहुल गांधी के साथ सिनेमा देखने के अधिकार को छीना जा रहा है।

परीक्षा देने आए छात्र की बम धमाके के कारण गई जान

पटना (एजेंसियां)।

बीएन कॉलेज पटना में बीते मंगलवार को परीक्षा के दौरान हुए बम विस्फोट में घायल छात्र सुजीत कुमार पांडये की इलाज के दौरान मौत हो गई है। सुजीत की मौत के बाद आक्रोशित छात्रों ने अशोक राजपथ को जाम कर दिया और बमबाजी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। छात्रों का कहना है कि असामाजिक तत्व कॉलेज कैंपस में लगातार मारपीट और बमबाजी की घटना को अंजमा देते हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि एक छात्र की जान चली गई। वहीं अफसर बनने का सपना लेकर बीएन कॉलेज में पढ़ने आया था लेकिन असामाजिक तत्वों का शिकार बन गया। सरकार और कॉलेज प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द

आरोपियों की गिरफ्तारी करे।

बताया जा रहा है कि सुजीत रोहतास जिले के निवासी थे और उनका जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। बीते मंगलवार को पटना के बीएन कॉलेज में परीक्षा के दौरान छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। मारपीट के दौरान दोनों गुटों में बमबाजी हुई और इसी क्रम में फेंका गया। एक बम दीवार से टकरा कर सुजीत के सिर में लग गया था। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल छात्र को पटना के पीएमसीएच में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इसके बाद परिजन उसे जमुहार के नारायण मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती करा दिये, लेकिन गुरुवार को इलाज के दौरान ही सुजीत की मौत हो गई।

परिजनों का कहना है कि सुजीत दिनारा के भलुनी धाम के रहने वाले धर्मेंद्र पांडे का इकलौता पुत्र था। घटना के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। सुजीत के गांव में मातम पसरा है। मृतक सुजीत पांडे हिस्ट्री डिपार्टमेंट में चौथे सेमेस्टर का परीक्षा देने जा रहा था। इसी दौरान वह बमबाजी का शिकार हो गया। परिजन पुलिस से हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार 30 मई को बिहार आ रहे पीएम मोदी, बिहारवासियों को देंगे कई सौगात

पटना (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी 30 मई को पटना और रोहतास में रहेंगे। पीएम पहले पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद रोहतास के बिक्रमगंज जाएंगे। यहां पहले नवीनगर में 600 मेगावाट पावर प्रोजक्ट समेत कई विकास परियोजनाओं की सौगात बिहारवासियों को देंगे। इसके बाद पीएम जनसभा को भी संबोधित करेंगे। राजनीतिक पंडितों की मानें तो आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी का यह दौरा काफी अहम होगा। इससे पहले दो बार पीएम मोदी बिहार आ चुके हैं। 24 फरवरी को पीएम

किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करने आए थे। इसके बाद 24 अप्रैल को मधुबनी में पंचायती राज दिवस के मौके पर 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया था।

इधर, पीएम मोदी के कार्यक्रम में किसी तरह की कोई कमी नहीं हो, इसे लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। एक दिन पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण किया और स्थानीय नेताओं को कई तरह के दिशा-निर्देश दिए। दोनों नेताओं ने घोसियां एवं गोडारी में स्थल निरीक्षण किया तथा विधि व्यवस्था संधारण एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से उपस्थित पदाधिकारीयों के विस्तार से चर्चा की। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी 30 मई को बिहार में कई योजनाओं की सौगात देंगे। पीएम मोदी पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पटना सासाराम फोर लेन सड़क का शिलान्यास करेंगे। साथ हीं औरंगाबाद के नवीनगर में 600 मेगावाट पावर प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास करेंगे और कुल मिलाकर पीएम मोदी बिहार में हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात देने वाले हैं।

बता दें कि काराकाट विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं जदयू अध्यक्ष संजय कुमार झा हवाई मार्ग से बिक्रमगंज पहुंचे। जहां भाजपा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज सहित एनडीए समर्थकों ने दोनों का गर्मजोशी से स्वागत किया। हेलीपैड स्थल पर हीं समर्थकों की भारी भीड़ ने उनका फूल माला से स्वागत किया, जिसके बाद दोनों सड़क मार्ग से स्थल निरीक्षण के लिए निकल पड़े। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने पहले घोसियां स्थित पटेल कॉलेज फिर गोडारी में स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने घोसियां पटेल कॉलेज पर अपनी सहमति जताई है, जिसको देखते हुए इसे अंतिम निर्णय माना जा रहा है।

कलावा पहनने को लेकर दो शिक्षिकाओं ने की छात्रों की पिटाई, गुस्साए परिजनों ने काटा बवाल

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर के भगत सिंह चौक के प्लस टू टाउन उच्च विद्यालय में मंगलवार को बच्चों को पीटी के दौरान शारीरिक शिक्षिका और लाईब्रेरी शिक्षिका ने कच्चे धागे (कलावा) को लेकर तीन दर्जन से ज्यादा बच्चों को डांटा और मारा। बच्चों ने जब यह बात घर पर बताई, तो बुधवार को स्कूल बंद था। गुरुवार को कई बच्चों के परिजन स्कूल पहुंचे, लेकिन प्रधानाचार्य और शिक्षक सही जवाब नहीं दे पाए और उल्टा परिजनों से झगड़ा कर दिया।

इससे परिजन बहुत गुस्से में आ गए और स्कूल के बाहर हंगामा कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों शिक्षिकाएं हिंदू धर्म को निशाना बना रही हैं क्योंकि उन्होंने कलावा पहने बच्चों को अलग करके मारा और डरा-धमकाया। परिजनों ने कहा कि ये शिक्षिकाएं क्रिश्चियन धर्म मानती हैं और इसी वजह से हिंदू बच्चों के साथ ऐसा बर्ताव कर रही हैं। उन्होंने शिक्षिकाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

शारीरिक शिक्षिका सुनीता कुमारी और लाइब्रेरी शिक्षिका

श्वेता प्रिया ने कहा कि स्कूल में कई बच्चे अपनी कलाई में लाल और काला रक्षा सूत्र (धागा) पहन कर आते हैं। साथ ही कुछ बच्चे लंबे बाल लेकर भी स्कूल आते हैं। इसलिए पीटी के दौरान उन्होंने सभी बच्चों को अनुशासन में रहने की हिदायत दी और कहा कि वे पतला धागा बांधें, बाल कटवाएं और स्कूल की ड्रेस पहनें।

उन्होंने साफ किया कि बच्चों या परिजनों द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे गलत हैं। उनका मकसद किसी भी धर्म को ठेस पहुंचाना नहीं था। उन्होंने बताया कि कुछ बच्चों को अनुशासन में रहने के लिए पीटा गया, लेकिन जो बच्चे रक्षा सूत्र पहने थे, उनकी पिटाई नहीं हुई। स्कूली छात्र केशव राज और देवाशीष ने बताया कि पीटी के दौरान शिक्षिका ने सभी बच्चों के हाथों में बंधे धागे को देखकर उन्हें खोलने के लिए कहा, लेकिन कई बच्चों ने इसका विरोध किया। इसलिए कुछ बच्चों की पिटाई हुई। कई छात्र आज कच्चे धागे पहनकर स्कूल नहीं आए। उन्होंने कहा कि पहले कभी पीटी शिक्षिका ने कोई हिदायत नहीं दी थी। शिक्षिका ने कहा कि तुम लोग स्कूल धर्म प्रचार करने के लिए आते हो। इस मामले पर जब जिला शिक्षा पदाधिकारी असगर अली से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अगर ऐसा मामला सही है तो शिक्षा विभाग जांच करेगा और दोषी शिक्षिकाओं के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने केंद्र सरकार पर किया हमला, कहा-

सीजफायर करना पीएम की कौन सी मजबूरी

पटना (एजेंसियां)।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि सेना ने दिखा दिया कि उनके शौर्य का कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन अफसोस इस बात का है कि पीओके हमारे कब्जे में आ सकता था।

ऐसे में एकबारगी सीजफायर किसी के समझ में नहीं आ रहा है। कौन सी मजबूरी थी। डोनाल्ड ट्रंप का ऐसा कौन सा दबाव था, कि प्रधानमंत्री ने सीजफायर कर दिया। यह बात संसद सत्र बुलाकर प्रधानमंत्री जी को पूरे देश को बताना चाहिए।

दरअसल इमरान प्रतापगढ़ी बीएसएफ के शहीद जवान मोहम्मद इम्तियाज को श्रद्धांजलि

देने के लिए टना पहुंचे, जहां से वह छपरा गये। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करने के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए बिहार के लाल बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के घर उनको नमन करने जा रहे हैं। भारत की सेना ने दिखा यह दिया कि उनके शौर्य का कोई मुकाबला नहीं है। साथ ही उन्होंने अफ़सोस जताते हुए कहा कि पीओके हमारे कब्जे में आ सकता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अचानक अमेरिका के कहने पर सीजफायर कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी कौन सी मजबूरी थी या डोनाल्ड ट्रंप का ऐसा कौन सा दबाव था, जिस वजह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीजफायर कर दिया। अब यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद सत्र बुलाकर पूरे देश को बताना चाहिए।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा है कि 'देश की सरहद की हिफ़ाज़त करते हुए जान कुर्बान करने वाले शहीद रामबाबू जी को अंतिम विदाई देने के लिये आज सीवान बिहार पहुंचा।

बिहार की मिट्टी ने इस जंग में अपने दो बेटे वतन पर कुर्बान कर दिये, मोहम्मद इम्तियाज़ और रामबाबू की शहादत पर बिहार सहित पूरे भारत को गर्व है। आज दोनों परिवारों से मिलकर लौट रहा हूँ, पलकें नम हैं, इन शहीदों को देश हमेशा याद रखेगा।

पीएम मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में हुई शिकायत

आरोपी की तलाश तेज

सहरसा (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में सहरसा पुलिस को शिकायत मिली है। ये पोस्ट अशरफ खान नाम के सोशल मीडिया यूजर ने शेयर की है। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और अशरफ की खोज शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शहर के पॉलिटेक्निक रेल फाटक के समीप एक फर्नीचर दुकान चलाने वाले शख्स के रूप में अशरफ की पहचान हुई। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं, पर उस समय पुलिस चौंक गई, जब तहकीकात में ये

पता चला कि अशरफ ने लगभग एक साल से पहले ही सहरसा छोड़ दिया है। अशरफ उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले का रहने वाला है।

विश्व हिंदू परिषद के पमपल सिंह ने अमर्यादित पोस्ट की शिकायत जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से की थी। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री की गलत छवि की परिकल्पना सोशल मीडिया पोस्ट में की गई है। इसकी शिकायत डीएम, एसपी से की गई है। इस तरह के अमर्यादित पोस्ट को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बाबत साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि शिकायत पर छानबीन की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com